खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 09 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-129

विदेशासीन कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने फिर दिया बेजा बयान

पूरब के भारतीय चीनी और दक्षिण के भारतीय अफ्रीकी लगते हैं...

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)।
हिंदू विरासत टैक्स के राहुल-विचार की व्याख्या करने वाले कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने फिर अपने मुंह से अपनी असलियत जाहिर कर दी। सैम पित्रोदा ने भारत की विविधता पर बात करते हुए कहा कि भारत में पूरब के लोग चीनी जैसे लगते हैं और दक्षिण के लोग अफ्रीकी लगते हैं। पश्चिमी भारत के लोग अरबी लगते हैं और उत्तर भारतीय गोरे होते हैं।

एक अंग्रेजी अखबार को दिए इंटरव्यू में सैम पित्रोदा ने कहा कि हम भारत जैसे विविधता से भरे देश को एकजुट रख सकते हैं, जहां पूरब के लोग चीनी जैसे लगते हैं, पश्चिम के लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर के लोग गोरों जैसे और दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे लगते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हम सभी बहन-भाई हैं। पित्रोदा ने कहा कि भारत में अलग-अलग क्षेत्र के लोगों के रीति-रिवाज, खान-पान, धर्म, भाषा अलग-अलग हैं, लेकिन भारत के लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश के लोग 75 वर्षों तक एक सुखद वातावरण में रहे हैं, कुछ लड़ाइयों को छोड़ दें तो लोग साथ रह सकते हैं।

सैम पित्रोदा के बयान पर भाजपा नेताओं ने निशाना साधना भी शुरू कर दिया। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने पित्रोदा के बयान पर निशाना साधते हुए कहा, 'सैम भाई, मैं उत्तर पूर्व से हूं और मैं भारतीय जैसा ही लगता हूं। हम विविधताओं वाले देश के हैं, हम अलग दिख सकते हैं, लेकिन हम सब एक हैं। हमारे देश के बारे में थोड़ा तो समझ लो।

ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने बीते दिनों विरासत टैक्स को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि अमेरिका में एक विरासत टैक्स होता है, जिसके तहत अगर किसी व्यक्ति के पास 10 करोड़ डॉलर की सम्पत्ति है तो उसकी मृत्यु के बाद बच्चों को सिर्फ 45 प्रतिशत सम्पत्ति ही मिलती है बाकि सम्पत्ति सरकार बतौर विरासत टैक्स अपने पास रख लेती है।

यह एक रोचक कानून है। यह कहता है कि अगर आपने सम्पत्ति बनाई है और आप दुनिया छोड़कर जा रहे हैं तो आपको अपनी सम्पत्ति जनता के लिए छोड़कर जानी चाहिए, पूरी नहीं बल्कि आधी और मुझे भी ये सही लगता है। ▶9पर

सैम पित्रोदा के बयान पर गुस्से में आ गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भारतीयों की रंगभेदी तुलना का शहजादे को जवाब देना पड़ेगा

वारंगल, 08 मई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तेलंगाना पहुंचे। उन्होंने करीमनगर के बाद वारंगल में जनसभा को संबोधित किया। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा द्वारा भारतीयों की चीनी और अफ्रीकियों से तुलना किए जाने को लेकर प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से साफ-साफ कहा, आज मैं बहुत गुस्से में हूं। चमड़ी के रंग के आधार पर देशवासियों को गाली दे रहे हैं। चमड़ी को लेकर देश अपमान सहन नहीं करेगा। शहजादे को इसका जवाब देना होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वारंगल की रैली में कहा कि जब भाजपा ने आदिवासी समाज से आने वाली द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाने का निर्णय लिया था, कांग्रेस ने उनकी उम्मीदवारी का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि अब समझ आता है कि कांग्रेस के लोगों ने काली रंग की त्वचा को देखकर उनका विरोध किया था। उन्होंने कहा कि संभवतया कांग्रेस के लोगों ने उन्हें (द्रौपदी मुर्मू) को भी अफ्रीका का मान लिया था। सैम पित्रोदा का विवादास्पद बयान आदिवासी समुदाय की बहुलता वाले आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए बेहद अपमानजनक है। यह अत्यंत संवेदनशील मसला है। काली रंग की त्वचा पर टिप्पणी नफरत पैदा करने का षडयंत्र हो सकता है।

वारंगल की जनसभा में बोले प्रधानमंत्री मोदी, मैं आज गुस्से में हूं

चमड़ी के रंग पर बेजा टिप्पणी, अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा देश

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लोग मैग्नीफाइंग ग्लास लेकर अपनी सीटें खोज रहे हैं। चौथे चरण में कांग्रेस का सामान्य मैग्नीफाइंग ग्लास से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को अपनी सीटें खोजने के लिए माइक्रोस्कोप की आवश्यकता पड़ेगी। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आजकल आप देख रहे हैं कि दुनिया में हर तरफ अस्थिरता है, अशांति है, संकट है। ▶9पर

काली-गोरी चमड़ी का राष्ट्रविरोधी भेद आपत्तिजनक

वारंगल, 08 मई (एजेंसियां)।
काली रंग की त्वचा पर दिए गए सैम पित्रोदा के एक बयान ने नया सियासी तूफान पैदा कर दिया है। कांग्रेस नेता के इस बयान को भाजपा दक्षिण भारत में बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वारंगल की जनसभा में इस मुद्दे को उठाकर इसका संकेत भी दे दिया है।

यदि भाजपा इसे मुद्दा बनाने में सफल रही, तो अगले चरण में आंध्र प्रदेश (25 लोकसभा सीटें) और तेलंगाना (17 लोकसभा सीटें) में उसे इसका लाभ मिल सकता है। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने कहा है कि दक्षिण भारत के लोग काले रंग के होते हैं और दक्षिण अफ्रीका के लोगों के जैसे दिखते हैं। ▶9पर

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस की पूंजीपतियों से हुई 'डील' से उठाया पर्दा

अंबानी-अडाणी से कितना माल उठाया, शहजादे बताएं

रातों-रात अंबानी-अडाणी को गाली देना क्यों बंद किया?

***

पूरे देश में हो रही राहुल-रेवंत (आरआर) टैक्स की चर्चा

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी और कुछ पूंजी घरानों से हुई डील से पर्दा उठाया। पीएम मोदी ने कहा, पिछले पांच साल से सुबह उठते ही अंबानी और अडाणी के नाम की माला जपने वाले कांग्रेस के शहजादे ने उनसे कितना माल उठाया है। लोकसभा चुनाव घोषित होते ही उन्होंने उन्हें गाली देना क्यों बंद कर दिया?

प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन कांग्रेस और पूंजी घरानों के बीच हुए सौदे का साफ-साफ जिक्र किया और यह भी कहा कि कांग्रेस के शहजादे को इसका जवाब देना होगा। उन्होंने दाल में कुछ काला होने की आशंका जताई और कहा, कोई न कोई चोरी का माल टेम्पो भर-भर के आपने पाया है और देश को इसका जवाब देना पड़ेगा। हैदराबाद से करीब 150 किलोमीटर दूर वेमुलावाड़ा में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने यह दावा भी किया कि देश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के बाद कांग्रेस और उसके 'इंडी' गठबंधन के घटक दलों का तीसरा फ्यूज उड़ गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि मतदान के चार चरण शेष हैं और जनता के आशीर्वाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) जीत की ओर बढ़ रहा है। मोदी ने कहा, आपने देखा होगा। कि कांग्रेस के शहजादे (राहुल गांधी की ओर इशारा करते हुए) पिछले पांच साल से सुबह उठते ही माला जपना शुरू करते थे। लेकिन जब से उनका राफेल वाला मामला ग्राउंडड हो गया तब से एक नई माला जपना शुरु किया। पांच साल से एक ही माला जपते थे। पांच उद्योगपति, फिर धीरे-धीरे कहने लगे अंबानी, अडाणी, पांच साल से। लेकिन जब से चुनाव घोषित हुआ है इन्होंने अंबानी अडाणी को गाली देना बंद कर दिया। ▶9पर

सपा नेता के राम मंदिर विरोधी बयान पर तल्ख हुए अमित शाह

ये राम मंदिर पर बाबरी नाम का ताला लगा दें

लखीमपुर खीरी, 08 मई (एजेंसियां)।
केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को लखीमपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। सपा नेता रामगोपाल यादव के बयान पर उन्होंने कहा कि ये राम मंदिर को बेकार बताते हैं। जरा भी गलती की तो ये राम मंदिर पर बाबरी नाम का ताला लगाने का काम करेंगे। शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जब सपा की सरकार थी। गुंडई चलती थी। जमीनों पर कब्जे होते थे। होली दिवाली के दिन बिजली नहीं आती थी और रमजान में 24 घंटे बिजली रहती थी।अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा वाले झूठा प्रचार कर भाजपा और मोदी को बदनाम कर रहे हैं। ▶9पर

रूस की सेना में भर्ती होने का मोह टूटा

अग्निवीर बनने के लिए तैयार हैं नेपाली गोरखा

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)।
भारतीय सेना में अग्निपथ योजना को लेकर नेपाल के गोरखा अब सकारात्मक रुख दिखाने लगे हैं। उन्हें लगता है कि रूस की भाड़े वाली फौज में भर्ती होकर मरने से ज्यादा बेहतर अग्निवीर बनना है। भारत ने जब अग्निपथ योजना लागू की, तो इसे लेकर नेपाल सरकार ने भी विरोध जताया था कि भारतीय सेना में भर्ती के लिए बेकरार रहने वाले गोरखा युवा कहां जाएंगे। इसे लेकर डिप्लोमेटिक स्तर पर भी बातचीत हुई।नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड पिछले साल जब भारत यात्रा पर आए थे, तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने ये गोरखाओं की भर्ती को लेकर मुद्दा उठाया था, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला और नेपाल ने अग्निपथ योजना के तहत भारतीय सेना में गोरखा भेजने बंद कर दिए। अग्निपथ भर्ती योजना की वजह से नेपाल और भारत के बीच 200 साल के सैन्य संबंधों की विरासत खतरे में पड़ चुकी है। वहीं नेपाली गोरखा भर्ती के दूसरे रास्ते तलाश रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्री नारायणकाजी श्रेष्ठा ने खुलासा किया है कि नेपाली गोरखा युवा रूस की सेना में भर्ती हो रहा है। यह संख्या तकरीबन 15 हजार से ज्यादा है, जिनमें से 19 गोरखा रूस-यूक्रेन वार में मारे जा चुके हैं। जबकि चार गोरखाओं ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद से मांगी है। हाल ही में यूक्रेन में रूसी सेना की ओर से युद्ध में हिस्सा ले रहे नेपाली गोरखाओं के परिजनों ने काठमांडू में 17 दिनों तक लगातार प्रदर्शन किया था। पांच मई को नेपाली सरकार ने भरोसा दिलाया कि उनकी चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। परिजनों की मांग थी कि रूस की भाड़े की सेना में शामिल हुए गोरखा युवाओं को नेपाल सुरक्षित वापिस लाया जाए। ▶9पर

कार्टून कॉर्नर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,810/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 84,387/- (प्रति किलोग्राम)

84 का दंगा हुआ तो हुआ... बोलने वाले पित्रोदा फिर फंसे

बेवकूफाना टिप्पणियों से कर रहे कांग्रेस का बंटाधार

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)।
कांग्रेस पार्टी के विदेशासीन नेता सैम पित्रोदा का बयान एक बार फिर से कांग्रेस पार्टी के गले की फांस बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पित्रोदा के बयान को चमड़ी के रंग और नस्लीय टिप्पणी करार दिया है। पित्रोदा ने कहा, भारत में पूरब के लोग चीनियों जैसे लगते हैं। दक्षिण में लोग अफ्रीकी लगते हैं। पश्चिम भारत के लोग अरबी लगते हैं। उत्तर भारतीय गोरे होते हैं। उनके इस बयान को भाजपा ने नस्लीय टिप्पणी बताया है। दिलचस्प बात है कि लोकसभा चुनाव के दौरान ही पित्रोदा के बोल बिगड़ते हैं और कांग्रेस की भद्द पिटवाते हैं। इससे पहले उन्होंने विरासत कर पर विवादित बयान दिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में पित्रोदा ने कहा था, अब क्या है 1984 का। नरेंद्र मोदी ने पांच साल में क्या किया, अब उसकी बात करिए। 1984 में जो हुआ, तो हुआ। पित्रोदा ने तब 1984 के दंगों को लेकर बयान दिया था। उसके बाद पीएम मोदी से लेकर निचले स्तर तक भाजपा कार्यकर्ता ने उस बयान को - हुआ तो हुआ- नाम से लोगों के बीच पहुंचा दिया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पित्रोदा के बयान को लेकर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को घेरा है। बुधवार को तेलंगाना के करीमनगर में आयोजित एक जनसभा में मोदी ने कहा, कांग्रेस के लोग मैग्नीफाइंग ग्लास लेकर अपनी सीटें खोज रहे हैं। आज मैं बहुत गुस्से में हूं। राहुल पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा,

शहजादे के एक अंकल ने आज ऐसी गाली दी है, जिसने मुझे गुस्से में भर दिया है। संविधान सिर पर रखने वाले लोग, देश की चमड़ी का अपमान कर रहे हैं। जिनकी चमड़ी का रंग काला होता है, क्या ये सब अफ्रीका के हैं। मेरे देश के लोगों को चमड़ी के रंग के आधार पर इन्होंने गाली दी है। अरे चमड़ी का रंग कोई भी हो, हम तो श्रीकृष्ण की पूजा करने वाले लोग हैं। शहजादे आपको जवाब देना होगा। चमड़ी के रंग के आधार पर मेरे देशवासियों का यह अपमान, देश सहन नहीं करेगा। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, ये पप्पू के प्रॉक्सी प्रोफेसर हैं। इनके इसी ज्ञान से कांग्रेस, अब देश की पार्टी से मोहल्ले की पार्टी बनकर रह गई है।

ऐसा नहीं है कि लोकसभा चुनाव में पहली बार उनके बोल बिगड़े हैं। इससे पहले भी उनके बिगड़े बोल ने कांग्रेस पार्टी की चुनावी राह को मुश्किल बनाया है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बीच, हरियाणा और पंजाब में वोट पड़ने थे, लेकिन उससे पहले सैम पित्रोदा ने एक ऐसा बयान दे दिया था, जिसे लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर खूब हमला किया। पित्रोदा ने चुनाव के बीच कहा था कि अब क्या है 1984 का। आपने (नरेंद्र मोदी) पांच साल में क्या किया, अब उसकी बात करिए। 1984 में जो हुआ, वो हुआ। पित्रोदा ने यहां पर 1984 के दंगों को लेकर बयान दिया था। भाजपा में पीएम मोदी से लेकर निचले स्तर तक के कार्यकर्ता ने उस बयान को हुआ तो हुआ नाम से लोगों के बीच पहुंचाया था।पित्रोदा ने पिछले दिनों कहा था, अमेरिका में विरासत कर (टैक्स) लगता है। किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की सम्पत्ति है ▶9पर

विवाद के बाद सैम पित्रोदा का इस्तीफा

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)।
इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भारतीयों की शक्ल-सूरत की तुलना विदेशी मूल के लोगों से करने संबंधी बयान से उपजे विवाद के बीच बुधवार को पद से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने उनका इस्तीफ़ा स्वीकार कर लिया है।

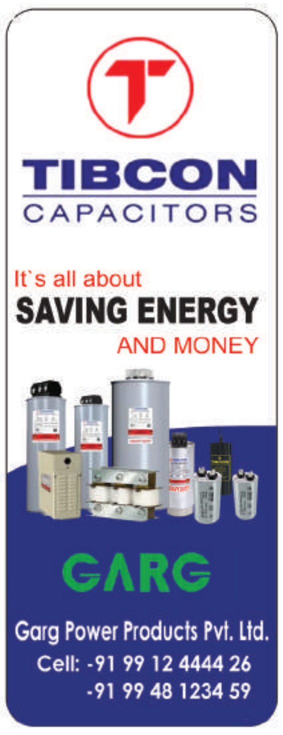

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 26^0

इस भारतीय शेफ ने बटन दबाकर एंपायर स्टेट बिल्डिंग को किया जगमग, भूख से लड़ाई के कार्यक्रम का हिस्सा बने

वॉशिंगटन, 08 मई (एजेंसियां) ।

भूखमरी का मुद्दा उठाने वाले मिशेलिन स्टार शेफ विकास खन्ना ने एक एम्पायर बिल्डिंग हरे रंग की लाइट से प्रकाशमय किया। उन्होंने कहा कि आज मैंने दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित इमारत दि एंपायर स्टेट का जमगमाया है। सिटी हार्वेस्ट, 1982 में स्थापित एक गैर–लाभकारी संगठन है। यह दुनिया का पहला खाद्य बचाव कार्यक्रम और न्यूयॉर्क शहर का सबसे बड़ा खाद्य बचाव संगठन भी है। मिशेलिन स्टार शेफ ने विकास खन्ना ने कहा कि सिटी हार्वेस्ट एक ऐसी संस्था है जिसका अलग मुकाम है। अपने काम के माध्यम से यह संस्था हर किसी को यह महसूस कराती है कि वे गैर नहीं है, अकेले नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे लगता है कि यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि जैसे–जैसे हम शहर में आगे बढ़ते हैं, शहर हमें अवसर देता है, हम किसी को पीछे नहीं छोड़ते हैं। खन्ना ने यह भी कहा कि हमारे लिए यह जरूरी है कि हम उन प्रतिष्ठित लोगों की राह पर चलें, जिन्होंने हमारे लिए रास्ते बनाए हैं। लगभग 25 वर्षों से न्यूयॉर्क शहर में रहने वाले एक अप्रवासी विकास खन्ना ने कहा कि वह मेरी अपनी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाली एम्पायर स्टेट बिल्डिंग को रोशन करने के लिए सम्मानित और विशेषाधिकार प्राप्त हैं। एम्पायर स्टेट बिल्डिंग में वर्ष भर के महत्वपूर्ण अवसरों, छुट्टियों और संगठनों को पहचानने के लिए अपनी रोशनी के रंग बदलने की परंपरा है। एक्स पर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की पोस्ट में कहा गया, शेयर लंच फाइट हंगर अभियान के सम्मान में आज रात हरियाली से जगमगा रहा है। संगठन ने अपनी वेबसाइट पर कहा, सिटी हार्वेस्ट पूरी तरह से अच्छा, पौष्टिक भोजन बचाता है जो अन्यथा बर्बाद हो जाता है। इससे भूख का सामना कर रहे न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त में वितरित किया जाता है। पिछले 40 वर्षों में, सिटी हार्वेस्ट ने पांच नगरों के पड़ोसियों के लिए एक अरब पाउंड से अधिक भोजन बचाया और वितरित किया है। संगठन ने कहा, शहर भर में 400 से अधिक फूड पैंट्री और सूप रसोई के अपने नेटवर्क के साथ, सिटी हार्वेस्ट गुजारा करने के लिए संघर्ष कर रहे लगभग 30 लाख न्यूयॉर्क वासियों को खाना खिलाने में मदद करता है। लगभग 12 लाख न्यूयॉर्कवासी अपना और अपने परिवार का पेट भरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय सुरक्षा-कनाडा से उभर रहे खतरे से चिंतिंत, भारतीय उच्चायुक्त ने विदेशी नागरिकों को दी नसीहत

मांट्रियल । भारत और कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर तनाव बना हुआ है। इस बीच, कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने दोनों देशों के बीच संबंधों को दशकों पुराने मुद्दों के रूप में वर्णित किया है जो दुर्भाग्यपूर्ण अपराधों और कनाडा की भूमि से उत्पन्न खतरों के साथ फिर से उभर आए हैं। मांट्रियल में एक कार्यक्रम में भारतीय राजदूत ने कहा कि भारत में क्या होगा यह निर्णय भारतीय करेंगे न कि विदेशी इसका फैसला करेंगे। दोनों देशों की सरकारों के बीच चल रही बातचीत वर्मा ने कहा, दोनों देशों की सरकारों के बीच कूटनीतिक माध्यमों से बातचीत चल रही है। दोनों पक्षों की परेशानियों के समाधान खोजने की कोशिश हो रही है। जिस तरह से बातचीत चल रही है, मुझे लगता है कि दोनों पक्षों के मुद्दे हल हो जाएंगे। मेरी चिंता राष्ट्रीय सुरक्षा और कनाडा से उभर रहे खतरे हैं। ये खतरे काफी हद तक कनाडाई नागरिकों की ओर से हैं। हम किसी भी दिन बात करने के लिए तैयार हैं और हम ऐसा कर रहे हैं। हम इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत जाकर चुनाव प्रक्रिया में भाग लें भारतीय उच्चायुक्त ने दोनों देशों के बीच वर्तमान संबंधों पर कहा, यदि विदेशों में रहने वाले भारतीय भारत के भाग्य का फैसला करना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि वापस जाएं और चुनाव प्रक्रिया में भाग लें। हर पांच साल में भारत में राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव होते हैं। इसी तरह भारत के राज्यों में भी चुनाव होता है। उन्होंने कहा, जब हम द्विपक्षीय संबंधों में दो देशों को रणनीतिक साझेदार और मित्र कहते हैं तो हम उम्मीद करते हैं कि दोनों देश एक–दूसरे के दृष्टिकोण को समझें।

समुद्र में चीन पर जवाबी हमला नहीं करेगा फिलीपींस, जहाजों पर वॉटर कैनन लगाने से इनकार

मनीला । फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस ने पश्चिमी फिलीपींस सागर (डब्ल्यूपीएस) से गुजरने वाले अपने देश के जहाजों पर वॉटर कैनन लगाने से इनकार किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि फिलीपींस के समुद्री जहाजों पर चीनी हमलों का जवाब नहीं दिया जाएगा। कूटनीतिक तरीकों से दक्षिण चीन सागर में हुई घटनाओं का जवाब दिया जाएगा। बता दें कि कुछ दिन पहले चीनी तटरक्षक बल ने दक्षिण चीन सागर में स्कारबोरो शोल के पास फिलीपींस के जहाज पर पानी की बौछार से हमला किया। इस वजह से एक जहाज क्षतिग्रस्त हो गया था। चीन के जहाजों पर हमला करने का इरादा नहीं मार्कोस ने एक बयान में कहा कि फिलीपींस का डब्ल्यूपीएस में वॉटर कैनन या किसी भी उपकरण से चीन के जहाजों पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है। इस जलमार्ग पर तनाव बढ़ाने के लिए किसी भी तरह का टकराव नहीं किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मंच पर चीन को बेनकाब करेगा फिलीपींस कोस्ट गार्ड के एक प्रवक्ता के अनुसार फिलीपींस चीन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेनकाब करना चाहता है और इसके लिए कूटनीतिक कदम उठाने की जरूरत है। इस तरह से डब्ल्यूपीएस नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाएगी। फिलीपींस के जिंगगोय एस्ट्राडा के सीनेटर ने भी राष्ट्रपति के फैसले का समर्थन किया है। उनका कहना है 'हम चीन से बदला लेने बजाय राजनयिक माध्यमों से उसकी हरकत का विरोध करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार चीन ने हाल ही में इस महत्वपूर्ण जलमार्ग पर अपने जहाजों के साथ तटरक्षक बल को तैनात किया है।

टिकटॉक ने अमेरिकी सरकार के प्रतिबंध लगाने वाले कानून को दी चुनौती, पिछले महीने बाइडन ने किए थे हस्ताक्षर

न्यूयॉर्क । सोशल मीडिया मंच टिकटॉक और उसकी मूल कंपनी बाइटडांस ने अमेरिका की संघीय सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर किया। कंपनी ने हिस्सेदारी बेचने के लिए मजबूर करने या प्रतिबंध के दायर में दायरे में लाने वाले कानून को चुनौती दी। इस कानून पर पिछले महीने राष्ट्रपति जो बाइडन ने हस्ताक्षर किए थे। यह मुकदमा अमेरिका में टिकटॉक के भविष्य पर एक लंबी कानूनी लड़ाई की वजह बन सकता है। शॉर्ट वीडियो के लिए मशहूर मंच टिकटॉक ने इस कानून को स्पष्ट रूप से असंवैधानिक बताया। इस कानून में प्रावधान है कि टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस को नौ महीने के भीतर अपना मंच बेचना होगा। अगर बिक्री की दिशा में पहले से कोई प्रयास जारी है, तो कंपनी को सौदा पूरा करने के लिए तीन महीने की अतिरिक्त मोहलत मिलेगी। हालांकि बाइटडांस का कहना है कि उसकी टिकटॉक को बेचने की कोई योजना नहीं है। लेकिन बेचने की मंशा होगी भी तो उसे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार से मंजूरी लेनी होगी।

राफा पर हमले को लेकर इजराइल–अमेरिका में बढ़ी तल्खी, बाइडन सरकार ने रोकी हथियारों की सप्लाई

वॉशिंगटन, 08 मई (एजेंसियां) ।

गाजा के राफा शहर पर हमले को लेकर इजराइल और अमेरिका के रिश्तों में तल्खी आ गई है। ये तल्खी इतनी बढ़ गई है कि अमेरिका ने इजराइल को भेजे जाने वाली हथियारों की खेप रोक दी है। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ये जानकारी दी। अमेरिका की बाइडन सरकार इजराइल के राफा पर हमले को टालने की कोशिश कर रही है, जबकि इजराइल ने राफा के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है।

इजराइल ने शुरू किया राफा पर हमला

अमेरिका सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि हमने इजराइल को भेजे जाने वाले उन हथियारों की समीक्षा करनी शुरू कर दी है, जिनका इस्तेमाल राफा में हो सकता है। इस समीक्षा के तहत हमने बीते हफ्ते इजराइल को भेजे जाने वाले 1800–2000 एलबी बम समेत कई हथियारों की सप्लाई रोकने का फैसला किया है। हालांकि व्हाइट हाउस और पेंटागन ने इजराइल को हथियारों की सप्लाई रोके जाने पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि अगर हमास ने समझौते के तहत हमारे बंधकों को रिहा नहीं किया तो हम राफा पर और अधिक भयानक हमले करेंगे। इजराइल ने हमास के साथ युद्धविराम के समझौते को भी ठुकरा दिया। इजराइल ने राफा पर हमला शुरू कर दिया है।

राफा में बड़ी संख्या में आम नागरिकों के मारे जाने की आशंका

बीती 7 अक्तूबर को हमास ने जब इजराइल पर हमला किया था, तो अमेरिका ने इजराइल को समर्थन का एलान किया था। हालांकि राफा पर इजराइल के हमले का अमेरिका द्वारा विरोध किया जा रहा है। अमेरिका को डर है कि राफा पर इजराइली हमले में बड़ी संख्या में आम नागरिकों की जान जा सकती है और इजराइल हमास युद्ध पूरे अरब क्षेत्र में फैल सकता है। इजराइल के गाजा पर हमले में अब तक 34 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और इसके चलते गाजा में करीब 23 लाख लोग भुखमरी के मुहाने पर हैं। गाजा से इजराइली हमले से बचकर बड़ी संख्या में लोगों ने राफा में शरण ली हुई है। ऐसे में इजराइल के राफा पर हमले को लेकर बड़ी संख्या में आम नागरिकों की मौत की आशंका जताई जा रही है।

हमास के भयानक हमले को भूल रहे कई लोग', राष्ट्रपति बाइडन ने याद दिलाई सात अक्तूबर की रात

वॉशिंगटन । अमेरिका के अलग अलग विश्वविद्यालयों में फलस्तीन के समर्थन में चल रहे प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका को लोग प्रलय की भयावहता की अनदेखी कर रहे हैं। बाइडन ने साफ किया कि अमेरिका में किसी भी परिसर में या स्थान पर इजराइल या यहूदी विरोधी भावना के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकारी संपत्ति को नष्ट करना शांतिपूर्ण विरोध नहीं बल्कि कानून के खिलाफ है। राष्ट्रपति बाइडन ने याद दिलाई सात अक्तूबर की रात बाइडन ने याद दिलाया कि 7 अक्टूबर की रात को हमास ने अचानक इजराइल पर हमला किया था, जिसमें 1,200 लोगों की मौत हो गई और 250 लोगों को बंधक बना लिया गया। इजराइल के अधिकारियों का मानना है कि गाजा में लगभग 130 से अधिक लोग कैद में हैं और इनकी सटीक संख्या जानना मुश्किल है। इजराइल ने भी गाजा पट्टी पर व्यापक कार्रवाई कर इन हमलों का जवाब दिया था। जिसके बाद एक रिपोर्ट में कहा गया कि युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में 34,789 फलस्तीनी मारे गए हैं। बाइडन ने कहा कि लोग भूल रहे हैं कि यह आतंक हमास ने फैलाया है। अमेरिका में अलग–अलग विश्वविद्यालयों में हो रहे प्रदर्शन गाजा पर की गई इजराइल की जवाबी कार्रवाई के बाद से अमेरिका के कई कॉलेज परिसर तनाव का केंद्र बन गए हैं।

एस्ट्राजेनेका ने दुनियाभर से कोरोना वैक्सीन वापस मंगाई, टीके की सुरक्षा को लेकर उठे थे सवाल

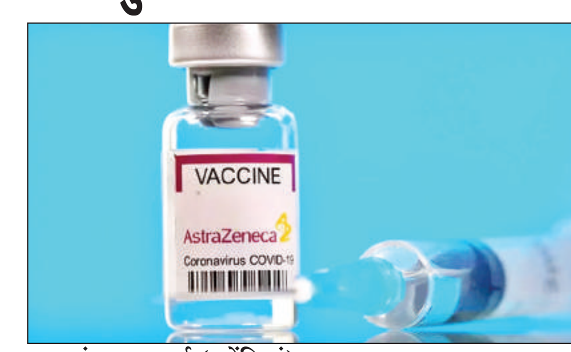

लंदन, 08 मई (एजेंसियां) ।

दुनियाभर में कोरोनावायरस महामारी के दौरान लोगों को टीके मुहैया कराने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने अपना कोरोना का टीका वापस मंगा लिया है। कंपनी ने कहा है कि वह दुनियाभर से अपनी वैक्सजेवरिया वैक्सीन को वापस मंगा रही है। गौरतलब है कि एस्ट्राजेनेका के लाइसेंस वाली कोविशील्ड वैक्सीन ही भारत में भी कोरोना से बचाव के लिए दी गई थी। भारत में लगाई गई कोविशील्ड वैक्सीन भी उसी फार्मूले पर बनी है, जिस पर वैक्सजेवरिया वैक्सीन बनी है। भारत में कोविशील्ड का निर्माण सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने किया था, लेकिन अभी तक भारत में कोरोना वैक्सीन वापस लेने का कोई फैसला नहीं हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, एस्ट्राजेनेका ने दावा किया है कि वैक्सीन का अपडेट संस्करण उपलब्ध है, ऐसे में वैक्सीन के पुराने स्टॉक को वापस मंगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने 5 मार्च को ही वैक्सीन वैक्सजेरवरिया को वापस मंगाने का फैसला कर लिया था, लेकिन यह आदेश 7 मई से प्रभावी हुआ। ब्रिटिश–स्वीडिश फार्मास्यूटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका का यह कदम ऐसे वक्त सामने आया ; जब कंपनी ने बीते दिनों ही स्वीकार किया है कि कुछ मामलों में कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट सामने आए हैं और इसकी वजह से कुछ लोगों में थ्रंबोसिस थ्रंबोसाइटोपीनिया सिंड्रोम बीमारी के लक्षण देखे गए हैं, जिसमें लोगों में खून के थक्के जमने लग जाते हैं। कंपनी के खिलाफ दर्ज हुए मुकदमे एस्ट्राजेनेका कंपनी कोविड वैक्सीन को लेकर कई मुकदमों का सामना कर रही है। आरोप है कि कोविड वैक्सीन लगने के बाद कई लोगों की जान गई है। जैमी स्कॉट नामक एक व्यक्ति ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। स्कॉट का आरोप है कि वैक्सीन लेने के बाद उसके शरीर में खून के थक्के जमने की समस्या हुई और दिमाग में भी ब्लीडिंग हुई। इससे उसके मस्तिष्क को नुकसान हुआ। ऐसे ही कंपनी के खिलाफ 50 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं।

कंपनी ने भी कोर्ट में लिखित दस्तावेजों में स्वीकार किया कि कोरोना वैक्सीन के कुछ दुर्लभ मामलों में साइड इफेक्ट दिख सकते हैं। भारत में भी उठी चिंताएं एस्ट्राजेनेका ने यूरोप और दुनिया के अन्य देशों से ही कोरोना वैक्सीन वापस मंगाने का फैसला किया है।

अदालत में पेश हुए आतंकवादी निज्जर की हत्या के तीनों आरोपी, तीन अप्रैल को किया गया था गिरफ्तार

ओटावा, 08 मई (एजेंसियां) ।

खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में आरोपी तीन भारतीय नागरिक पहली बार वीडियो के जरिए कनाडा की एक अदालत के सामने पेश हुए। इन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था और उन पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था।

वैंकूवर सन की खबर के मुताबिक, आरोपी करण बराड़ (22 वर्षीय), कमलप्रीत सिंह (22 वर्षीय) और करनप्रीत सिंह (28 वर्षीय) कथित हिट स्क्वॉड के सदस्य हैं और ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में सरे प्रांतीय अदालत के सामने पेश हुए। तीनों आरोपी नॉर्थ फ्रेजर प्रीट्रियल सेंटर से जल द्वारा जारी लाल टी–शर्ट, स्वेटशर्ट और स्वेटपैंट पहने हुए दिखाई दिए। खबर में कहा गया है कि तीनों अंग्रेजी में चली अदालती कार्यवाई की सुनावई के लिए सहमत हुए और उनमें से प्रत्येक ने सिर हिलाकर जवाब दिया कि वे निज्जर की हत्या की साजिश रचने के आरोपों को समझते हैं। इस दौरान सैकड़ों खालिस्तान समर्थक अदालत में दिखाई दिए। उन 50 लोगों को समायोजित करने के लिए अदालत के अंदर एक अलग रूम खोला गया था, जो सुनवाई को देखना चाहते थे। अदालत के बाहर करीब सौ लोगों ने खालिस्तान के झंडे लहराए और सिख अलगाववाद के समर्थन में पोस्टर ले रखे थे। कनाडा के नागरिक निज्जर की 18 जून 2023 को हत्या कर दी गई थी।

आरोप के मुताबिक, एक मई 2023 से निज्जर की हत्या की तारीख के बीच सरे और एडमोंटन दोनों साजिश रची गई। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, कथित हत्यारों ने पिछले पांच वर्षों में कनाडा में प्रवेश किया और उन पर नशीले पदार्थों तस्करी और हिंसा में शामिल होने का शक था।

गोपनीय दस्तावेज मामले में ट्रंप के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही टली, पूर्व राष्ट्रपति ने जताई नाराजगी

वॉशिंगटन, 08 मई (एजेंसियां) ।

यूएस डिस्ट्रिक्ट जज एलीन कैनन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ गोपनीय दस्तावेज अवैध रूप से अपने पास रखने के मामले की सुनवाई अनिश्चितकाल के लिए टाल दी है। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ गोपनीय दस्तावेज मामले की सुनवाई 20 मई से शुरू होनी थी। जज ने कहा कि कई अलंबित प्रस्तावों और विभिन्न प्री–ट्रायल मुद्दों की वजह से यह सुनवाई टाली गई है।

अगस्त में शुरू हो सकती है सुनवाई

जज एलीन कैनन ने कई लंबित मुद्दों पर सुनवाई मई और जुलाई के अंत में करने का निर्देश दिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ गोपनीय दस्तावेज मामले की सुनवाई अगस्त में शुरू हो सकती है। हालांकि नवंबर में अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं, ऐसे में ट्रंप ने इस बात पर नाराजगी जताई कि सुनवाई के चलते उनका चुनाव प्रचार प्रभावित हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने बीते मार्च में अपने खिलाफ चल रहे गोपनीय दस्तावेज मामले को खारिज करने की मांग भी की थी। हालांकि जज ने मामला खारिज करने से इनकार कर दिया था।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने राष्ट्रपति पद पर रहते हुए कई गोपनीय दस्तावेज अवैध रूप से अपने निजी आवास मार ए लागो में रखे।

जब एफबीआई एजेंट्स उन गोपनीय दस्तावेजों को वापस लेने गए तो ट्रंप पर सरकारी काम में बाधा डालने का प्रयास करने का भी आरोप है।

एडल्ट स्टार को पैसे देने के मामले में स्टॉर्मी डेनियल्स की हुई गवाही

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को अपने यौन संबंधों पर चुप रहने के बदले पैसे देने के मामले में भी फंसे हुए हैं। इस मामले में स्टॉर्मी डेनियल्स की कोर्ट में गवाही हुई।

ट्रंप पर आरोप है कि 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप ने डेनियल्स से अपने यौन संबंधों को लेकर चुप रहने के लिए 1.30 लाख डॉलर देने का आरोप है। हालांकि ट्रंप ने खुद को निर्दोष बताया और डेनियल्स के साथ यौन संबंधों की बात से इनकार किया।

भारत ने करीब दो साल पहले के वादे को किया पूरा, आतंकवाद से निपटने के लिए सीटीटीएफ में दिए पांच लाख डॉलर

संयुक्त राष्ट्र, 08 मई (एजेंसियां) ।

वैश्विक स्तर पर आतंकवाद का खतरा बढ़ता जा रहा है। आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत ने संयुक्त राष्ट्र ट्रस्ट फंड फॉर काउंटर टेररिज्म (सीटीटीएफ) में पांच लाख डॉलर का योगदान दिया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने सात मई को भारत आतंकवाद विरोधी संस्था के प्रयासों को बल देने के लिए संयुक्त राष्ट्र ट्रस्ट फंड फॉर काउंटर टेररिज्म में आधा मिलियन डॉलर का स्वैच्छिक योगदान संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद निरोधक कार्यालय (यूएनओसीटी) के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोंकोव को सौंपा।

भारत आतंकवाद से निपटने के लिए तैयार

उन्होंने कहा, भारत आतंकवाद के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सदस्य देशों की क्षमता निर्माण में यूएनओसीटी द्वारा किए गए जनादेश और कार्यों को बहुत महत्व देता है। पांच लाख डॉलर का योगदान वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में बहुपक्षीय प्रयासों का समर्थन करने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। करीब दो साल पहले किया था वादा साल 2022 में अक्तूबर में विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद–रोधी समिति को संबोधित किया था। तब उन्होंने कहा था कि वैश्विक स्तर पर आंतकवाद का खतरा बढ़ता जा रहा है।

इस दौरान उन्होंने आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। साथ ही वादा किया था कि आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत संयुक्त राष्ट्र ट्रस्ट फंड फॉर काउंटर टेररिज्म में 500,000 डॉलर का योगदान देंगे। आतंकवादियों की आवाजाही को रोकने का मकसद बयान में कहा गया है, भारत यूएनओसीटी के वैश्विक कार्यक्रमों मुख्य रूप से आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला (सीएफटी) और आतंकवाद यात्रा कार्यक्रम (सीटीटीपी) का मुकाबला करने में मदद करेगा।इसका उद्देश्य पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका के सदस्य देशों की क्षमता को बढ़ाना है ताकि वे आतंकवाद के वित्तपोषण के महत्वपूर्ण मुद्दों से निपट सकें और आतंकवादियों की आवाजाही एवं यात्रा को रोक सकें। वित्तीय समर्थन 25.5 लाख डॉलर हुआ अफ्रीका में आतंकवाद के बढ़ते खतरे के मुद्दे को संबोधित करना पिछले कुछ वर्षों से भारत की आतंकवाद–विरोधी प्राथमिकताओं में से एक रहा है।

देश में एक और आर्थिक मंदी रोकने के निरंतर सुधार जरूरी, श्रीलंका के केंद्रीय बैंक के गवर्नर बोले

कोलंबो। श्रीलंका के केंद्रीय बैंक के गवर्नर नंदलाल वीरसिंघे ने कहा कि देश में एक और आर्थिक मंदी को रोकने के लिए सुधार की निरंतरता जरूरी है। उन्होंने कहा कि द्वीप राष्ट्र के 2022 के दिवालियापन से आर्थिक सुधार की निरंतरता मुख्य रूप से आईएमएफ के विस्तारित बेलआउट पैकेज के एजेंडे पर टिकी है। वह केंद्रीय बैंक की 2023 की वार्षिक रिपोर्ट पर टिप्पणी कर रहे थे। वीरसिंघे ने कहा, देश आर्थिक संकट से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाया है, इसलिए प्रतिबद्धता के रास्ते में किसी भी चूक के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि लागू और नियोजित महत्वपूर्ण सुधारों से पीछे हटने से अर्थव्यवस्था अस्थिरता की स्थिति में पहुंच जाएगी। द्वीप राष्ट्र इस साल के अंत में राष्ट्रपति चुनाव का सामना करने के लिए तैयार है। 2022 के दिवालियापन के बाद राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने सिलसिलेवार अलोकप्रिय सुधारों के साथ अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया है। वीरसिंघे ने कहा कि आईएमएफ के बेलआउट पैकेज को आगे बढ़ाने के लिए 46 अरब डॉल से जुड़ी मौजूदा ऋण पुनर्गठन वार्ता का परिणाम महत्वपूर्ण है। श्रीलंका अभी भी निजी बॉन्डधारकों के साथ जुड़ा हुआ है और आईएमएफ ने कहा है कि इसे अगले महीने तक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के साथ समाप्त होना चाहिए। केंद्रीय बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि जोखिम नीचे की ओर जाता दिख रहा है।

केजरीवाल सरकार ने की थी अनापशनाप नियुक्तियां

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार द्वारा की गई अनापशनाप नियुक्तियां दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा खारिज किए जाने की खबर पिछले दिनों सुर्खियों में रही हैं। अंधी सियासत करने वाले नेताओं ने उपराज्यपाल के इस फैसले की निंदा की, लेकिन तथ्य यह है कि केजरीवाल सरकार ने अपने चहेतों को सरकारी नौकरी देकर अपनी फौज खड़ी खड़ी करने की कोशिश की थी। आम आदमी पार्टी (आपा) के विधायक अमानतुल्ला खान पर दिल्ली वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष रहते हुए अवैध तरीके से नियुक्तियां करने का आरोप है। अमानतुल्ला ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में 32 लोगों को अवैध रूप से भर्ती किया था। इसके साथ ही अवैध रूप से दिल्ली वक्फ बोर्ड की कई सम्पत्तियों को किराए पर देने और वक्फ बोर्ड के फंड का

गलत इस्तेमाल करने का भी उस पर आरोप है।

जांच के दौरान अमानतुल्ला के करीबियों के ठिकानों से नकदी बरामद हुई थी। अमानतुल्ला के करीबियों के घर पर छापे के दौरान एक डायरी भी मिली थी, जिसमें अमानतुल्लाह का देश-विदेश में करोड़ों रुपए के लेन-देन का जिक्र भी था। दिल्ली वफ्फ बोर्ड मामले से जुड़े भ्रष्ट्राचार मामले में ईडी ने पिछले साल 12 नवंबर को तीन आरोपियों जीशान हैदर, जावेद इमाम, दाऊद नसीर को गिरफ्तार किया था। सभी अमानतुल्ला खान के करीबी बताए गए थे। इसके अलावा अमानतुल्ला के करीबियों के ठिकानों से नकदी भी बरामद हुई थी।

एंटी करप्शन ब्यूरो ने सितंबर 2022 में अमानतुल्ला से पूछताछ कर चार जगहों पर छापेमारी की थी और करीब 24 लाख रुपए कैश बरामद किया था। छानबीन के दौरान दो अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद हुए थे। इस मामले में अमानतुल्ला को गिरफ्तार किया गया था। 28 दिसंबर 2022 को अमानतुल्ला को जमानत पर रिहा कर दिया गया। इस मामले में जांच अभी जारी है।

इसी तरह दिल्ली महिला आयोग में भी मनमाने तरीके से लोगों की भर्तियां की गई थीं। आयोग के लिए 40 ही पद स्वीकृत हैं, इसके अलावा आयोग को संविदा पर कर्मचारी रखने का अधिकार नहीं है। बावजूद इसके ये नियुक्तियां की गई थीं। इस मामले में कार्रवाई करते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आयोग में बिना नियमों-कायदों के रखे गए 223 कर्मचारियों को निकाल दिया। जारी आदेश में दिल्ली महिला आयोग अधिनियम का हवाला देते हुए कहा गया है कि पैनल में 40 कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या है और 223 नए पद उपराज्यपाल की मंजूरी के बिना बनाए गए। उपराज्यपाल कार्यालय से जारी आदेश में कहा गया कि आयोग को संविदा पर कर्मचारी रखने का अधिकार नहीं है।

महिला आयोग को पहले ही सूचित किया गया था कि वे वित्त विभाग की मंजूरी के बिना कोई भी कदम नहीं उठाएंगे, जिससे सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय भार आए। इसके बाद भी मनमाने तरीके से नियुक्तियां की गईं। महिला आयोग के लिए बस 40 पद ही स्वीकृत हैं जबकि मनमाने तरीके से यहां पर 223 नियुक्तियां की गई थीं। बता दें कि वर्तमान में राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल सांसद बनने से पहले दिल्ली महिला आयोग की 9 वर्षों तक अध्यक्ष रह चुकी हैं।

तीसरे चरण में 93 सीटों पर हुआ औसत 65 फीसदी मतदान

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 93 सीटों पर मंगलवार को औसतन 64.58 फीसदी मतदान हुआ है। असम में सबसे अधिक 81.71 फीसदी और उत्तर प्रदेश में सबसे कम 57.34 फीसदी मत पड़े हैं। पश्चिम बंगाल में छिटपुट हिंसा को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा है। मतदान प्रतिशत में अभी बदलाव की उम्मीद है क्योंकि चुनाव आयोग की तरफ से अंतिम आंकड़े नहीं जारी किए गए हैं।

तीसरे चरण में 280 सीटों पर मतदान के साथ ही लोकसभा की आधी से अधिक सीटों पर चुनाव पूरा हो गया। इस बीच, पश्चिम बंगाल में फिर हिंसा की घटनाएं सामने आईं। ज्यादातर वारदात मुर्शिदाबाद व जंगीपुर में हुईं। दोनों क्षेत्रों में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस, भाजपा व कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें हुईं। चुनावी हिंसा को लेकर तीनों पक्षों ने शिकायतें दर्ज कराई हैं।

इस चरण में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है। शाह गांधीनगर से चुनावी मैदान में हैं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना, मनसुख मांडविया पोरबंदर, पुरुष-ोत्तम रूपाला राजकोट, प्रह्लाद जोशी धारवाड़ और एसपी सिंह बघेल आगरा से मैदान में हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज चौहान विदिशा, दिग्विजय सिंह राजगढ़, एनसीपी नेता सुप्रिया सुले बारामती से प्रत्याशी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीनगर में व गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को अहमदाबाद में वोट डाला। कर्नाटक में सबसे पहले वोट डालने वालों में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी व राज्य के मंत्री प्रियांक खरगे प्रमुख रहे। महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बारामती से एनडीए प्रत्याशी अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार के साथ मतदान किया। एनसीपी के दूसरे धड़े के अध्यक्ष शरद पवार ने भी बारामती के मालेगांव में वोट दिया। असम में सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने पत्नी रिनिकी भुइयां व बेटी सुकन्या के साथ बारपेटा सीट के अमीनगांव में वोट डाला।

तीसरे चरण का मतदान पूरा होने के बाद बैतूल में छह मतदान केंद्रों से मतदान सामग्री और कर्मचारियों को लेकर लौट रही बस में मंगलवार रात आग लग गई। आग में बस पूरी तरह खाक हो गई। हादसे में सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। मतदान सामग्री को आंशिक नुकसान होने की खबर है। हालांकि, अभी मतदान सामग्री को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। चुनाव कर्मचारियों और ईवीएम को लाने के लिए दूसरी बस मौके पर बुलवाई गई।

हादसा साईंखेड़ा थानाक्षेत्र के बिसनूर और पौनी गौला गांवों के बीच हुआ। बस का ड्राइवर जलती बस से कूद गया था, जबकि कर्मचारियों ने मुश्किल से जान बचाई। सूचना मिलते ही बैतूल से अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंची। बैतूल, मुलताई और आठनेर से फायर ब्रिगेड बुलाकर आग पर काबू किया गया।

ताजा आतंकी हमलों को लेकर मतदान के अगले तीन चरण पर अलर्ट

जम्मू, 08 मई (ब्यूरो)। राजौरी व पुंछ के अतिरिक्त कश्मीर में आतंकी हमलों में आई तेजी ने सुरक्षाबलों को लोकसभा चुनावों के अगले तीन चरणों के लिए सुरक्षा नीतियों में बदलाव करने पर मजबूर इसलिए किया है क्योंकि खबरें कहती हैं कि आतंकी इन दो चरणों के दौरान खूनी खेल खेल सकते हैं।

श्रीनगर, बारामुला और नवगठित अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीटों पर आसन्न चुनावों के साथ, सुरक्षा बल लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अखंडता और सुरक्षा की रक्षा के लिए अपनी तैयारी बढ़ा रहे हैं। इससे पहले, चुनाव आयोग के निर्देश के तहत, जम्मू और उधमपुर संसदीय चुनावों के दौरान जम्मू कश्मीर पुलिस के साथ-साथ अन्य सुरक्षा बलों ने पूरी लगन से अपने कर्तव्यों का पालन किया। इन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान सफलतापूर्वक संपन्न होने के साथ, सुरक्षा बलों का पूरा ध्यान अब आगामी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में शांतिपूर्ण और निर्बाध चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने की ओर है।

श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्र में 13 मई को मतदान होना है, जबकि बारामुला में 20 मई को मतदान होना है। इसके अतिरिक्त, अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट के लिए चुनाव, जो पहले स्थगित कर दिया गया था, अब 25 मई को निर्धारित है, जो इस क्षेत्र में चल रही व्यापक चुनावी प्रक्रिया को उजागर करता है। मतदान की प्रत्याशा में, सुरक्षा अधिकारियों ने सुरक्षा चिंता के हर पहलू को संबोधित करने के लिए एक सावधानीपूर्वक रणनीति बनाई है। अधिकारियों के बकौल, मतदान केंद्रों को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर मजबूत करने, स्ट्रांग रूम को सुरक्षित करने और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के संग्रह और वितरण केंद्रों की सुरक्षा के लिए एक व्यापक सुरक्षा खाका तैयार किया जा रहा है।

सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्र कहते हैं कि परिवहन रसद, मार्ग योजना और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की रणनीतिक तैनाती भी व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा है। सूत्रों ने कहा कि एक मजबूत संचार रणनीति कानून और व्यवस्था को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए सुरक्षा उपायों की पूरक होगी। उनके बकौल, विघटनकारी व्यवहार के इतिहास वाले व्यक्तियों की निगरानी के लिए गहन निगरानी प्रयासों के साथ, किसी भी आपात स्थिति को संबोधित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) स्थापित की जाएंगी।

अधिकारी बताते हैं कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से अधिकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के संभावित दुरुपयोग के खिलाफ सतर्कता बरतने को कहा गया है। इसके अलावा, मतदान दलों की गतिविधियों की सावधानीपूर्वक निगरानी, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के लिए आवास व्यवस्था और सार्वजनिक समारोहों, जुलूसों और रैलियों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए जा रहे हैं। राष्ट्रविरोधी तत्वों की विध्वंसक गतिविधियों को विफल करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि मजबूत पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) के साथ रिपोर्टिंग चैनल बढ़ा रहे हैं।

चुनाव अधिकारियों के अनुसार, पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, और यदि आवश्यक हो, तो अर्धसैनिक बलों और मतदान कर्मचारियों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से दूरदराज के इलाकों में पहुंचाया जाएगा, जो कश्मीर प्रांत में स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुरक्षित चुनाव कराने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। जानकारी के लिए चुनावी परिदृश्य में संसदीय सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले उल्लेखनीय दावेदार शामिल हैं, जिनमें उमर अब्दुल्ला, सज्जाद लोन, महबूबा मुफ्ती, वहीद पारा, आगा रुहुल्ला, जफर इकबाल मन्हास, मियां अल्ताफ और अशरफ मीर जैसे चेहरे शामिल हैं। चूंकि मंच एक महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया के लिए तैयार है, सुरक्षाबलों और चुनावी अधिकारियों के सामूहिक प्रयासों का उद्देश्य लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखना और क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में नागरिकों की शांतिपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करना है।

आतंकी हमलों से गुस्साई सेना

राजौरी-पुंछ में सेना सक्रिय

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 08 मई।

पुंछ और राजौरी के जुड़वा जिलों में आतंकियों द्वारा सेना के जवानों पर किए जाने वाले लगातार घातक हमलों से गुस्साई सेना ने अब अपने हजारों सैनिकों को मैदान में उतारा है जिनकी मदद की खातिर लड़ाकू हेलिकाप्टर भी आसमान पर पहरा दे रहे हैं। हालांकि उनकी चिंता वे पूर्व पाक फौजी भी हैं जो आतंकी बन इस इलाके में एक्टिव हैं।

सेना के बकौल, ताजा हमले को 7 से 10 पाक परस्त आतंकियों के दो गुटों ने इस कृत्य को अंजाम दिया है जिनको ढेर करने की खातिर डीकेजी इलाके में सैंकड़ों की संख्या में जवानों को उतारा गया है। उनकी मदद को न सिर्फ खोजी कुत्ते, ड्रोन और लड़ाकू हेलिकाप्टर लगाए गए हैं बल्कि एनआईए की टीम भी पहुंची है। एनआईए की टीम हमले वाले इलाके में पहुंची, जहां सुर-क्षाकर्मी डेरा की गली के जंगली इलाके में तलाशी अभियान चला रहे हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सेना ने डेरा की गली से कुछ संदिग्धों को जांच के लिए हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मी जम्मू के राजौरी जिले के डेरा की गली के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रहे हैं, जहां शनिवार को वायुसेना के दो वाहनों पर भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया था और एक वायुसैनिक शहीद हो गया था। रक्षा सूत्रों ने इसे माना है कि इस हमले में भी वे ही आतंकी गुट शामिल है जो पिछले करीब तीन साल से इस इलाके में एक्टिव है और एक बार अक्तूबर 2021 में वह सेना के सैकड़ों जवानों को 20 से अधिक दिनों तक छका चुका है। तब भी सेना के 9 जवान मारे गए थे।

उन्होंने बताया कि आतंकियों की तलाश में एब बहुत बड़ा आप्रेशन लांच किया गया है जिसमें हजारों जवान शामिल हैं, जिन्हें खोजी कुत्तों, ड्रोनों व लड़ाकू हेलिकाप्टरों की स्पोर्ट दी जा रही है जबकि एनआईए की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच कर जांच का काम शुरू कर चुकी है।

हमले के बाद इलाके में हाई अलर्ट जारी करने के साथ ही इस मार्ग को आवाजाही के लिए बंद किया जा चुका है। जबकि स्थानीय लोगों को कथित तौर पर तब तक घरों से बाहर न घूमने के निर्देश जारी किए गए हैं जब तक तलाशी अभियान समाप्त नहीं हो जाता। हालांकि रक्षाधिकारियों ने इसे माना है कि राजौरी व पुंछ में सेना को आतंकवाद का सफाया करने में अब फिर से कड़ी मेहनत करनी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि पाकिस्तान ने अब अपने रिटायर्ड फौजियों को आतंकी बना प्रदेश में भेजना आरंभ किया है। सेना मानती है कि ऐसा होने से आतंकवाद के खिलाफ भारत की जंग एक नए मोड़ पर पहुंच गई है।

सेना की उत्तरी कमान के आर्मी कमांडर ने कुछ अरसा पूर्व इसे माना था कि प्रदेश में मारे गए कई विदेशी आतंकियों की पृष्ठभूमि की जांच के दौरान यह जानकारी मिली है कि वे पाक सेना में काम कर चुके हैं। उनका कहना था कि इसलिए ऐसे आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान उन्हें कड़ा मुकाबला सहन करने के अतिरिक्त अपने जवानों व अफसरों को खोना पड़ा है। उनके अनुमान के मुताबिक, राजौरी और पुंछ के साथ लगते इलाकों में अभी भी 25 से 30 आतंकवादी सक्रिय हो सकते हैं। वे कहते थे कि इनमें से कितने पाक सेना के रिटायर्ड फौजी हैं, इसके बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है। उनका कहना था कि प्रदेश में एक्टिव आतंकी संगठनों को जम्मू कश्मीर में स्थानीय आतंकी नही मिल रहे हैं। ऐसे में वह विदेशी आतंकियों को भेजने की कोशिशें कर रहा है। हम प्रदेश में सक्रिय सभी विदेशी आतंकियों को मार गिराएंगे। वे कहते थे कि आईएसआई पहले कई बार अपने फौजियों को भी इस ओर भेज चुकी है और अब उसने इस नए पैंतरे को चला कर कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को अहम मोड़ पर ला खड़ा किया है।

आमने-सामने की जंग पर ध्रुवीकरण की छाया

दो धड़ों में बंटे रहे मतदाता

बरेली, 08 मई (एजेंसियां)। कड़े इम्तिहान के बीच बरेली लोकसभा सीट पर मंगलवार को मतदान के साथ ही नए सियासी समीकरणों ने अपने पांव फैला दिए हैं। आमने-सामने की जंग पर ध्रुवीकरण की छाया मंडराती रही। आलम यह था कि मतदान केंद्रों से लेकर सड़कों तक मतदाता दो धड़े में बंटे रहे।

ध्रुवीकरण का असर ऐसा रहा कि हिंदू और मुस्लिम मतों का रुख बेहद साफ था। नामांकन पत्र खारिज होने के बाद मैदान से बाहर हो चुकी बसपा के आधार मतों में भी बिखराव दिखा। बरेली लोकसभा सीट पर सपा और भाजपा की रोमांचक जंग में बसपा के आधार मतों ने काफी हद तक परिणाम की इबारत लिख दी है। मतदाताओं ने खामोशी के साथ अपना फैसला ईवीएम में लॉक कर दिया है। मगर, बरेली के सियासी आसमान में सुबह से ही ध्रुवीकरण की चादर साफ दिखाई दी। सपा के पाले में मुस्लिम पूरी एकजुटता के साथ खड़े रहे। दूसरी तरफ भाजपा के पक्ष में हिंदू मतों में भी एकजुटता देखने को मिली।

दरअसल, चुनाव की शुरुआत से लेकर मतदान तक कई बार सियासी समीकरण ने करवट ली। सपा ने राजनीति के माहिर खिलाड़ी प्रवीण सिंह ऐरन को मैदान में उतारा और भाजपा ने आठ बार के सांसद संतोष गंगवार का टिकट काटकर पूर्व विधायक छत्रपाल सिंह गंगवार को मौका दिया। सपा और कांग्रेस गठबंधन के साथ ही बसपा के मैदान से बाहर होने के बाद मुस्लिम मतों का संशय पहले दिन से ही समाप्त था। बसपा के आधार मतों में ज्यादातर लाभार्थी वर्ग होने की वजह से उनकी बड़ी संख्या का रुख साफ तौर पर समझा जा सकता है।

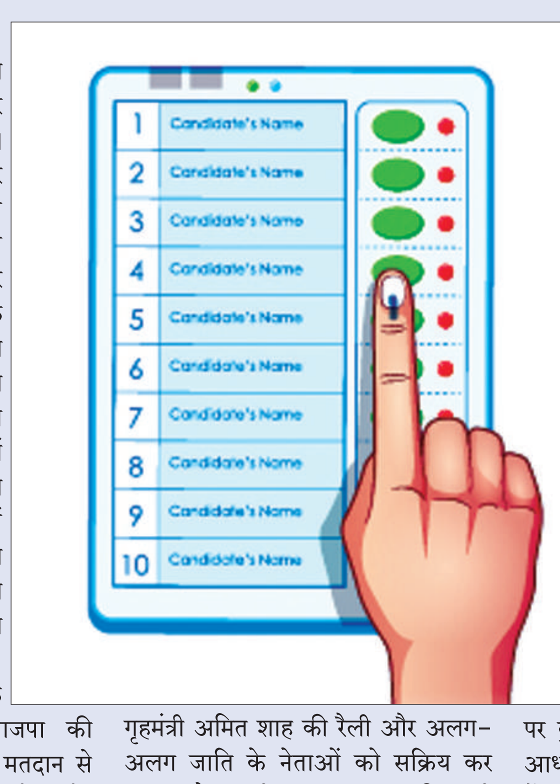

दूसरी तरफ, नए प्रत्याशी के मैदान में आने के बाद भाजपा की अंतरकलह सामने आई, मगर मतदान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभाएं, गृहमंत्री अमित शाह की रैली और अलग-अलग जाति के नेताओं को सक्रिय कर भाजपा ने अपनी पकड़ मजबूत की। यही कारण है कि मतदान के दिन भाजपा भी पूरी ताकत से मैदान में डटी रही।

ध्रुवीकरण का असर यह रहा कि यहां दो धड़ों में बंटे मतदाताओं के मुद्दे भी उसी तर्ज पर रहे। ज्यादातर हिंदू मतों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार पीएम बनाना एक बड़े मुद्दे के रूप में सामने आया। इसके अलावा देश की सुरक्षा, राष्ट्रीयता और सरकार के कामकाज को भी मत का आधार बताया गया। दूसरी तरफ, मुस्लिम मतदाता सरकार के खिलाफ मुखर दिखे। सांप्रदायिक सौहार्द की बिगड़ी तस्वीर का हवाला देकर उन्होंने बदलाव की उम्मीद भी जताई। हालांकि कई जगहों पर हिंदू मतदात-ाओं ने मंहगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक तक के मुद्दे पर अपना वोट दिया। कई जगहों पर मुस्लिम भी विकास की राजनीति के समर्थन में दिखाई दिए।

भले ही राजनीतिक दल बरेली सीट पर कुर्मी, मुस्लिम और अन्य जातियों के आधार पर परिणाम का आकलन कर रहे हैं। मगर, इस बार बदले हुए समीकरण में दलित मतदाताओं के साथ ही सवर्ण वोटर्स का रुख भी बहुत कुछ तय करेगा। नवाबगंज के युवा मनीष दीक्षित कहते हैं कि चुनाव में सभी अपनी जाति की बात करते हैं, मगर पिछले कुछ समय से सवर्णों की अनदेखी हो रही है। हमारे परिवार ने यह तय किया कि हम इसी को मुद्दा बनाएंगे। वोट देकर निकले मीरगंज के दुनका गांव निवासी सुरेश कुमार का कहना है कि हमारा प्रत्याशी तो था नहीं। जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, हमने उनके खिलाफ ही वोट किया है।

शहर के तिलक इंटर कॉलेज के बूथ पर मिले सीनियर सिटीजन कैलाश कुमार का कहना है कि पिछली सरकारों में अराजकता को हम लोगों ने देखा है। पिछले कुछ सालों से सुकून का जीवन जी रहे हैं। हम तो ऐसा ही माहौल आगे भी चाहते हैं। कैंट विधानसभा के ओल्ड वुडरो सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बनाए गए बूथ पर मिले साबिर अली कहना है कि देश में सांप्रदायिक माहौल कैसा है, वह जगजाहिर है। मुसलमानों के साथ अन्याय तो हो रहा है और अब बदलाव तो चाहिए ही।

वर्ष 2019 के मुकाबले इस बार कम मतदान ने भाजपा और सपा के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। फिलहाल, पुराने आंकड़ों को देखा जाए तो बरेली लोकसभा सीट पर भाजपा के संतोष गंगवार ने पहली बार 1989 में जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में इन्हें 14.93 फीसदी मत मिले थे। इसके बाद उनके मत फीसदी में बढ़ोतरी होती गई। मगर, 2009 में कम मतदान के बाद 19.81 फीसदी मत ही उन्हें मिले। इस बार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके बाद भाजपा ने अपने गढ़ को मजबूत किया और वर्ष 2014 में 42 व 2019 में 52 फीसदी मत पाकर जीत हासिल की। इस बार कम मत फीसदी के साथ ही मुस्लिम मतों के उत्साह से भी धड़कने बढ़ी हैं।

ध्रुवीकरण की आंधी के बीच कई जगहों पर मतों में बिखराव का भी नजारा था। शहर के कई ऐसे इलाके रहे जहां पर मुस्लिमों ने कमल पर मुहर लगाई। किला क्षेत्र मुस्लिम बहुल इलाका है। यहां के कई मुस्लिमों ने भाजपा को वोट दिया। पुराना शहर के नई बस्ती, चक महमूद के दो परिवारों सहित दूसरे मुस्लिमों ने भी भाजपा को वोट दिया। वहीं, ग्रामीण इलाकों में सवर्ण मतदाताओं का रुझान सपा की ओर दिखाई दिया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। आप मोबाइल या टीवी पर आवश्यकता से अधिक समय जाया कर सकते हैं। लगता है कि आपका जीवनसाथी आज बहुत ख़ुश है। आपको सिर्फ़ वैवाहिक जीवन से जुड़ी उसकी योजनाओं में मदद करने की ज़रूरत है। परन्तु परेशान न हों, क्योंकि काम करके आप अपने अनुभव को और बढ़ा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। बिजली कटौती या फिर किसी अन्य वजह से आपको सुबह तैयार होने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी। जिन दोस्तों से अरसे से मुलाक़ात नहीं हुई है, उनसे मिलने के लिए सही समय है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। आपके जीवनसाथी का आन्तरिक सौन्दर्य बाहर भी पूरी तरह महसूस होगा। किसी भी काम को करने से पहले यह जान लें कि इसका परिणाम आपके ऊपर कैसा पड़ेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है। आपको कोई सरप्राइज़ मिल सकता है। आज कोई उलझन आपको दिन भर तंग कर सकती है। इस उलझन को दूर करने के लिए आपको अपने घर वालों से बात करनी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं ।अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है। संयमपूर्वक अपनी योजना को अन्तिम रुप दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। आपकी निजी ज़िंदगी के बारे में दोस्तों से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है। किसी को काम देने से पहले उस काम के बारे में आपको खुद भी जानकारी एकत्रित कर देनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है। कारोबारी में मुनाफ इस राशि के कारोबारियों के लिए आज सुनहरे सपने के सच होने जैसा होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आपके किये गये कामों को आज आपके सीनियर्स के द्वारा सराहा जाएगा जिससे आपके चेहरे पर भी मुस्कान दौड़ जाएगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका रूख़ा बर्ताव आपके जीवनसाथी का मूड ख़राब कर सकता है। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। रोमांचक दिन है, क्योंकि आपका प्रिय आपको तोहफ़े/उपहार दे सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज का दिन तनाव से मुक्त रहने की कोशिश करें, इसलिए आराम करने पर ज़ोर दें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बच्चों के साथ आप सुकून पाएंगे। बच्चों की यह क्षमता कुदरती है और न केवल आपके परिवार के बच्चों में, बल्कि हर बच्चे में यह गुण होता है। वे आपको सुकून और राहत दे सकते हैं। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 09 मई 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा प्रातः 06:23 तक
नक्षत्र : कृतिका प्रातः 11:56 तक
योग : शोभन दोपहर 02:40 तक
करण : बव प्रातः 06:23 तक
चन्द्राशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38 , सूर्यास्त 06:29 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्रदर्शन, शिवाजी जयंती, पाराशर जयंती

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

12 साल बाद खुला मुनीम की हत्या का राज

40–40 हजार के तीन इनामी आरोपी गिरफ्तार, नक्सलियों से निकले संबंध

जोधपुर, 08 मई (एजेंसियां)।

फलोदी थाना क्षेत्र में करीब 12 साल पहले सोनामुखी की फैक्ट्री के मुनीम की हत्या कर डेढ़ लाख की नकदी लूटकर भागे तीन आरोपियों को जोधपुर रेंज पुलिस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मिशन को ऑपरेशन ललनटॉप का नाम दिया। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस के अपराधियों तक पहुंचने पर उनके साथ चुनाव चर्चा में फलोदी के सट्टा बाजार और बालों में लगाने के लिए सोजत की मेहंदी पर विशेष जानकारी आरोपियों को होने पर हत्याकांड का खुलासा हुआ।

जोधपुर रेंज के आईजी विकास कुमार ने बताया, फलोदी थाने के खींचन कस्बे में स्थित सोनामुखी फैक्ट्री में बतौर श्रमिक लगे तीन श्रमिक लालदेव, उदय और नरेश ने फैक्ट्री के ही मुनीम कोजाराम की शराब के नशे में गला घोंटकर हत्या कर दी थी और उसके पास रखी डेढ़ लाख की नकदी लेकर फरार हो गए। फैक्टी सीसीटीवी कैमरे नहीं थे जिसके चलते वारदात को अंजाम देकर फरार हुए मुल्जिमों के नाम पते और फोटो भी उपलब्ध नहीं थे।

पुलिस ने करीब बारह साल पूर्व घटित इस हत्या और लूट की वारदात को खोलने के लिए तीनों अज्ञात आरोपियों के खिलाफ 40–40 हजार के इनाम भी रखे थे। काफी समय तक पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए बिहार, आंध्र प्रदेश और पंजाब तक तलाश की। इस दौरान पुलिस टीम में शामिल लोगों ने कहीं श्रमिक का रूप धरा, कहीं गायें चराई, तो कहीं खेतों में फसल काटी। आखिर तीनों नामजद आरोपियों लालदेव, उदय और नरेश को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

प्रारंभिक जांच पड़ताल में आरोपियों के नक्सलियों से संबंध भी उजागर हुए और नक्सलियों के लिए वसूली, हत्या, हत्या का प्रयास, डरा धमकाकर वसूली करने के भी मुकदमे हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वर्तमान समय में सोशल नेटवर्किंग, आरोपियों के परिवार तक पहुंचने के लिए पुलिसकर्मियों को अपनी वेषभूषा व कार्यप्रणाली भी बदलनी पड़ी। आईजी विकास कुमार ने पकड़े गए आरोपियों के बारे में बताया कि तीनों लोग घर परिवार की विपरीत परिस्थितियों के चलते अपना स्तर सुधारने के लिए बड़ा व्यापार करना चाहते थे। लेकिन उनको इसके लिए धन की जरूरत थी और इसीलिए वो फलोदी के खींचन गांव में आए। यहां सोनामुखी फैक्ट्री में बतौर श्रमिक लगे। वहां लाखों के लेन–देन देखकर वारदात को अंजाम देने के लिए टिके रहे। फैक्ट्री का अधिकांश लेन–देन मुनीम कोजाराम करता था, जिसको विश्वास में लेकर साथ खाना–पीना शुरू कर दिया।

12 दिसंबर 2012 को शराब पार्टी के बाद नशे में धुत कोजाराम की लूट की नीयत से गला घोंटकर हत्या कर दी और फैक्ट्री में ही पड़ी सोनामुखी से भरी बोरियों के नीचे शव दबाकर मुनीम के पास रखी डेढ़ लाख की नकदी लेकर फरार हो गए। इस वारदात को खोलने में जोधपुर रेंज के करीब 12 अधिकारी व जवानों ने भूमिका निभाई। प्रारंभिक पूछताछ में तीनों आरोपियों ने करीब एक दर्जन वारदातें विभिन्न प्रदेशों व थाना क्षेत्रों में करना कबूल किया है।

जल जीवन मिशन घोटाले की जांच सीबीआई के हवाले

जिस पर आरोप लगाया था, रिपोर्ट में उसका नाम नहीं

जयपुर, 08 मई (एजेंसियां)। पिछली गहलोत सरकार में हुए जल जीवन मिशन घोटाले में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता पूनमचंद भंडारी व डॉ. टी.एन. शर्मा ने राजस्थान हाईकोर्ट में पीआईएल दायर की थी। हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद राज्य सरकार ने सीबीआई में मामला दर्ज करवा दिया है।

सीबीआई ने मामले में जलदाय विभाग के एक्सईएन विशाल सक्सेना, श्याम ट्यूबवेल कंपनी के प्रोप्राइटर पद्मचंद जैन, गणपति ट्यूबवेल कंपनी शाहपुरा के प्रोप्राइटर महेश मित्तल के अलावा अज्ञात सरकारी और गैर सरकारी लोगों को भी शामिल माना है। हालांकि बीजेपी ने पिछली गहलोत सरकार में इस घोटाले के लिए पीएचईडी मंत्री महेश जोशी पर आरोप लगाए थे लेकिन एफआईआर में उनका नाम नहीं है। हालांकि जिन लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है, वे जोशी के नजदीकी बताए जाते हैं।

राजस्थान की भजनलाल सरकार ने 18 मार्च को इस घोटाले की जांच सीबीआई से करवाने की सिफारिश की थी। इसके बाद 3 मई को सीबीआई ने षड्यंत्र और धोखाधड़ी का केस दर्ज करके इस मामले की छानबीन शुरू कर दी।

यह पूरा मामला फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर टेंडर लेने से जुड़ा हुआ है। इस मामले में ईडी ने 2023 सितंबर में जयपुर और अलवर में 9 जगह छापे मारे थे। इनमें महेश मित्तल, प्रॉपर्टी कारोबारी संजय बढ़ाया, कल्याण सिंह कविया, विशाल सक्सेना, मायालाल सैनी, पद्मचंद जैन, तहसीलदार सुरेश शर्मा और अमिताभ कौशिक के यहां सर्च में 2.50 लाख नकद, एक किलो सोने की ईंट और करोड़ों की प्रॉपर्टी के कागजात और कुछ अधिकारियों के रिश्तेदारों के नाम से लेन–देन के कागजात मिले थे।

सूर्यनगरी में तप रहा सूरज, सड़कों पर की गई पानी की बौछार

जोधपुर, 08 मई (एजेंसियां)। सूर्यनगरी में गर्मी अपने पूरे तेवर दिखा रही है। बुधवार को दोपहर एक बजे पारा 43 डिग्री पहुंच गया है। ऐसे में शहर की सड़कों पर खड़ा रहना भी लोगों के लिए मुश्किल हो गया। ऐसे में राहत के लिए नगर निगम की ओर से कई इलाकों की सड़कों पर पानी की बौछारें की गई हैं। ताकि गर्मी को थोड़ा कम किया जा सके। हालांकि, जिले के सभी हिस्सों में गर्मी के हालात इसी तरह के नजर आ रहे हैं। वहीं, गर्मी को देखते हुए जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बुधवार को उच्च प्राथमिक तक के स्कूलों का समय 11 बजे तक कर दिया है। बुधवार को जिले में तापमान की बात करें तो सुबह आठ बजे ही जोधपुर शहर का तापमान 35 डिग्री पहुंचा। इसके बाद धीरे–धीरे दोपहर 12 बजे के बाद यह पारा 44 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग के साइट की माने तो गुरुवार तक यह पारा जिले में 44 डिग्री तक रहने वाला है और हीट वेव को लेकर अलर्ट भी किया गया है।

भाजपा सरकार को नहीं है कोई खतरा कार्यकाल पूरा करेगी : सैनी

सिरसा, 08 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार से तीन निर्दलीय विधायकों के समर्थन वापस लेने पर अपनी प्रतिक्रिया में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने साफ किया है कि बेशक विपक्षी दल सरकार के खिलाफ कितने ही मंसूबे पाल ले मगर हमारी सरकार को कोई खतरा नहीं है। हमारी सरकार निर्बाध तरीके से अपना कार्यकाल पूरा करेगी। श्री सैनी बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी डा. अशोक तंवर के आवास पर पत्रकारों से बातचीत में इस आशय की बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की इच्छा हमेशा सरकार बनाने की रहती है और वह दूसरों की इच्छाओं को पूरा करने का काम करते हैं। लेकिन कांग्रेस कभी ऐसे लोगों की इच्छाओं को पूरा नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि पूरे देश ने कांग्रेस का इतिहास देखा है। सरकार बनाने के लिए व बचाए रखने के लिए वो कुछ भी कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस के नेता अपनी इच्छाएं पूरी करने के लिए जुटे हुए हैं। उनकी सोच देश का विकास करने की नहीं बल्कि इंडिया समूह के माध्यम से भ्रष्टाचारियों को बचाने की है।

मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनावों के दृष्टिगत कहा कि हरियाणा में एक बार फिर से भाजपा 10 की 10 सीटें जीतेगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार सत्ता की कमान संभालेंगे। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल, अदित्य चौटाला, सांसद सुनीता दुग्गल, जिलाध्यक्ष निताशा सिहाग, गोबिंद कांडा व भूपेश मेहता सहित अनेक लोग मौजूद थे। इस दौरान हनुमान प्रजापति ने अपने सैकड़ों साथियों सहित कांग्रेस को अलविदा कहते हुए भाजपा का दामन थाम लिया।

गुरुग्राम में देह व्यापार का भंडाफोड़ 10 आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम, 08 मई (एजेंसियां)। सीएम फ्लाइंग और गुरुग्राम पुलिस ने बुधवार को एक होटल की आड़ में चल रहे देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ कर विदेशी महिलाओं सहित 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने यहां बताया सेक्टर–57 क्षेत्र में होटल की आड़ में रेट फिक्स करके देशी और विदेशी महिलाओं से देह व्यापार कराने की पुष्टि करने के लिये अपने बोगस ग्राहक होटल में भेजे गये। गठित की गयी संयुक्त टीम द्वारा भेजे गये बोगस ग्रहाक ने होटल में जाकर रेट फिक्स किया और देह–व्यापार के लिये लड़कियों की मांग की। बोगस ग्राहक बने पुलिस कर्मचारी को होटल मैनेजर/ संचालकों ने रुपये लेकर देह–व्यापार के लिये लड़कियां उपलब्ध करवा दी तो पुलिस के बोगस ग्राहक ने पुलिस टीम को फोन करके बुलाया तथा होटल से चार विदेशी लड़कियों सहित कुल छह लड़कियों सहित 10 लोगों को काबू किया।

आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में रुपये लेकर देह व्यापार कराने की बात स्वीकार की है। इस सम्बन्ध में पुलिस थाना सेक्टर–56 में अनैतिक दुर्व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956, फॉरेनर एक्ट और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अल्पमत में भाजपा सरकार, सीएम बहुमत साबित करें या फिर दें इस्तीफा : दुष्यंत चौटाला

हिसार, 08 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा के पूर्व उप–मुख्यमंत्री एवं जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला ने बुधवार को कहा कि तीन निर्दलीय विधायकों के सरकार से समर्थन वापस लेने के कारण प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार अल्पमत में हैं और नैतिकता के आधार पर मुख्यमंत्री नायब सैनी को विधानसभा में बहुमत साबित करना चाहिये या फिर मुख्यमंत्री पद से तुरंत अपना इस्तीफा देना चाहिये।श्री चौटाला बुधवार को हिसार में अर्बन एस्टेट स्थित अपने आवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का बहुमत साबित करने के लिये जजपा राज्यपाल को पत्र लिखेगी। उन्होंने कहा कि जजपा प्रदेश में भाजपा सरकार गिराने के पक्ष में है और इसके लिये समूचे विपक्ष का साथ देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि अब नेता प्रतिपक्ष भाजपा सरकार गिराने के लिए कदम उठाये।

जजपा नेता ने कहा कि भाजपा सरकार को समर्थन देने वालों में से पांच विधायक कम हुये हैं। तीन निर्दलीय विधायकों ने सरकार से कल ही अपना समर्थन वापस लिया है और सत्ता पक्ष के मनोहर लाल खट्टर और रणजीत सिंह के रूप में दो विधायक पहले ही अपना इस्तीफा दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि निर्दलीय विधायकों द्वारा समर्थन वापस लेना भाजपा की कमजोरी को दर्शाता है। श्री चौटाला ने कहा कि मुख्यमंत्री हंस–हंस कर निर्दलीय विधायकों पर लेन–देन का आरोप लगा रहे हैं, इस पर उन्हें सबूत देना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व भाजपा–जजपा गठबंधन सरकार में ऐसे हालात कभी देखने को नहीं मिले थे। एक प्रश्न के उत्तर में श्री चौटाला ने यह भी कहा कि अविश्वास प्रस्ताव पिछली सरकार के खिलाफ लाया गया था, न कि वर्तमान सरकार के खिलाफ लाया गया।

एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जजपा विधायक पार्टी में रहते हुये व्हिप का उल्लंघन नहीं कर सकते है। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में राज्य सभा चुनाव के दौरान हिमाचल प्रदेश में कुछ विधायकों ने व्हिप का उल्लंघन किया था, विधानसभा अध्यक्ष ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी थी। यहां तक कि विधायक अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ न्यायालय भी गये, लेकिन इसके बाद भी फैसला बरकरार और सीटें रिक्त कर दी गयीं, जिन पर अभी एक जून को उपचुनाव होने जा रहे है। ठीक इसी तरह जजपा का कोई विधायक व्हिप का उल्लंघन करेगा तो उस पर भी कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि जजपा ने जिन तीन विधायकों को अन्य दलों की स्टेज शेयर की है, उन्हें नोटिस जारी किया गया है और उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि अगर किसी को अन्य दलों की मदद करनी है तो उन्हें विधायक पद से इस्तीफा देना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जनता सब देखती है कि कौन किसके वोटों से विधायक बना और विधायक बनने के बाद अन्य दल में इच्छा जताने वाले को जनता अपने आप जवाब देगी।जजपा के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को कमजोर शासक बताया और आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने किसानों को कमजोर करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मंडियों से अब तक सरसों–गेहूं का उठान नहीं हुआ है और कई सप्ताह से किसानों का भुगतान लंबित है।

अक्षय तृतीया पर बनेगा गजकेसरी योग

कल मनाई जायेगी अक्षय तृतीया

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया के पर्व का विशेष महत्व होता है। हिंदी कैलेंडर के अनुसार हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का त्योहार मनाया जाता है। अक्षय तृतीया को अबूझ मुहूर्त माना गया है यानी इस दिन बिना मुहूर्त विचार के कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य किया जा सकता है। इस दिन सोने-चांदी से बने आभूषण की खरीदारी और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने का विधान होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सोने-चांदी की चीजों की खरीदारी से व्यक्ति के जीवन में खुशियां और धन संपदा हमेशा बनी रहती है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 10 मई को मनाई जाएगी और इस बार गजकेसरी राजयोग का निर्माण भी होगा। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में गजकेसरी योग को बहुत शुभ योग माना जाता है। यह गजकेसरी राजयोग गुरु और चंद्रमा की युति से बनता है। 100 साल बाद अक्षय तृतीया पर गजकेसरी राजयोग बन रहा है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया 10 मई को है। इसे अक्षय तृतीया और आखा तीज कहा जाता है। इस दिन परशुराम जयंती भी मनाई जाती है। ग्रंथों के मुताबिक इसी दिन सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत हुई थी। इस दिन किया गया जप, तप, ज्ञान, स्नान, दान, होम आदि अक्षय रहते हैं। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। अक्षय तृतीया विवाह के लिए अबूझ मुहूर्त माना गया है। अक्षय तृतीया को आखा तीज भी कहा जाता है। अक्षय तृतीया का पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। वैसे तो इस दिन बिना मुहूर्त निकाले शुभ कार्य, विवाह करना, सोना-चांदी खरीदना, नए कार्य करने से जैसे काम किए जा सकते हैं। इस दिन किए गए व्रत-उपवास और दान-पुण्य से अक्षय पुण्य मिलता है। अक्षय पुण्य यानी ऐसा पुण्य जिसका कभी क्षय (नष्ट) नहीं होता है। अक्षय तृतीया पर जल का दान जरूर करना चाहिए। साल में चार अबूझ मुहूर्त आते हैं। इन मुहूर्त में विवाह आदि सभी मांगलिक कार्य बिना शुभ मुहूर्त देखे किए जा सकते हैं। ये चार अबूझ मुहूर्त हैं - अक्षय तृतीया, देवउठनी एकादशी, वसंत पंचमी और भड़ली नवमी। ये चारों तिथियां किसी भी शुभ काम की शुरुआत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ मानी गई हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस साल अक्षय तृतीया 10 मई को मनाई जाएगी। 10 मई को अक्षय तृतीया के दिन कई शुभ योग बन रहे हैं। अक्षय तृतीया के दिन गजकेसरी योग और धन योग बन रहे हैं। वहीं दूसरी ओर इस दिन सूर्य और शुक्र की मेष राशि में युति हो रही है, जिससे शुक्रादित्य योग बन रहा है। इसके साथ ही मीन राशि में मंगल और बुध की युति से धन योग, शनि के मूल त्रिकोण राशि कुंभ में होने से शश योग और मंगल के अपनी उच्च राशि मीन में रहकर मालव्य राजयोग और वृषभ राशि में चंद्रमा और गुरु की युति से गजकेसरी योग बन रहा है।

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया को एक शुभ मुहूर्त और महत्वपूर्ण तिथि माना जाता है। अक्षय तृतीया के त्योहार को आखा तीज कहा जाता है। हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर यह पर्व मनाया जाता है। इस तिथि पर सभी तरह के मांगलिक और शुभ कार्य किया जा सकता है। अक्षय तृतीया के दिन खरीदारी करना बेहद शुभ होता है। इसे अबूझ मुहूर्त भी कहा है। इस दिन भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। इसलिए इसे परशुराम तीज भी कहते हैं। इसी दिन भगवान विष्णु ने नर और नारायण के रूप में अवतार लिया था।

अक्षय तृतीया शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार इस साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 10 मई को सुबह 4:17 मिनट पर शुरू होगी और इसका समापन 11 मई को देर रात 2:50 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार अक्षय तृतीया का पर्व 10 मई 2024 को मनाया जाएगा। 10 मई को अक्षय तृतीया के दिन पूजा का सुबह 5:33 मिनट से लेकर दोपहर 12:18 मिनट तक रहेगा।

पितरों की तृप्ति का पर्व

इसी दिन बद्रीनाथ धाम के पट खुलते हैं। अक्षय तृतीया पर तिल सहित कुश के जल से पितरों को जलदान करने से उनकी अनंत काल तक तृप्ति होती है। इस तिथि से ही गौरी व्रत की शुरुआत होती है। जिसे करने से अखंड सौभाग्य और समृद्धि मिलती है। अक्षय तृतीया पर गंगास्नान का भी बड़ा महत्व है। इस दिन गंगा स्नान करने या घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर नहाने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

तीर्थ स्नान और अन्न-जल का दान

इस शुभ पर्व पर तीर्थ में स्नान करने की परंपरा है। ग्रंथों में कहा गया है कि अक्षय तृतीया पर किया गया तीर्थ स्नान जाने-अनजाने में हुए हर पाप को खत्म कर देता है। इससे हर तरह के दोष खत्म हो जाते हैं। इसे दिव्य स्नान भी कहा गया है। तीर्थ स्नान न कर सकें तो घर पर ही पानी में गंगाजल की कुछ बूंदे डालकर नहा सकते हैं। ऐसा करने से भी तीर्थ स्नान का पुण्य मिलता है। इसके बाद अन्न और जलदान का संकल्प लेकर जरुरतमंद को दान दें। ऐसा करने से कई यज्ञ और कठिन तपस्या करने जितना पुण्य फल मिलता है।

दान से मिलता है अक्षय पुण्य

अक्षय तृतीया पर घड़ी, कलश, पंखा, छाता, चावल, दाल, घी, चीनी, फल, वस्त्र, सत्तू, ककड़ी, खरबूजा और दक्षिणा सहित धर्मस्थान या ब्राह्मणों को दान करने से अक्षय पुण्य फल मिलता है। अबूझ मुहूर्त होने के कारण नया घर बनाने की शुरुआत, गृह प्रवेश, देव प्रतिष्ठा जैसे शुभ कामों के लिए भी ये दिन खास माना जाता है।

ब्रह्मा के पुत्र अक्षय का प्राकट्य दिवस

अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहते हैं। अक्षय का अर्थ है, जिसका क्षय न हो। इस तृतीया का विष्णु धर्मसूत्र, भविष्य पुराण, मत्स्य पुराण और नारद पुराण में उल्लेख है। ब्रह्मा के पुत्र अक्षय का इसी दिन प्राकट्य दिवस रहता है। दान के लिए खास दिन इस दिन अन्न व जल का दान करना शुभ माना है। खास कर जल से भरा घड़ा या कलश किसी मंदिर या प्याऊ स्थल पर जाकर रखना चाहिए। ऐसा करने से सुखसमृद्धि बढ़ती है। इस दिन प्रतिष्ठान का शुभारंभ, गृह प्रवेश व अन्य मंगलकार्य करना विशेष फलदायी रहता है।

गवान विष्णु ने लिए कई अवतार

अक्षय तृतीया को चिरंजीवी तिथि भी कहा जाता है, क्योंकि इसी तिथि पर भगवान विष्णु के अवतार परशुराम जी का जन्म हुआ था। परशुराम जी चिरंजीवी माने जाते हैं यानी ये सदैव जीवित रहेंगे। इनके अलावा भगवान विष्णु के नर-नरायण, हयग्रीव अवतार भी इसी तिथि पर प्रकट हुए थे।

विष्णु-लक्ष्मी की विशेष पूजा

अक्षय तृतीया पर सुबह जल्दी उठें और स्नान आदि के बाद घर के मंदिर में विष्णु जी और लक्ष्मी जी पूजा करें। सबसे पहले गणेश पूजन करें। इसके बाद गाय के कच्चे दूध में केसर मिलाकर दक्षिणावर्ती शंख में भरकर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की प्रतिमाओं का अभिषेक करें। इसके बाद शंख में गंगाजल भरकर उससे भगवान विष्णु जी और देवी लक्ष्मी का अभिषेक करें। भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी को लाल-पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। हार-फूल, इत्र आदि अर्पित करें। खीर, पीले फल या पीली मिठाई का भोग लगाएं। पीपल में भगवान विष्णु का वास माना गया है। इसलिए इस दिन पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाएं। किसी मंदिर में या जरूरतमंद लोगों को अन्न-जल, जूते-चप्पल, वस्त्र, छाते का दान करें। सूर्यास्त के बाद शालिग्राम के साथ ही तुलसी के सामने गाय के दूध से बने घी का दीपक जलाएं। अक्षय तृतीया पर किसी सामूहिक विवाह में धन राशि भेंट करें । किसी अनाथ बालिका की शिक्षा या उसके विवाह में आर्थिक मदद करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शास्त्रों में बताए गए हैं भोजन करने के ये नियम

ध्यान रखने पर मिलेगी मां अन्नपूर्णा की कृपा

वेदों और शास्त्रों में सुबह उठने से लेकर रात में सोने तक हर कार्य के लिए एक सही समय और उससे जुड़े जरूरी नियमों का वर्णन किया गया है। भोजन हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है। कहा जा सकता है कि व्यक्ति का स्वास्थ्य उसके भोजन से ही जुड़ा होता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि भोजन करते समय किन नियमों का ध्यान रखना चाहिए।

सबसे पहले करें ये काम

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, भोजन करने से पहले भोजन मंत्र का उच्चारण जरूर करना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से भोजन हमारे शरीर में लगता है। साथ ही यह ईश्वर को धन्यवाद देने का भी एक तरीका है।

ये नियम है जरूरी

शास्त्रों में बताया गया है कि मनुष्य को जमीन पर बैठकर ही भोजन करना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से भोजन करते समय मनुष्य सकारात्मक रहता है, जिसका उसे अपने शरीर पर अनुकूल प्रभाव देखने को मिलता है। वहीं जमीन पर बैठकर खाना खाने से वह जल्दी पच जाता है।

ये है सही दिशा

शास्त्रों के अनुसार, व्यक्ति को हमेशा पूर्व या फिर उत्तर दिशा की ओर मुख करके ही भोजन करना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति के लिए वह भोजन अधिक लाभकारी सिद्धि होता है। वहीं, दक्षिण दिशा की ओर किया गया भोजन प्रेत का माना जाता है और पश्चिम दिशा की ओर किया गया भोजन रोगों में वृद्धि करता है।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

शास्त्रों में माना जाता है कि भोजन का अपमान करने से मां अन्नपूर्णा आपसे नाराज हो सकती है। ऐसे में हमेशा उतना ही भोजन लेना चाहिए, जितना आपको खाने की इच्छा हो। साथ ही परोसे हुए भोजन की कभी निंदा न करें।

ध्यान रखें कि टूटे-फूटे बर्तनों में भोजन नहीं करना चाहिए और बिस्तर पर बैठकर भी भोजन नहीं करना चाहिए। शास्त्रों में यह भी माना गया है कि ईर्ष्या, भय, क्रोध और लोभ भाव में किया हुआ भोजन कभी भी पचता नहीं है। इसलिए भोजन करते समय इन नियमों का ध्यान जरूर रखें।

नौतपा में किन कामों को करने से शनि देव होते हैं प्रसन्न

नौतपा जल्द ही शुरु होने वाला है। नौतपा हर साल मई-जून के महीने में आता है । इस दौरान सूर्य का तेज बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। नौतपा के दौरान सूर्य और धरती के बीच की दूरी कम हो जाती है।

ज्येष्ठ माह के दौरान सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, जिस वजह से हर साल 9 दिनों के धरती का तापमान बढ़ जाता है। साल 2024 में 25 मई से नौतपा के शुरुआत होगी जो 2 जून तर चलेगा।

नौतपा के दौरान अगर आप शनि देव को प्रसन्न करना चाहते हैं तो इन 9 दिनों में कुछ उपाय कर आप शनि देव को प्रसन्न कर सकते हैं।

भीषण गर्मी के दौरान जिन लोगों पर शनि की ढैय्या और शनि की साढेसाती का प्रकोप है वो लोग राहगीरों और जरूरतमंदों को जल पिलाएं, साथ ही प्याऊ लगावा सकते हैं।

इस काम को करने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों पर अपना आशीर्वाद बनाएं रखते हैं।

साथ ही नौतपा के दौरान लोगों के लिए टीन शेड सड़क के किनारे लगावा सकते हैं। जहां आप गर्मी से बचाव के लिए कूलर या शरबत का इंतजाम कर सकते हैं।

इस काम से भी शनि देव प्रसन्न होते हैं।नौतपा के दौरान शनि देव को खुश करने के लिए जरुरतमंद लोगों को काले छाते का दान करें।

नंगे पैर चलने वाले लोगों को भीषण गर्मी से बचाव के लिए चप्पल का दान करें। कोशिश करें और लोगों को तरबूज, खरबूजा या घड़े का दान करें।

वृषभ संक्रांति पर करें मां गंगा के 108 नामों का मंत्र जप

नष्ट हो जाएंगे सारे पाप

सनातन पंचांग के अनुसार, 14 मई को गंगा सप्तमी है। यह पर्व हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन गंगा समेत अन्य पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान किया जाता है। इसके पश्चात, मां गंगा, सूर्य देव एवं जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। साधक मनोवांछित फल की प्राप्ति हेतु गंगा सप्तमी के दिन भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। सनातन शास्त्रों में निहित है कि भगीरथ के पूर्वजों के उद्धार हेतु मां गंगा धरती पर अवतरित हुईं हैं। तत्कालीन समय से मां गंगा की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि पूर्णिमा, गंगा सप्तमी एवं गंगा दशहरा तिथि पर गंगा नदी में स्नान करने से व्यक्ति के सकल पाप नष्ट हो जाते हैं। अगर आप भी समस्त प्रकार के पापों से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो गंगा सप्तमी के दिन गंगा नदी में स्नान करें। सुविधा न होने पर गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। इसके बाद विधिवत मां गंगा की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय मां गंगा के 108 नामों का मंत्र जप करें।

मां गंगा के 108 नाम

1. ॐ गंगायै नमः
2. ॐ विष्णुपादसंभूतायै नमः
3. ॐ हरवल्लभायै नमः
4. ॐ हिमाचलेन्द्रतनयायै नमः
5. ॐ गिरिमण्डलगामिन्यै नमः
6. ॐ तारकारातिजनन्यै नमः
7. ॐ ओंकाररूपिण्यै नमः
8. ॐ अनलायै नमः
9. ॐ क्रीडाकल्लोलकारिण्यै नमः
10. ॐ स्वर्गसोपानशरण्यै नमः
11. ॐ सर्वदेवस्वरूपिण्यै नमः
12. ॐ अंबःप्रदायै नमः
13. ॐ सगरात्मजतारकायै नमः
14. ॐ सरस्वतीसमयुक्तायै नमः
15. ॐ सुघोषायै नमः
16. ॐ सिन्धुगामिन्यै नमः
17. ॐ भागीरत्यै नमः
18. ॐ भाग्यवत्यै नमः
19. ॐ भगीरतरथानुगायै नमः
20. ॐ त्रिविक्रमपदोद्भूतायै नमः
21. ॐ त्रिलोकपथगामिन्यै नमः
22. ॐ क्षीरशुभ्रायै नमः
23. ॐ नरकभीतिहृते नमः
24. ॐ अव्ययायै नमः
25. ॐ नयनानन्ददायिन्यै नमः
26. ॐ नगपुत्रिकायै नमः
27. ॐ निरञ्जनायै नमः
28. ॐ नित्यशुद्धायै नमः
29. ॐ उमासपत्न्यै नमः
30. ॐ शुभ्राङ्गायै नमः
31. ॐ श्रीमत्यै नमः
32. ॐ धवलांबरायै नमः
33. ॐ आखण्डलवनवासायै नमः
34. ॐ कंठेन्दुकृतशेकरायै नमः
35. ॐ अमृताकारसलिलायै नमः
36. ॐ लीलालिंगितपर्वतायै नमः
37. ॐ विरिञ्चिकलशावासायै नमः
38. ॐ त्रिवेण्यै नमः
39. ॐ पुरातनायै नमः
40. ॐ पुण्यायै नमः
41. ॐ पुण्यदायै नमः
42. ॐ पुण्यवाहिन्यै नमः
43. ॐ पुलोमजार्चितायै नमः
44. ॐ भूदायै नमः
45. ॐ पूतत्रिभुवनायै नमः
46. ॐ जयायै नमः
47. ॐ जंगमायै नमः
48. ॐ जंगमाधारायै नमः
49. ॐ जलरूपायै नमः
50. ॐ जगद्धात्र्यै नमः
51. ॐ जगद्भूतायै नमः
52. ॐ जनार्चितायै नमः
53. ॐ जह्नुपुत्र्यै नमः
54. ॐ नीरजालिपरिष्कृतायै नमः
55. ॐ सावित्र्यै नमः
56. ॐ सलिलावासायै नमः
57. ॐ सागरांबुसमेधिन्यै नमः
58. ॐ रम्यायै नमः
59. ॐ बिन्दुसरसे नमः
60. ॐ अव्यक्तायै नमः
61. ॐ अव्यक्तरूपधृते नमः
62. ॐ जगन्मात्रे नमः
63. ॐ त्रिगुणात्मकायै नमः
64. ॐ संगत अघौघशमन्यै नमः
65. ॐ भीतिहर्त्रे नमः
66. ॐ शंखदुंदुभिनिस्वनायै नमः
67. ॐ भाग्यदायिन्यै नमः
68. ॐ नन्दिन्यै नमः
69. ॐ शीघ्रगायै नमः
70. ॐ शरण्यै नमः
71. ॐ शशिशेकरायै नमः
72. ॐ शाङ्कर्यै नमः
73. ॐ शफरीपूर्णायै नमः
74. ॐ भर्गमूर्धकृतालयायै नमः
75. ॐ भवप्रियायै नमः ।
76. ॐ सत्यसन्धप्रियायै नमः
77. ॐ हंसस्वरूपिण्यै नमः
78. ॐ भगीरतभृतायै नमः
79. ॐ अनन्तायै नमः
80. ॐ शरच्चन्द्रनिभाननायै नमः
81. ॐ दुःखहन्त्र्यैनमः
82. ॐ शान्तिसन्तानकारिण्यै नमः
83. ॐ दारिद्र्यहन्त्र्यै नमः
84. ॐ शिवदायै नमः
85. ॐ संसारविषनाशिन्यै नमः
86. ॐ प्रयागनिलयायै नमः
87. ॐ श्रीदायै नमः
88. ॐ तापत्रयविमोचिन्यै नमः
89. ॐ शरणागतदीनार्तपरित्राणायै नमः
90. ॐ सुमुक्तिदायै नमः
91. ॐ पापहन्त्र्यै नमः
92. ॐ पावनाङ्गायै नमः
93. ॐ परब्रह्मस्वरूपिण्यै नमः
94. ॐ पूर्णायै नमः
95. ॐ जंभूद्वीपविहारिण्यै नमः
96. ॐ भवपत्न्यै नमः
97. ॐ भीष्ममात्रे नमः
98. ॐ सिक्तायै नमः
99. ॐ रम्यरूपधृते नमः
100. ॐ उमासहोदर्यै नमः
101. ॐ बहुक्षीरायै नमः
102. ॐ क्षीरवृक्षसमाकुलायै नमः
103. ॐ त्रिलोचनजटावासायै नमः
104. ॐ ऋणत्रयविमोचिन्यै नमः
105. ॐ त्रिपुरारिशिरःचूडायै नमः
106. ॐ जाह्नव्यै नमः
107. ॐ अज्ञानतिमिरापहते नमः
108. ॐ शुभायै नमः

बाहुबली : क्राउन ऑफ ब्लड अपने भव्य एनिमेशन, भावनात्मक गहराई और पेचीदा किरदारों से दर्शकों को लुभाएगी : राजामौली

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने निर्देशक एस.एस. राजामौली का कहना है कि बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड अपने भव्य एनिमेशन, भावनात्मक गहराई और पेचीदा किरदारों से दर्शकों को लुभायेगी।

बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड का प्रोडक्शन ग्राफिक इंडिया और आर्का मीडियावर्क्स प्रोडक्शन ने किया है। यह एस.एस. राजामौली और शरद देवराजन की पेशकश है। इसकी स्ट्रीमिंग 17 मई, 2024 से सिर्फ डिज़्नी+ हॉटस्टार पर होगी।

डिज़्नी+ हॉटस्टार ने हैदराबाद के एएमबी सिनेमास में अपनी आगामी एनिमेटेड सीरीज बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड की दुनिया से पर्दा हटाया। बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड की पूरी टीम भी वहां मौजूद थी। बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड का निर्माण एस.एस. राजामौली, शरद देवराजन और शोबु यार्लागड्डा ने किया है। निर्देशन जीवन जे. कांग और नवीन जॉन ने किया है।

एस.एस. राजामौली ने कहा, हैदराबाद की मेरे दिल में एक खास जगह है। बाहुबली फ्रैंचाइज़ी इसी शहर में बना था। बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड के साथ बाहुबली की कहानी के नये अध्याय से पर्दा हटाने के लिये हैदराबाद आकर बेहतरीन लग रहा है। ग्राफिक इंडिया, आर्का मीडियावर्क्स और डिज़्नी+ हॉटस्टार के साथ मिलकर काम करने का अनुभव शानदार था। भारत में पुराना एनिमेशन लाने के लिये उनका जुनून और समर्पण प्रेरक था। साथ मिलकर हमने ऐसी कहानी बुनी है, जो न सिर्फ बाहुबली की दुनिया का विस्तार करती है, बल्कि अपने भव्य एनिमेशन, भावनात्मक गहराई और पेचीदा किरदारों से दर्शकों को भी लुभाएगी। साम्राज्यों की टक्कर देखने के लिये तैयार हो जाइये, क्योंकि माहिष्मती के महान योद्धा डिज़्नी+ हॉटस्टार पर बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड में अपनी मातृभूमि को बचाने के लिये एकजुट होंगे।

गौरव बैनर्जी, हेड- कंटेन्ट, डिज़्नी+ हॉटस्टार एंड एचएसएम एंटरटेनमेंट नेटवर्क, डिज़्नी स्टार ने कहा, डिज़्नी+ हॉटस्टार में हम हमेशा ऐसी कहानियां लाने पर यकीन रखते हैं, जो देशभर के लोगों को पसंद आएं। और बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड के साथ हमारा मकसद एनिमेशन को नई उंचाइयों पर पहुंचाना है। महान फिल्मकार एस.एस. राजामौली के साथ काम करना और ग्राफिक इंडिया के साथ हमारी लंबी भागीदारी उसी दिशा में एक कदम है। बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड हर किसी के लिये है। चाहे आप बाहुबली फ्रैंचाइज़ी के प्रशंसक हों या इसका पहली बार अनुभव करने जा रहे हों। यह सभी को पसंद आने वाला है।

बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड के सह-रचनाकार, लेखक एवं निर्माता शरद देवराजन ने कहा, बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड को बनाना ग्राफिक इंडिया में हम सभी के लिये एक बेहतरीन सफर रहा। जब हमने यह प्रोजेक्ट शुरू किया था, तब हम जानते थे कि हमारे ऊपर एक बड़ी जिम्मेदारी है। हमें ऐसी एनिमेटेड सीरीज बनानी थी, जो बाहुबली फ्रैंचाइज़ी की विरासत के मुताबिक हो। एस.एस. राजामौली जैसे दूरदर्शी फिल्मकार के साथ काम करना सम्मान की बात थी। उनकी प्रेरणा और सहयोग से हमने लगातार काम किया और ऐसी कहानी बना दी, जो फिल्मों के शौकीन लोगों को बाहुबली की दुनिया गहराई से दिखाएगी। इसमें माहिष्मती की अनकही कहानियाँ और छुपे रहस्य होंगे। आकर्षक एनिमेटेड दृश्यों, पेचीदा किरदारों और दिलचस्प कहानियों के साथ, बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड भारतीय एनिमेशन के परिदृश्य को बदलने के लिये तैयार है। हम बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि डिज़्नी+ हॉटस्टार पर दर्शक इसका अनुभव लें।

बाहुबली की आवाज़ बने शरद केलकर ने कहा, मैंने कई किरदारों को अपनी आवाज़ दी है, लेकिन बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड की मेरे दिल में एक खास जगह है।

मैं इस फ्रैंचाइज़ी के साथ लंबे वक्त से जुड़ा हूँ। बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड इस फ्रैंचाइज़ी को प्रशंसकों और नये दर्शकों के लिये नई उंचाई देती है। इस किरदार को अपनी आवाज़ देना मेरे लिये किसी सपने के जैसा रहा।

मुझे लगा कि मैं एक नई दुनिया में कदम रख रहा हूँ, जो पहले किसी ने नहीं देखी। इस मई डिज़्नी+ हॉटस्टार पर दर्शक यह सीरीज देखें, इसका मुझे बेसब्री से इंतजार है!

तृप्ति डिमरी ने ब्लैक गाउन में ढाया इंस्टाग्राम पर कहर

बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं. इन तस्वीरों में तृप्ति डिमरी एक ब्लैक थाई-हाई स्लिट गाउन पहने हुए नजर आ रही हैं. गाउन उनकी फिगर को बखूबी उभारता है और साथ ही हाई स्लिट उनके पैरों को और भी लंबा दिखा रहा है. उन्होंने लाइट मेकअप किया हुआ है, जो उनके नैचुरल लुक को हाइलाइट कर रहा है.फैंस तृप्ति डिमरी की खूबसूरती की तारीफ करते हुए ढेरों कमेंट्स कर रहे हैं. कुछ का कहना है कि ब्लैक कलर तृप्ति डिमरी पर बहुत फबता है, तो वहीं कुछ उनके हॉट लुक की तारीफ कर रहे हैं. गौरतलब है कि तृप्ति डिमरी डिमरी फिल्म एनिमल से खासि ख्याति मिली है. संदीप रेड्डी वांगा की इस फिल्म में तृप्ति रणबीर कपूर के साथ नजर आई थीं.ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में तृप्ति डिमरी ने छोटे, लेकिन रहस्यमयी किरदार में नजर आईं।अभिनेत्री जितनी देर भी पर्दे नजर आईं उन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। सभी ने उनके प्रदर्शन और अभिनय की जमकर तारीफ की।इस फिल्म में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें ना केवल प्रसिद्धि दिलाई, बल्कि कई अन्य प्रोजेक्ट्स भी दिलाए। यहां तक कि उन्हें नेशनल क्रश होने का खिताब भी मिला।ऐसे में इस सूची में उनका नाम आना तो बनता है।

मर्डर इन माहिम का प्रोमो वीडियो जारी, कल जियो सिनेमा पर रिलीज होगी सीरीज

अभिनेता आशुतोष राणा इन दिनों अपनी आामी वेब सीरीज मर्डर इन माहिम को लेकर चर्चा में हैं।इस मर्डर मिस्ट्री में दिग्गज अभिनेता विजय राज भी मुख्य भूमिका नजर आएंगे। सीरीज में दोनों एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे।अब निर्माताओं ने मर्डर इन माहिम का नया प्रोमो वीडियो जारी कर दिया है, जिसमें विजय और आशुतोष एक मर्डर मिस्ट्री को सुलझाते हुए नजर आ रहे हैं।मर्डर इन माहिम के निर्देशन की कमान राज आचार्य ने संभाली है।मर्डर इन माहिम का प्रीमियर 10 मई से जियो सिनेमा पर होगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने प्रोमो साझा करते हुए लिखा, एक तरफ बेटे का सच दूसरा तरफ एक हत्यारा, क्या पीटर इस मामले को सुलझा पाएगा।मर्डर इन माहिम के निर्माता अजीत अंधारे हैं। इस सीरीज की कहानी मुस्तफा नीमचवाला और उदय सिंह पवार ने मिलकर लिखी है।सीरीज का प्रचार करते हुए आशुतोष अपने किरदार के बारे में खुलासा किया और करियर की शुरुआत में नकारात्मक किरदार निभाने के बारे में बात की।मर्डर इन माहिम की बात करें तो आशुतोष के साथ इस मर्डर मिस्ट्री में दिग्गज अभिनेता विजय राज भी मुख्य भूमिका नजर आएंगे।सीरीज में दोनों एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। मर्डर इन माहिम के निर्देशन की कमान राज आचार्य ने संभाली है।यह सीरीज 10 मई से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम की जा सकती है। शिवानी रघुवंशी, शिवाजी सातम, स्मिता तांबे, दिव्या जगदाले, राजेश खट्टर और बेनाफ्शा सूनावाला जैसे सितारे भी इस सीरीज का अहम हिस्सा हैं।

आगामी फिल्म टिप्सी को लेकर बेहद उत्साहित हैं अलंकृता सहाय

अलंकृता सहाय वास्तव में बड़े समय पर और वास्तविक रूप से हावी रही हैं। साल 2023 उनके लिए हर तरह से अभूतपूर्व रहा है। चाहे वह अविश्वसनीय और चार्टबस्टर संगीत वीडियो हो या कुछ शीर्ष पुरस्कार और एक के बाद एक मिलने वाली प्रशंसा, हमने वास्तव में यह सब उसके अंत में घटित होते देखा है। वह तरोताजा हैं और 2024 में सूट्स यू, मोटे पेग 2 और अब जैसी अपनी हालिया परियोजनाओं की सफलता पर सवार हैं।

इस आकर्षक दिवा के लिए यह फिल्म देखने का समय है। अभिनेत्री टिप्सी नाम की एक बड़ी फिल्म में नजर आने के लिए तैयार है, जिसे दीपक तिजोरी द्वारा निर्देशित और राजू चड्ढा वेव्स और पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है।फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अलंकृता ने इसमें काम किया है। इस पर बेहद सख्त होने से उसका उत्साह आसमान छू रहा है।

यह पूछे जाने पर कि इस फिल्म में उनके प्रशंसकों को उनसे क्या उम्मीद करनी चाहिए, अभिनेत्री ने कहा कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें मैंने वास्तव में अपना सब कुछ दिया है क्योंकि मैंने इस फिल्म की शूटिंग अपने पिता के निधन के तुरंत बाद की थी। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो पिछली सफलता का जश्न मनाने के मामले में स्थिर रहना पसंद करते हैं।

जो बीत गया वह बीत गया और यह है। भविष्य पर ध्यान केंद्रित करना हमेशा बेहतर होता है। हां, 2023 अच्छे गानों और एक शानदार ओटीटी प्रोजेक्ट के मामले में मेरे लिए बहुत अच्छा रहा है। टिप्पसी में ट्रिपल पी वह है, वह होने वाली दुल्हन है और मेरी भूमिका इससे बहुत अलग है। मेरे दर्शकों ने मुझे पहले भी ऐसा करते हुए देखा है। मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी कार्यशालाएं सही तरीके से की हैं कि मैं वही कर पा रही हूं जो निर्माता और निर्देशक मुझसे उम्मीद करते हैं। ट्रेलर शानदार रहा है और मैं ट्रेलर के बाद मिली तारीफों से रोमांचित हूं।

कृष्णम्मा कल सिनेमाघरों में देगी दस्तक

सत्यदेव ने नायक और बहुमुखी अभिनेता दोनों के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। चाहे पूरी तरह से व्यावसायिक फिल्में हों या प्रयोगात्मक परियोजनाएं, सत्यदेव अपनी विशिष्ट अभिनय शैली से प्रभावित करते हैं। इंडस्ट्री का कोई बैकग्राउंड न होने के बावजूद हीरो सत्यदेव अपने करियर में लगातार आगे बढ़कर खुद को साबित कर रहे हैं।उनकी नवीनतम फिल्म, कृष्णम्मा को देहाती पृष्ठभूमि के साथ एक कच्ची बदला लेने वाली थ्रिलर माना जाता है। यह एक्शन फिल्म जो पहले 3 मई को रिलीज होने वाली थी, अब 10 मई को भव्य रिलीज के लिए तैयार है। कई सफल फिल्मों के वितरण के लिए जाने जाने वाले लोकप्रिय प्रोडक्शन हाउस, माइथ्री मूवी मेकर्स और प्राइम शो एंटरटेनमेंट्स रिलीज का काम संभाल रहे हैं।वीवी गोपालकृष्ण फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, जो अरुणाचल क्रिएशंस के बैनर तले कृष्णा कोमलपति द्वारा निर्मित और प्रसिद्ध निर्देशक कोराताला शिव द्वारा समर्थित है। टीजर और गानों ने कठिन चरित्रों के गहन चित्रण के लिए ध्यान खींचा और एक सम्मोहक गहन और भावनात्मक फिल्म का वादा किया।कृष्णम्मा में सत्यदेव के साथ अथिरा राज हैं। लक्ष्मण मीसाला, कृष्णा, अर्चना, रघुकुंचे और नंदगोपाल ने मुख्य भूमिकाएँ निभाई हैं। कृष्णम्मा सत्यदेव को एक नए आयाम में प्रदर्शित करने का वादा करती है। फिल्म में संगीत काला भैरव का है और छायांकन सनी कुरापति का है। कृष्णम्मा 10 मई को विश्व स्तर पर प्रदर्शित हो रही है।

गुलशन देवैया और सैयामी खेर की फिल्म

8 एएम मेट्रो जी5 पर कल होगी रिलीज

गुलशन देवैया और सयामी खेर की फिल्म 8 एएम मेट्रो पिछले साल 19 मई, 2023 को रिलीज हुई थी। उस वक्त काफी कम दर्शक फिल्म को सिनेमाघरों में देखने गए थे। हालांकि, आलोचकों की ओर से मिली अच्छी प्रतिक्रियाओं के बाद कई लोगों ने इसे देखने का मन बनाया। ऐसे दर्शक, जो इस फिल्म को नहीं देख पाए थे, उनके लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है।लगभग एक साल बाद दर्शकों को 8 एएम मेट्रो को देखने का मौका मिलने वाला है। दरअसल, बड़ा अपडेट यह है कि फिल्म जल्द ही ओटीटी पर स्ट्रीम होने वाली है। दर्शक इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी 5 पर देख पाएंगे। इसकी

स्ट्रीमिंग 10 मई से शुरू होगी। फिल्म का निर्देशन राज रचाकोंडा ने किया है। वही इस फिल्म के लेखक भी हैं। बताते चलें कि यह फिल्म तेलुगु उपन्यास अंदामैना जीविथम पर आधारित है, जिसे मल्लादी वेंकट कृष्ण मूर्ति ने लिखा है। फिल्म का संगीत मार्क के. रॉबिन ने तैयार किया है।8 एएम मेट्रो की कहानी मेट्रो में मिलने वाले दो अनजान लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है। कैसे उनकी मुलाकात सुबह 8 बजे वाली मेट्रो में होती है और कैसे उनका रिश्ता धीरे-धीरे आगे बढ़ता है। फिल्म इसी को दिखाते चलती है। सयामी ने इस फिल्म में इरावती का किरदार निभाया है। फिल्म में गुलजार की कई कविताएं सुनने को मिलती है। मालूम हो कि उन्होंने ही फिल्म का पोस्टर भी लॉन्च किया था।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
गुरुवार, 09 मई, 2024
हैदराबाद

संपादकीय

ध्वस्त हों 'नोटों के पहाड़'

झारखंड में कांग्रेस के मंत्री आलमगीर आलम के नौकर के घर से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई है। प्रवर्तन निदेशालय ने जब आलमगीर के नौकर के घर छापा डाला तो वहाँ से 'नोटों का पहाड़' सामने आया। स्पष्ट है कि यह ईमानदारी और परिश्रम से कमाया हुआ धन नहीं है। निश्चित ही यह गरीबों एवं कमजोरों से भ्रष्टाचार के रूप में वसूला गया धन होगा। विडम्बना देखिए कि एक ओर कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व कह रहा है कि सरकार ने पार्टी के खातों को सीज कर दिया है इसलिए उनके पास चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस के नेताओं और उनके करीबियों के घर से नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं। याद रखें कि यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस के किसी नेता या नेता के करीबी के घर से बेहिसाब रुपया मिला हो। झारखंड से ही कांग्रेस के सांसद धीरज साहू के यहाँ से 350 करोड़ रुपये से अधिक की बरामदगी हुई थी, खनन सचिव के यहाँ से 20 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री के करीबी पंकज मिश्रा के यहाँ 10 करोड़ की नकदी पकड़ी जा चुकी है। आलम यह है कि भ्रष्टाचार की यह कलंक कथा रुक ही नहीं रही है। यह भी याद रहे कि कांग्रेस की यूपीए सरकार को जनता ने सत्ता से इसलिए ही बेदखल किया था कि उस पर भ्रष्टाचार के अनेक आरोप लग गए थे। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को बताना चाहिए कि उनके नेताओं एवं उनके करीबियों के घर से भ्रष्टाचार की यह रकम क्यों बरामद हो रही है? कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल प्रवर्तन निदेशालय एवं अन्य जाँच एजेंसियों की कार्रवाई पर लगातार प्रश्न उठाते हैं लेकिन वे 'नोटों के पहाड़' पकड़े जाने पर चुप हो जाते हैं। क्या कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल चाहते हैं कि भ्रष्ट नेताओं को देश का धन लूटने की खुली छूट दे दी जाए। कांग्रेस को चाहिए कि वह ऐसे भ्रष्ट नेताओं को पार्टी से दूर रखे या फिर जाँच एजेंसियों पर टीका-टिप्पणी करना बंद करें। ईमानदारी और नैतिकता का तकाजा तो यही कहता है कि भ्रष्टाचार के मामले उजागर होने के बाद कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को जाँच एजेंसियों के बारे में किसी प्रकार की टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस को घेरते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उचित ही टिप्पणी की है- "आपके पड़ोसी राज्य झारखंड में नोटों के पहाड़ मिल रहे है। इनकी चोरी पकड़ी जा रही है तो मोदी को गाली देने लगते हैं। क्या इनको चोरी की खुली छूट दे दें?" भ्रष्टाचार को लेकर सरकारों एवं राजनेताओं की मानसिकता के अंतर को रेखांकित करने का कार्य भी प्रधानमंत्री मोदी ने किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस के राजनेता राजीव गांधी के प्रसिद्ध बयान "मैं दिल्ली से 1 रुपया भेजता हूं तो गरीब तक 15 पैसा पहुंचता है" का उल्लेख करके भ्रष्टाचार पर भाजपा और अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर अपने कार्यकाल में कठोर निर्णय लिए हैं और बड़ी कार्रवाईयां की हैं। केंद्र से गरीब लोगों को भेजे जानेवाली आर्थिक सहायता की व्यवस्था को भी पारदर्शी बनाया है, जिसके कारण केंद्र 100 रुपये भेजता है तो लाभार्थी के खाते में भी 100 रुपये ही पहुँचता है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए यह आवश्यक है कि 'नोटों के पहाड़' ध्वस्त हों। केंद्रीय जाँच एजेंसियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने की खुली छूट मिलनी चाहिए। साथ में यह प्रयास भी हों कि जल्द से जल्द भ्रष्टाचार के दोषी जेल की सलाखों के पीछे पहुँचें।

प्रवर्तन निदेशालय ने जब आलमगीर के नौकर के घर छापा डाला तो वहाँ से 'नोटों का पहाड़' सामने आया। स्पष्ट है कि यह ईमानदारी और परिश्रम से कमाया हुआ धन नहीं है। निश्चित ही यह गरीबों एवं कमजोरों से भ्रष्टाचार के रूप में वसूला गया धन होगा। विडम्बना देखिए कि एक ओर कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व कह रहा है कि सरकार ने पार्टी के खातों को सीज कर दिया है इसलिए उनके पास चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस के नेताओं और उनके करीबियों के घर से नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं। याद रखें कि यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस के किसी नेता या नेता के करीबी के घर से बेहिसाब रुपया मिला हो। झारखंड से ही कांग्रेस के सांसद धीरज साहू के यहाँ से 350 करोड़ रुपये से अधिक की बरामदगी हुई थी, खनन सचिव के यहाँ से 20 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री के करीबी पंकज मिश्रा के यहाँ 10 करोड़ की नकदी पकड़ी जा चुकी है। आलम यह है कि भ्रष्टाचार की यह कलंक कथा रुक ही नहीं रही है। यह भी याद रहे कि कांग्रेस की यूपीए सरकार को जनता ने सत्ता से इसलिए ही बेदखल किया था कि उस पर भ्रष्टाचार के अनेक आरोप लग गए थे। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को बताना चाहिए कि उनके नेताओं एवं उनके करीबियों के घर से भ्रष्टाचार की यह रकम क्यों बरामद हो रही है? कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल प्रवर्तन निदेशालय एवं अन्य जाँच एजेंसियों की कार्रवाई पर लगातार प्रश्न उठाते हैं लेकिन वे 'नोटों के पहाड़' पकड़े जाने पर चुप हो जाते हैं।

सड़कों पर तैरती नजर आईं, वहीं दुनिया का सबसे व्यस्त दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा एक बड़े तलाब में बदल गया

अंटार्कटिका में घट रही है बर्फ

प्रमोद भार्गव

नए षोध बताते हैं कि अंटार्कटिका से हिमखंड तो टूट ही रहे हैं, वायुमंडल का तापमान बढ़ने के कारण बर्फ भी तेजी से पिघल रही है। जलवायु बदलाव का बड़ा संकेत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भी देखने में आया है। बीते 75 सालों में यहां सबसे अधिक बारिष रिकॉर्ड की गई है। 24 घंटे में 10 इंच से ज्यादा हुई इस बारिष ने रेगिस्तान के बड़े भू-भाग को दरिया में बदल दिया है। मौसम विभाग द्वारा मिले संकेतों के चलते यूएई का प्रषासन सर्तक था। इस कारण जन एवं पषुहानि तो नहीं हुई, लेकिन तबाही का मंजर आधुनिक कहे जाने वाले षहरों में देखने में आया।

जलवायु परिवर्तन के संकेत अब अंधी आंखों से भी दिखने लगे है। नए षोध बताते हैं कि अंटार्कटिका से हिमखंड तो टूट ही रहे हैं, वायुमंडल का तापमान बढ़ने के कारण बर्फ भी तेजी से पिघल रही है। जलवायु बदलाव का बड़ा संकेत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भी देखने में आया है। बीते 75 सालों में यहां सबसे अधिक बारिष रिकॉर्ड की गई है। 24 घंटे में 10 इंच से ज्यादा हुई इस बारिष ने रेगिस्तान के बड़े भू-भाग को दरिया में बदल दिया है। मौसम विभाग द्वारा मिले संकेतों के चलते यूएई का प्रषासन सर्तक था। इस कारण जन एवं पषुहानि तो नहीं हुई, लेकिन तबाही का मंजर आधुनिक कहे जाने वाले षहरों में देखने में आया। सड़कों पर तैरती नजर आईं, वहीं दुनिया का सबसे व्यस्त दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा एक बड़े तलाब में बदल गया। भारत समेत अनेक देषों ने अपनी हवाई यात्राओं पर विराम लगा दिया और यात्रियों को चेताया कि फिलहाल दुबई बहरीन, कतर और सऊदी अरब जैसे देषों में न जाएं। इधर 1986 में अंटार्कटिका से टूटकर अलग हुआ जो हिमखंड स्थिर बना हुआ था। वह अब 37 साल बाद समुद्री सतह पर बहने लगा है। उपग्रह से लिए चित्रों से पता चला है कि करीब एक लाख करोड़ टन वजनी यह हिमखंड अब तेज हवाओं और जल धाराओं के चलते अंटार्कटिका के प्रायद्वीप के उत्तरी सिरे की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह हिमखंड करीब 4000 वर्ग किमी में फैला हुआ है, आकार में यह मुंबई के क्षेत्रफल 603 वर्ग किमी के करीब छह गुना बड़ा है। इसकी ऊंचाई 400 मीटर है। इसे ए-23/ए नाम दिया गया है। यह जिस महानगर की सीमा से टकराएगा, वहां प्रलय का तांडव रचा हो जाएगा। उत्तरी ध्रुव अर्थात आर्कटिक पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में आते-जाने के षोध अध्ययन लगातार आ रहे हैं। ये अध्ययन विषाल आकार के हिमखंडों के पिघलने, टूटने, दरारें पड़ने पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के खिसकने, ध्रुवीय भालुओं के मानव आबादियों में घुसने और सील मछलियों में कमी, ऐसे प्राकृतिक संकेत हैं, जो पृथ्वी के बढ़ते तापमान का आर्कटिक पर प्रभाव प्रगट करने वाले हैं। पर्यावरण विज्ञानी इस बदलाव को समुद्री जीवों, जहाजो, पेंगुइन और छोटे द्वीपों एवं महानगरों पर स्थित बड़ी आबादियों के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देख रहे है। बीते 40 सालों में बीते एक दषक के भीतर ऐसी खबरें ज्यादा आई हैं। विषेश तौर से उत्तरी ध्रुव की स्थिति की जानकारी देने के लिए सजग प्रहरी के रूप में अनेक

उपग्रहों की तैनाती दुनिया के देषों ने की हुई है। अमेरिका के 'नेषनल स्नो एंड साइंस डाटा सेंटर' के अध्ययन को सत्य मानें तो वर्श 2014 में ही उत्तरी ध्रुव के 32.90 लाख वर्ग किमी क्षेत्र में बर्फ की परत पिघली है। यह क्षेत्रफल लगभग भारत-भूमि के बराबर है। इस संस्थान के अनुसार 1979 में उत्तरी ध्रुव पर बर्फ जितनी कठोर थी, अब नहीं रह गई है। इसके ठोस हिमतल में 40 प्रतिषत की कमी आई है। हिमतल में एक साल में इतनी बड़ी मात्रा में आई तरलता, इस बात की द्योतक है कि भविश्य में इसके पिघलने की गति और तेज हो सकती है। क्षेत्रफल के हिसाब से आंकलन करें तो अंटार्कटिका पांचवां सबसे बड़ा महाद्वीप है। यह दक्षिणी गोलार्थ में करीब 20 प्रतिषत हिस्से को अपनी बर्फीली चादर से ढके हुए है। इसमें दक्षिणी ध्रुव भी समाहित है। लगभग नाषपाती के आकार की पृथ्वी के दो ध्रुव माने जाते हैं। इन्हें उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के नामों से जाना जाता है। भूमध्य या विशुवत्‌ रेखा इन दोनों ध्रुवों से लगभग समान दूरी बनाए रखते हुए बीच से गुजरती है। इसीलिए इसे भूमध्य रेखा भी कहा जाता है। हालांकि इसे पृथ्वी की नाप के लिए काल्पनिक रेखा इसलिए माना गया है, क्योंकि यह उत्कीर्ण नहीं है। लेकिन पृथ्वी के केंद्र से गुजरने वाली इस रेखा की विषेशता यह है कि भूमध्य रेखा एक उभरे हुए भाग में दिखाई देती है। इस रेखा पर अर्धव्यास 6378.14 मीटर ध्रुवों के अर्धव्यास 6356.79 किमी से करीब 21 किमी अधिक है। यह अतिरिक्त अर्धव्यास ही पृथ्वी के समीप की कुछ कक्षाओं में अंतर उत्पन्न करता है। जैसे ही पूर्व की ओर जाने वाला उपग्रह दक्षिणी गोलार्द्ध से उत्तरी गोलार्द्ध की ओर जाता है, उसका कक्षीय तल विशुवत्‌ रेखा पर गुरुत्वाकर्शण के प्रभाव के कारण पष्चिमोन्मुखी हो जाता है। यदि उपग्रह उसी दिषा में पूर्व की ओर जाता है तो कक्षीय तल पूर्वोन्मुखी हो जाता है। इस रेखा पर पूरे वर्श दिन-रात बराबर होते हैं, इसलिए इसे विशुवत्‌रेखा कहा गया है। उत्तरी ध्रुव का कुल क्षेत्रफल 2.1 करोड वर्ग किमी है। इसमें से 1.30 करोड़ वर्ग किमी क्षेत्र की सतह बर्फ की मोटी परत से ढकी हुई है। बर्फ से आच्छादित होने के कारण यहां का औसत तापमान ऋृणात्मक 10 डिग्री सेल्सियस है। जाड़ों में यह 68 डिग्री तक ऋृणात्मक हो जाता है। बर्फ से ढके इसी क्षेत्र को आर्कटिक महासागर कहा जाता है। यह पांच महासागरों में से एक है। लेकिन सबसे छोटा समुद्र है। सामान्यतः आर्कटिक का उल्लेख उस भाग के परिप्रेक्ष्य में होता है, जो आर्कटिक उत्तरी गोलार्द्ध (उत्तर में 66.30 अधिकांष) उत्तरी ध्रुव को घेरे हुए है। आर्कटिक का भू-क्षेत्र रूस के साइबेरिया के किनारों, आइसलैंड, ग्रीनलैंड, उत्तरी डेनमार्क, नार्वे, फिनलैंड, स्वीडन, अमेरिका, अलास्का, कनाडा का अधिकांष उत्तरी महाद्वीपीय भाग और आर्कटिक टापुओं के समूदाय तथा अन्य अनेक द्वीपों तक फैला है। औद्योगिक विकास के लिए खनिज संपदा की लूट हेतु यहां व्यापारिक गतिविधियां तेज हुई हैं। तेल, प्राकृतिक गैस और कोयला के इस क्षेत्र में अकूत भंडार हैं। इस कारण यहां पारिस्थितिकि तंत्र गड़बड़ाने लगा है। नतीजतन यहां पाए जाने वाले जलीय व थलीय जीव ध्रुवीय भालू, सील, बैल्गाव्हेल, नरव्हेल, नीली व्हेल और वेलर्स के लिए अस्तित्व बचाए रखने का संकट पैदा हो गया है। उत्तरी ध्रुव हमारे ग्रह पृथ्वी का सबसे सुंदर उत्तरी बिंदु है। मान्यता है कि यहीं पर पृथ्वी की धुरी घूमती है। यह स्थल आर्कटिक महासागर में स्थित है। यहां अत्याधिक ठंड पड़ती है, क्योंकि छह माह तक सूर्य लुप्त रहता है। यहां हमेषा सफेद बर्फीली चादर बिछी रहती है। इस भौगोलिक उत्तरी ध्रुव के निकट ही, चुंबकीय उत्तरी ध्रुव है। इसी चुंबकीय षक्ति से आकर्शित होकर कंपास की सुई दिषा-संकेत देती है। उत्तरी तारा या 'ध्रुव-तारा' उत्तरी ध्रुव के आकाष पर निरंतर चमकता दिखाई देता है। षताब्दियों से नाविक इसी तारे को देखकर यह अनुमान लगाते हैं कि वे उत्तर से कितनी दूर हैं। यह क्षेत्र आर्कटिक परिधि भी कहलाता है। क्योंकि यहां अर्धरात्रि के सूर्य (मिडनाइट सन) और ध्रुवीय रात (पोलर नाइट) का अद्वितीय दृष्य देखने को मिलता है। दुनिया की 90 प्रतिषत बर्फ इसी अंटार्कटिका में जीम हुई है। इसलिए इसे पृथ्वी का षीतालय (फ्रिज) भी कहा जाता है। यहां कि बर्फीली परतों में धरती को मिलने वाला सबसे ज्यादा मात्रा में पानी संग्रहित है।

दृष्टि कोण

टेक्नोलॉजी से सरकार को बदनाम करने की ओछी हरकत

पिछले कुछ दशकों में दुनिया में तकनीकी विकास तेजी से हुआ है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग ने जीवन को सरल और तेज बना दिया है, लेकिन यह लाभ के साथ साइबर सुरक्षा से जुड़े कुछ गंभीर जोखिम भी सामने ला रहा है। टेक्नोलॉजी से सरकार को बदनाम करने की ओछी हरकत आजकल देशभर में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मोदी सरकार से मुकाबला करने के लिए अब जुबानी लड़ाईं के साथ-साथ तकनीकी लड़ाईं भी शुरू हो गया है। कुछ समय पहले तक विपक्ष दल सत्ता पक्ष के खिलाफ केवल मौखिक आरोप ही लगाते थे, लेकिन अब कुछ दल और उनके नेता तकनीकी का सहारा लेकर बीजेपी के शीर्ष नेताओं को बदनाम करने की साजिश रचने में जुट गये हैं। इसकी सबसे ताजी मिसाल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ डीपफेक वीडियो का मामला है। वीडियो कथित तौर पर शेयर करने के लिए मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र युवा कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल और 16 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। 'डीपफेक' वह प्रौद्योगिकी है जिससे एक वीडियो में छेड़छाड़ कर किसी ऐसे व्यक्ति के चेहरे को उसमें फिट किया जाता है जो उस वीडियो का हिस्सा ही नहीं होता। इस तकनीक के माध्यम से छेड़छाड़ कर बनाए गए वीडियो में असली और नकली का अंतर बता पाना मुश्किल होता है। इस फर्जी वीडियो में बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण अधिकारों को खत्म करने की घोषणा करते हुए कथित तौर पर नजर आ रहे हैं। अमित शाह के जिस भाषण से छेड़छाड़ की गईं है, वह 25 अप्रैल का है। उस दिन वह तेलंगाना के मेडक जिले के सिद्दीपेट में बीजेपी की चुनावी रैली में भाषण दिये थे। इस भाषण के वीडियो को कथित तौर पर छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया था। फैक्ट चेक में ये वीडियो फेक साबित हुआ है। इसके बाद गृह मंत्रालय की शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस कार्रवाईं कर रही है। दिल्ली पुलिस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी समेत राज्य कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं को भी पूछताछ के लिए तलब किया है। मामले में बीजेपी की मुंबई इकाईं के पदाधिकारी प्रतीक करपे ने भी बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराईं थी। शिकायत में कहा गया है कि अमित शाह का डीपफेक वीडियो बनाकर उसे पोस्ट किया गया और इंटरनेट पर शेयर किया गया। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विगत 30 अप्रैल को आरोप लगाया कि कांग्रेस यह झूठ फैला रही है कि अपने तीसरे कार्यकाल में बीजेपी का इरादा संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त करने का है। अमित शाह ने दावा किया कि जनता के आशीर्वाद और समर्थन से बीजेपी लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट जीतने के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। अमित शाह ने कहा कि 'कांग्रेस पार्टी के नेता इतने हताश हैं कि उन्होंने मेरे भाषण का फर्जी वीडियो बनाया।' बहरहाल, पिछले कुछ दशकों में दुनिया में तकनीकी विकास तेजी से हुआ है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग ने जीवन को सरल और तेज बना दिया है, लेकिन यह लाभ के साथ साइबर सुरक्षा से जुड़े कुछ गंभीर जोखिम भी सामने ला रहा है। साइबरस्पेस की सीमाहीन प्रवृति के साथ इससे जुड़े खतरे और साइबर अपराधियों के छलपूर्ण तरीके एवं उपकरण के कारण साइबर हमलों की प्रवृत्ति लगातार बदल रही है। इसके अलावा, आतंकवाद और कट्टरवाद को भी साइबर स्पेस में पनाह मिल रही है। डीपफेक वीडियो का शिकार हुए गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं 'हमें 'संवेदनशीलता के साथ प्रौद्योगिकी का उपयोग' और 'सार्वजनिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने' के दोहरे उद्देश्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने का अवसर मिला है। हालांकि, यह कार्यं अकेले सरकारों द्वारा नहीं किया जा सकता है। मैं नागरिकों से ऑनलाइन सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए जागरूक और सतर्क रहने की अपील करता हूं। साइबर सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है और हमें यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए कि हमारी डिजिटल दुनिया सभी के लिए सुरक्षित बनें।' मोदी सरकार देश की जनता के जीवन को आसान बनाने के लिए डिजिटल तकनीक को तेजी से बढ़ावा दे रही है। फिलहाल देश में 65 करोड़ इंटरनेट यूजर हैं, 114 करोड़ मोबाइल यूजर हैं, 6 लाख से अधिक गांवों तक ब्रॉडबैंड इंफ्रास्ट्रक्चर पहुंच चुका है और 9,000 करोड़ रुपये से अधिक के डिजिटल लेनदेन हो रहा है। इसके साथ मोदी सरकार ने इस सुविधा को सफलतापूर्वक जन-जन तक पहुंचा दिया है। डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के पीछे मूलभूत विचार यह था कि अगर गरीब की पहुंच प्रौद्योगिकी या तकनीकी तक नहीं है, तो प्रौद्योगिकी या तकनीकी को उन तक पहुंचना चाहिए।

कुछ अलग

ग्लोबल वार्मिंग, संभलने की वार्निंग

मनुष्य का जल-जंगल-जमीन से रिश्ता आदिकाल से है। बिना इनके जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। आज सबसे बड़ा संकट ग्लोबल वार्मिंग का है। इससे सारी दुनिया चिंतित है। ग्लोबल वार्मिंग ने कई तरह की दुश्वारियां पैदा की हैं। पृथ्वी का तापमान बढ़ने (ग्लोबल वार्मिंग) और उसकी वजह से होने वाला जलवायु परिवर्तन आज प्रकृति की तबाही की सबसे महत्वपूर्ण कारक है। पृथ्वी के औसत तापमान में बढ़ोतरी या ग्लोबल वार्मिंग मुख्यतः कार्बन उत्सर्जन की तेजी से बढ़ती दर और कम होते जंगलों का परिणाम है। उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में इस साल चली भयंकर लू का मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर ग्लोबल वार्मिंग नहीं रुकी तो शताब्दी के आखिर तक पृथ्वी का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति के पहले के स्तर से 2 डिग्री बढ़ जाएगा और इससे लू की तीव्रता और नियमितता 30 गुना बढ़ जाएगी। दैनिक अनुभव से भी हम यह जानते हैं कि सिर्फ तपती गर्मी या लू से उतनी तकलीफ नहीं होती जितनी तकलीफ गर्मी और उमस के एकसाथ होने से होती है। ग्लोबल वार्मिंग से हवा का तापमान बढ़ता है और गर्म हवा ठंडी हवा के मुकाबले ज्यादा वायुमंडल की नमी वहन करती है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण जहां प्रति वर्ष लू की स्थिति अधिक दिनों तक और ज्यादा तीव्रता के साथ लोगों को अपनी जद में ले रही है। दूसरी ओर हर साल शीत लहर का प्रकोप भी बढ़ता जा रहा है। 1980 से 2018 के बीच शीत लहर के कारण हुई मौतें लू से हुई मौतों से ज्यादा थीं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020 में शीतलहर से 152 लोगों की मौत हुई। जनवरी 2021 में उत्तर भारत के हर राज्य में औसत मासिक अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री कम था। वैज्ञानिकों के अनुसार शीत लहर की बढ़ती अवधि और तीव्रता का मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग और विशेष तौर पर आर्कटिक इलाके का ऊष्मीकरण है। अबतक यह एक स्थापित तथ्य माना जाता था कि आर्कटिक वृत्त पृथ्वी के बाकी हिस्सों के मुकाबले दोगुनी तेजी से गर्म होता है। लेकिन पिछले साल नासा से जुड़े कुछ वैज्ञानिकों के नए शोध के अनुसार आर्कटिक वृत्त असल में दोगुनी नहीं बल्कि चौगुनी तेजी से गर्म हो रहा है। लांसेट स्वास्थ्य जर्नल में 2021 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार भारत में असामान्य तापमान के कारण हर साल सात लाख से अधिक लोगों की मौत होती है। इनमें से 6.5 लाख लोगों की मौत असामान्य ठंडे तापमान और औसतन 80 हजार लोगों की मौत असामान्य गर्म तापमान के कारण होती है। असामान्य तापमान के कारण मरने वाले लोग आमतौर पर समाज के निचले तबके से आते हैं। लू और शीतलहर के अलावा ग्लोबल वार्मिंग के कारण एक और भयानक प्रक्रिया घटित हो रही है। यह प्रक्रिया है हिमनदियों और ध्रुवीय हिमच्छदों (पोलर आइस कैप्स) का तेजी से पिघलना और औसत समुद्र तल (मीन सी लेवल) का लगातार बढ़ना। अगले कुछ दशकों में शंघाई, हॉन्ग कॉन्ग, ओसाका, रिओ, एम्स्टर्डम, अलेक्सान्द्रिया जैसे दुनियाभर के कई तटवर्ती शहरों के बड़े हिस्सों के जलमग्न हो जाने की आशंका है। मुंबई, चेन्नई, विशाखापट्टनम, कोच्चि, तिरुवनन्तपुरम आदि शहरों के कुछ इलाके 2050 तक जलमग्न हो सकते हैं। समुद्र स्तर के बढ़ने से आने वाली बाढ़ के कारण समंदर का खारा पानी जमीन के अंदर रिसकर चला जाएगा। इससे भूमिगत जल भी खारा बन जाएगा। इससे स्वच्छ पानी की उपलब्धता भयंकर विकराल रूप ले लेगी, क्योंकि आज ही मीठे पानी की समस्या गम्भीर समस्या बन चुकी है। तब क्या होगा इसकी कल्पना से कलेजा फटने को हो जाता है।

देश दुनिया से

विवाह भारतीय समाज की मजबूती का आधार

यह प्राचीन भारतीय सभ्यता, दर्शन और अनुभूति को पिछड़ापन मानती है। उधार की विदेशी आधुनिकता ने राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों को कुप्रभावित किया है। ऋग्वेद के रचनाकाल के पहले ही भारत की संस्कृति और सभ्यता का विकास हो चुका था। भारतीय सभ्यता में परिवार आत्मीय संगठन थे। परिवार के सभी सदस्यों के एक साथ रहने और रमने के सूत्र आज भी दिखाई पड़ते हैं। विवाह पवित्र सामाजिक संस्कार है। इसके विकास में काफी समय लगा होगा। यह सतत प्रवाहमान सामाजिक विकास का परिणाम है।

आधुनिक सभ्यता के प्रभाव शुभ नहीं हैं। जीवन के सभी आयामों में आधुनिकता का बुरा प्रभाव पड़ रहा है। परिवार खूबसूरत संस्था है। लेकिन आधुनिकता की चपेट में है। वस्तुतः आधुनिकता प्राचीनता का ही हिस्सा है और उसी का विकास है। भारत प्राचीन सभ्यता है। इस सभ्यता का सतत विकास हुआ है। आधुनिकता और प्राचीनता को खण्डों में नहीं बांटा जा सकता। प्राचीन सभ्यता से विकसित होकर बनने वाली आधुनिकता स्वागत योग्य है। लेकिन वर्तमान भारत की आधुनिकता में विदेशी सभ्यता की वरीयता है। यह प्राचीन भारतीय सभ्यता, दर्शन और अनुभूति को पिछड़ापन मानती है। उधार की विदेशी आधुनिकता ने राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों को कुप्रभावित किया है। ऋग्वेद के रचनाकाल के पहले ही भारत की संस्कृति और सभ्यता का विकास हो चुका था। भारतीय सभ्यता में परिवार आत्मीय संगठन थे। परिवार के सभी सदस्यों के एक साथ रहने और रमने के सूत्र आज भी दिखाई पड़ते हैं। विवाह पवित्र सामाजिक संस्कार है। इसके विकास में काफी समय लगा होगा। यह सतत प्रवाहमान सामाजिक विकास का परिणाम है। विवाह ही प्राचीन समाज की मजबूती का आधार रहे हैं। वे स्त्री और पुरुष के बीच नेह बंधन में बंधे हुए थे। अब उधार की आधुनिकता ने 'लिव इन' नाम का दुखद दृश्य प्रस्तुत किया है। 'लिव इन' दोनों को संताप में रखता है। भारतीय समाज परिवारों में ही विकसित हुआ है। परिवार के सभी सदस्यों के सुख-दुख एक समान रहे हैं। सब साथ साथ रहते थे। साथ-साथ उत्सव मनाते थे। वरिष्ठ नई पीढ़ी के साथ आनंदित रहते थे। वृद्ध ऐसे परिवारों के संचालक, नीति निर्माता और मुखिया रहे हैं। लेकिन उधारू सभ्यता के कारण परिवार के सदस्यों के मध्य अंतर्संवाद व अंतर्संगीत नहीं है। सब अलग-अलग रहना चाहते हैं। उधार की विदेशी आधुनिकता के कारण उपयोगितावाद मार्गदर्शी हो रहा है। जीवन की सांझ में वृद्ध उपयोगी नहीं दिखाई पड़ते। वृद्ध अकेले हैं। माता-पिता और अन्य वरिष्ठ प्राचीन भारतीय सभ्यता में आदरणीय रहे हैं। आधुनिक विदेशी सभ्यता के प्रभाव में परिवार के वरिष्ठ जनों का आदर घटा है। वृद्धों की सेवा पुत्रों-पौत्रों का दायित्व है। परिवार के सदस्य वरिष्ठों को घर में छोड़कर अलग रहते हैं। वृद्ध उपयोगी नहीं हैं। वे स्वयं अपना शरीर भी नहीं संभाल पाते। शारीरिक जीर्णता के साथ मानसिक संताप भी जुड़े हैं। वृद्ध मानसिक अवसाद में हैं। संवेदनाएं कुचालक हो गई हैं। परस्पर आत्मीयता घटी है। पश्चिम की सभ्यता आधुनिकता बनकर समाज तोड़ रही है। ऐसी सभ्यता से जुड़े विद्वान भारत में स्त्री की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। ऋग्वेद में विवाह नाम के उत्सव का वर्णन बार-बार पठनीय है। ऋग्वेद (10.85) में सूर्य पुत्री सूर्या के विवाह का रोचक वर्णन है। सूर्य प्रकृति की विराट शक्ति हैं। आराध्य हैं। यहां उनकी पुत्री के विवाह का उत्सव वर्णन है। यह वर्णन निरा काल्पनिक नहीं हो सकता। ऋग्वेद में विवाह के समय वर कहता है, "हे वधू सौभाग्य वृद्धि के लिए मैं आपका हाथ ग्रहण करता हूं। तुम मेरे साथ सदा रहना।" अग्नि देवता के चारों ओर सात चक्कर लगाने की परम्परा सप्तपदी में भी है। सर्वोच्च न्यायपीठ ने इसी सप्ताह सप्तपदी को अनिवार्य बताया है। विवाह के पहले पिता का घर ही कन्या का निवास होता है। विवाह के समय ऋषि आशीष देते हैं, "हम आपको पितृकुल से मुक्त करते हैं और पतिकुल से सम्बद्ध करते हैं।" स्तुति है कि, "हे इंद्र यह वधू सौभाग्यशाली हो।" पश्चिम प्रभावित भारतीय विद्वान नोट कर सकते हैं कि वैदिक काल में नारी की स्थिति

कार्यपालक अधिकारी जैसी है। ऋग्वेद में कहते हैं, "यह नारी पूरे परिवार की प्रतिष्ठा वृद्धि करने वाली हो।" देवों से स्तुति है कि, "इसे संतति युक्त सौभाग्यशाली बनाएं।" फिर सामूहिक आशीर्वाद देते हैं, "आप सास, ससुर, ननद व देवर की साम्राज्ञी बनें। पूरे परिवार की स्वामिनी बनें।" प्राचीन काल में स्त्रियां युद्ध में भी हिस्सा लेती थीं। युद्ध साधारण कर्म नहीं है। ऋग्वेद में विप्सला नाम की महिला के पैर टूटने का विवरण है। अश्विनी देवताओं ने टूटे पैर की जगह किसी धातु का कृत्रिम पैर लगाया था। इसी तरह एक महिला मुद्गलानी की भी वीरता का उल्लेख है। वैदिक काल की इसी परम्परा के दर्शन रामकथा में भी मिलते हैं। कैकई भी दशरथ के साथ युद्ध भूमि में थीं। लोपामुद्रा भी वैदिक मंत्रों की रचयिता हैं। पुरुष और स्त्री में भेदभाव की बातें व्यर्थ हैं। आधुनिक विदेशी सभ्यता स्त्रियों को सम्माननीय दर्जा नहीं देती। इस सभ्यता ने उन्हें पुरुष से भिन्न अलग वर्ग बनाने के प्रयास किए हैं। वैदिक काल में स्त्री और पुरुष साथ-साथ काम करते हैं।

आप का नजरिया

हेल्थ सिस्टम में नर्सिंग पेशे का योगदान अतुलनीय

बिना नर्स के समूचा चिकित्सा तंत्र अधूरा है क्योंकि वह अस्पतालों की रीढ़ होती हैं। वे अपने कर्तव्य, समर्पण और प्रतिबद्धता से चिकित्सीय पेशे का संचालन करती हैं। सालाना 6 मई को 'राष्ट्रीय नर्स दिवस' मनाया जाता है। पिछले वर्ष यानी 2023 को इस दिवस की थीम थी 'हमारी नर्सें, हमारा भविष्य'। राष्ट्रीय नर्स दिवस की स्थापना किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं की गई थी, बल्कि 1982 में संयुक्त राज्य कांग्रेस द्वारा की गई। ये दिवस नर्सिंग की संस्थापिका फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिन की स्मृति में मनाया जाता है। राष्ट्रीय नर्स दिवस ऐसा दिन है, जो नर्सों के योगदान और उनकी कड़ी मेहनत का सम्मान और जश्न मनाने के लिए होता है। वैसे इस दिवस को पूरे एक सप्ताह के लिए मनाया जाता है। यानी 6 से 12 मई तक। गौरतलब है कि ये पेशा स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, बीमारियों को रोकने और विभिन्न प्रकार की चिकित्सीय स्थितियों वाले रोगियों की देखभाल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नर्सें देश के विभिन्न अस्पतालों, क्लीनिकों, नर्सिंग होम व अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में काम करती हैं। दवाइयां देने, मरीजों के महत्वपूर्ण संकेतों की निगरानी करने, मरीजों और उनके परिवारों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करने और मरीजों की देखभाल के बारे में अन्य स्वास्थ्य देखभाल और संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बड़ा अस्पताल हो, या फिर कोई प्रसिद्ध चिकित्सक, बिना नर्सिंग स्टॉफ के कोई भी मरीजों का इलाज नहीं कर सकता। सामान्य दिनों के मुकाबले कोविड काल में पूरे संसार ने नर्सों के योगदान को करीब से देखा था। वो ऐसा वक्त जब संक्रमितों के नजदीक जाने मात्र से लोग कतराते थे। तब, नर्सें ही मरीजों की देखरेख में लगी थीं। नर्सिंग क्षेत्र के योगदान को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र और उनके समकक्ष स्वास्थ्य संगठनों ने हेल्थ कर्मियों पर अधिक निवेश करने की वकालत की है। वैश्विक स्वास्थ्य कर्मचारियों की कुल में एक तिहाई आबादी नर्सों की होती है। इसलिए तकरीबन पूरा का पूरा हेल्थ सिस्टम उन्हीं के कंधों पर टिका है। भारत में नर्सों की संख्या करीब 28 लाख के करीब है जिसमें प्रति वर्ष इजाफा हो रहा है। आज पूरे भारत में लाखों की संख्या में नर्सिंग कॉलेज-स्कूल संचालित हैं। क्योंकि नर्सों की डिमाडं दिनोंदिन बढ़ जो रही है। नर्सों के काम की जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है। आज उनके साहस और निष्ठा प्रयाण कर्तव्य की प्रशंसा करने का दिन है। भारत में नर्सों के साहस की सराहना न सिर्फ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर चुके हैं, बल्कि हाल ही में डब्ल्यूएचओ ने भी इसे सराहा है। इंजेक्शन लगाने से लेकर, मरहम-पट्टी आदि की जिम्मेदारी सिस्टरों के सिर होती है। हालांकि नर्सिंग क्षेत्र में पुरुष स्टाफ भी हैं, लेकिन महिलाओं के मुकाबले काफी कम हैं। कमी के दो मूल कारण हैं। अव्वल, महिला नर्स में मरीजों को ममता की करुणा दिखती हैं। दूसरा, वह अपनी ड्यूटी को जिम्मेदारी से निभाती हैं। यही कारण है नर्सों को अच्छे से प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वह मरीजों को मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और चिकित्सकीय तौर पर मदद कर सकें।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मारुति सुजुकी इस हफ्ते न्यू जेनरेशन मॉडल की नई स्विफ्ट करेगी लॉन्च

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां) ।

मारुति सुजुकी अपनी टॉप सेलिंग हैचबैक स्विफ्ट के न्यू जेनरेशन मॉडल को लॉन्च करने जा रही है। लॉन्च से पहले 2024 मॉडल स्विफ्ट की जानकारियां सामने आ गई हैं। यह हैचबैक अपनी फोर्थ जेनरेशन अवतार में काफी खास लुक-डिजाइन और फीचर्स के साथ आ रही है। इसके साथ ही इंजन-पावर और माइलेज में भी नई स्विफ्ट अपने पुराने मॉडल के मुकाबले अलग ही है।

2024 मारुति सुजुकी स्विफ्ट एलएक्सआई, वीएक्सआई, वीएक्सआई (ओ), जेडएक्सआई और जेडएक्सआई+ जैसे 5 ट्रिम लेवल के 10 से ज्यादा वेरिएंट में लॉन्च हो सकते हैं, जिनमें सीएनजी भी लगे होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नई स्विफ्ट में नोवेल ऑरेंज और लस्टर ब्लू जैसे कलर मिलेंगे। बाद में इसमें मौजूदा मॉडल वाले सिंगल टोन और डुअल टोन कलर ऑप्शन तो होंगे।

नई मारुति सुजुकी स्विफ्ट का लुक और डिजाइन काफी जबरदस्त होगा। इस हैचबैक के न्यू जेनरेशन मॉडल में नई फ्रंट हेडलाइट, नए डीआरएल और फॉगलैंप, रीडिजाइन्ड बंपर, बेहतर डिजाइन वाली अलॉय व्हील, रियर में नया टेललैंप समेत बाहरी खूबियां भी दिखने लायक होंगी। कंपनी नई स्विफ्ट को स्पोर्टी लुक और डिजाइन के साथ पेश करेगी। बीते 19 साल से भारतीय बाजार में जलवा बिखेरने वाली स्विफ्ट अब नए अवतार में बदली-बदली नजर आएगी।

न्यू जेनरेशन मारुति सुजुकी के एक्सटीरियर की तरह ही इंटीरियर में बदलाव किया है। वैसे इंटीरियर और फीचर्स के बारे में पुख्ता डिटेल तो 9 मई को पता चल सकेगी, लेकिन खबर हैं कि 2024 स्विफ्ट का इंटीरियर कंपनी की क्रॉसओवर फ्रॉन्क्स से इंस्पायर्ड होगा। बेहतरीन इंटीरियर से लैस इस हैचबैक के फीचर्स भी कमाल के होंगे। इसमें 9 इंच का स्मार्ट प्ले प्रो प्लस टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, वायरलेस चार्जर, रियर में भी एसी वेंट, सुजुकी की कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी, कई तरह के यूएसबी चार्जिंग पोर्ट्स जैसे स्टैंडर्ड फीचर्स के साथ 6 एयरबैग समेत काफी सारे सेफ्टी फीचर्स इसमें शामिल किए गए हैं।

नई मारुति सुजुकी स्विफ्ट में ऑल न्यू 1.0 लीटर 3 सिलिंडर जी-सीरीज पेट्रोल इंजन लगा है, जो कि माइल्ड हाइब्रिड टेक्नॉलजी से लैस होगा और यह करंट मॉडल में मौजूद 4 सिलिंडर के-सीरीज इंजन को रिप्लेस करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नई स्विफ्ट का नया इंजन 81.6 पीएस की मैक्सिमम पावर और 112 न्यूटन मीटर का पिक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। नई स्विफ्ट की माइलेज 25.72 किमीपरहार्स तक की हो सकती है। इसमें 5 स्पीड मैनुअल और ऑटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन विकल्प भी दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

परिवारों की बचत पांच साल में सबसे कम, तीन साल में 9 लाख करोड़ घटी 2020-21 के बाद से आ रही गिरावट

नई दिल्ली । देश में परिवारों की शुद्ध बचत (घरेलू बचत) पिछले तीन वर्षों में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक घटकर 2022-23 में 14.16 लाख करोड़ रुपये रह गई है। यह 2017-18 के बाद परिवारों की शुद्ध बचत का पांच साल का निचला स्तर है। उस दौरान शुद्ध घरेलू बचत 13.05 लाख करोड़ रुपये रही थी। सांख्यिकी व कार्यक्रम

कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2020-21 में शुद्ध घरेलू बचत अपने शीर्ष पर पहुंच गई थी। उस दौरान परिवारों ने शुद्ध रूप से 23.29 लाख करोड़ रुपये की बचत की थी। इस अवधि के बाद से परिवारों की शुद्ध बचत लगातार घट रही है। मंत्रालय ने अपने ताजा आंकड़ों में कहा है कि वित्त वर्ष 2018-19 में परिवारों ने शुद्ध रूप से 14.92 लाख करोड़ रुपये की बचत की थी। वित्त वर्ष 2018-19 में यह आंकड़ा बढ़कर 15.49 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। 2020-21 में अपने शीर्ष पर पहुंचने के बाद 2021-22 में परिवारों की शुद्ध बचत फिर घटकर 17.12 लाख करोड़ रुपये रह गई। वित्तीय देनदारी : 73 फीसदी बढ़ी, बैंक कर्ज 11.88 लाख करोड़ परिवारों पर वित्तीय देनदारी 2022-23 में 73 फीसदी बढ़कर 15.6 लाख करोड़ पहुंच गई। 2021-22 में यह आंकड़ा 9 लाख करोड़ था।इस अवधि में परिवारों की वित्तीय बचत 26.1 लाख करोड़ से 14 फीसदी बढ़कर 29.7 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। परिवारों पर वित्तीय संस्थानों एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का कर्ज भी तीन वर्षों में चार गुना बढ़ा है। 2022-23 में यह बढ़कर 3.33 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। 2021-22 में यह 1.92 लाख करोड़ और 2020-21 में 93,723 करोड़ रुपये था। बैंक कर्ज भी तीन वर्षों में दोगुना होकर 2022-23 में 11.88 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 2020-21 में यह 6.05 लाख करोड़ था। जीडीपी की तुलना में...बचत 5 दशक के न्यूनतम स्तर पर जीडीपी की तुलना में घरेलू बचत वित्त वर्ष 2022-23 में पांच दशक के निचले स्तर 5.3 फीसदी पर आ गई है। कोरोना काल को छोड़कर 2012 से 2022 के बीच यह 7-8 फीसदी थी। विश्लेषकों की मानें तो बहुत अधिक खपत/खर्च का लाभ उठाया जाता है। इससे कुछ वर्गों में मांग में वृद्धि हुई है। म्यूचुअल फंड : निवेश तीन गुना होकर 1.79 लाख करोड़ रुपये आंकड़ों के मुताबिक, 2022-23 में म्यूचुअल फंड में निवेश करीब तीन गुना होकर 1.79 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। 2020-21 में यह सिर्फ 64,080 करोड़ रुपये था। 2021-22 में म्यूचुअल फंड में 1.6 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। वित्त वर्ष 2022-23 में डिबेंचर्स और शेयरों में भी निवेश दोगुना होकर 2.06 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। 2020-21 में यह 1.07 लाख करोड़ रुपये रहा था। 2021-22 के दौरान डिबेंचर्स और शेयरों में 2.14 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया था।

जयप्रकाश एसोसिएट्स ने नहीं चुकाया 4,616 करोड़ का कर्ज

नई दिल्ली । संकटग्रस्त जेपी समूह की प्रमुख कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) ने मूलधन व ब्याज राशि सहित 4,616 करोड़ रुपये के कर्ज का भुगतान नहीं किया है। जेएएल ने शेयर बाजार को

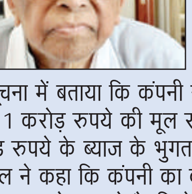

दी सूचना में बताया कि कंपनी ने 30 अप्रैल को 1,751 करोड़ रुपये की मूल राशि और 2,865 करोड़ रुपये के ब्याज के भुगतान में चूक की है। जेएएल ने कहा कि कंपनी का कुल उधार 29,805 करोड़ रुपये है, जिसे 2037 तक चुकाया जाना है। इसमें से 30 अप्रैल 2024 तक 4,616 करोड़ रुपये बकाया था। ये कर्ज विभिन्न बैंकों से लिया गया है। कंपनी ने कहा कि 29,805 करोड़ रुपये की कुल उधारी में से 18,955 करोड़ रुपये प्रस्तावित विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को हस्तांतरित किए जाएंगे। इसके लिए सभी विधिवत अनुमोदित एक व्यवस्था योजना को हितधारकों की मंजूरी मिल गई है, हालांकि यह राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) की मंजूरी के लिए लंबित है। कंपनी ने कहा कि किसी भी स्थिति में सम्पूर्ण ऋण पुनर्गठन के अधीन है। जेएएल ने कहा कि एक जिम्मेदार उधारकर्ता के तौर पर कंपनी उधारी को कम करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। सीमेंट व्यवसाय के प्रस्तावित विनिवेश और विचाराधीन पुनर्गठन के बाद, संशोधित पुनर्गठन योजना के कार्यान्वयन पर उधारी लगभग शून्य हो जाएगी।

पायलट बीमार पड़ रहे या बढ़ रहा असंतोष, टाटा के एयरलाइन कर्मचारी क्यों नाराज चल रहे

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां) ।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली लो कॉस्ट एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कई उड़ानें रद्द कर दीं। एयर इंडिया एक्सप्रेस की 80 से अधिक उड़ानों को रद्द कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, एयरलाइन के चालक दल के सदस्य बड़े पैमाने पर बीमारी का हवाला देकर छुट्टी पर चले गए हैं। इसी कारण ये उड़ाने रद्द की गईं। कुछ दिनों पहले टाटा समूह की एक अन्य एयरलाइन विस्तारा में भी ऐसे ही हालात बने थे। ऐसे में बड़ा सवाल है कि क्या टाटा समूह के एयरलाइन कर्मचारी वाकई बीमार पड़ रहे हैं या उनमें असंतोष बढ़ रहा है केबिन क्रू सदस्यों और कर्मचारियों की नाराजगी के कारण तो एयरलाइन को उड़ानों को रद्द करने जैसे फैसले नहीं लेने पड़ रहे हैं

एक साथ ही एयरलाइन कर्मचारियों की छुट्टी पर जाने का क्या है कारण

मामले को करीब से देखने वाले सूत्रों के अनुसार एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के खिलाफ चालक दल के कुछ सदस्यों के प्रदर्शन के चलते उड़ानों का परिचालन रद्द किया गया है। बताया जा रहा है कि एआईएक्स कनेक्ट (एयर एशिया कनेक्ट) के साथ विलय प्रक्रिया की शुरू होने के बाद से ही केबिन क्रू के बीच असंतोष बढ़ रहा है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के केबिन क्रू के एक वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले एक यूनियन ने कर्मचारियों के कुप्रबंधन और असमान व्यवहार पर चिंता जताई है। चालक दल के करीब 300 सदस्यों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ (एआईएक्सईयू) ने आरोप लगाया है कि कुप्रबंधन ने कर्मचारियों का मनोबल गिराया है।

क्या एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर एशिया कनेक्ट के विलय का विरोध हो रहा

अचानक उड़ानें रद्द होने पर यात्रियों ने भी सोशल मीडिया पर भी निराशा व्यक्त की है। रद्द उड़ान के बारे में एक यात्री की पोस्ट के जवाब में, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने माफी मांगी और उड़ानों को रद्द करने के लिए परिचालन कारणों का हवाला दिया। अपने एयरलाइन कारोबार को मजबूत करने की रणनीति के तहत टाटा समूह एयर इंडिया एक्सप्रेस और एआईएक्स कनेक्ट के साथ-साथ विस्तारा का भी एयर इंडिया के साथ विलय कर रहा है। इस विलय की इस प्रक्रिया का कर्मचारी विरोध कर रहे हैं। कर्मचारी अपने साथ व्यवहार में असमानता और कुप्रबंधन का आरोप लगा रहे हैं।

क्या एयर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा की चुनौतियां एक जैसी हैं

एयर इंडिया एक्सप्रेस की स्थिति टाटा समूह के स्वामित्व वाली एक अन्य एयरलाइन विस्तारा में कुछ दिनों पूर्व आए पायलट संकट के ही समान है। विस्तारा ने हाल ही में 150 से अधिक उड़ानें रद्द की थीं और कई उड़ानें देर हो गईं थीं। उस दौरान भी पायलट सामूहिक बीमारी की बात कह कर छुट्टी पर चले गए थे। एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ (एआईएक्सईयू) द्वारा अप्रैल में टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को भेजे गए पत्र में एचआरए जैसे भत्तों को हटाने समेत कई शिकायतें की गई थीं। पत्र में कर्मचारियों के साथ व्यवहार में समानता की कमी की बात भी कही गई थी। पत्र में कहा गया था कि आंतरिक नौकरियों में रिक्त स्थान को पोस्टिंग बाहरी उम्मीदवारों से भरा जा रहा है। योग्य आंतरिक (इन हाउस) उम्मीदवारों को दरकिनार किया जा रहा है। अप्रैल में भेजे गए पत्र के अनुसार, एचआरए सहित विभिन्न भत्ते, जो विलय से पहले मुआवजे का हिस्सा थे, को हटा दिया गया है। कंपनी ने कहा कि लगातार मुनाफा दर्ज करने के बावजूद कर्मचारियों के वेतन में कटौती की गई। पत्र में लिखा था, कर्मचारियों के साथ व्यवहार में समानता का घोर अभाव है। वेतन, अनुभव और योग्यता की अवहेलना की जा रही है, आंतरिक नौकरियों में अब योग्य आंतरिक उम्मीदवारों को दरकिनार करते हुए एयर इंडिया एक्सप्रेस से बाहर के उम्मीदवारों को जगह दी जा रही है।

विस्तारा एयरलाइन के संचालन में क्या परेशानी आई थी

इससे पहले अप्रैल में टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन विस्तारा एयरलाइन को पायलट्स के असंतोष से जुड़े व्यवधानों का सामना करना पड़ा था। उस दौरान 150 से अधिक उड़ानें रद्द की गई थीं। पायलट्स के सामूहिक बीमारी की बात कह कर छुट्टी पर चले जाने से कई उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ था। सप्ताहांत में स्थिति और खराब हो गई थी जिसके कारण लगभग 80 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 90 उड़ानों में देरी हुई। उसके बाद भी कई उड़ान रद्द किए गए थे। जानकारों के अनुसार, ऐसी परिस्थिति बनने के मध्य में एयरलाइन का एचआर विभाग था, जिससे पायलट्स और केबिन क्रू सदस्य असंतुष्ट थे। विस्तारा के एयर इंडिया के साथ विलय से पहले जिस वेतन संरचना की बात कही गई उसके अनुसार प्रति माह केवल 40 उड़ान घंटों के लिए भुगतान की गारंटी दी गई है, यह पहले 70 घंटे था। एयरलाइन के कई अधिकारियों को आशंका है कि यह परिवर्तन उनके टेक-होम वेतन को काफी हद तक कम कर सकता है। पायलट्स असंतोष के जवाब में विस्तारा के प्रबंधन ने एक अल्टीमेटम जारी किया, जिसमें पायलटों को नए वेतन ढांचे को स्वीकार करने या फिर विलय के बाद एयर इंडिया के साथ काम करने का मौका और इसके लिए मिलने वाली एकमुश्त भुगतान छोड़ने की बात कही गई। इस अल्टीमेटम के बाद हालात और बिगड़ गए और ज्यादातर पायलट बीमारी की बात कहकर छुट्टी पर जाने लगे।

चालू माह में कारों पर शानदार डिस्काउंट दे रही होंडा

होंडा सिटी को खरीदने पर 1.14 लाख रुपए का फायदा

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां) ।

चालू माह में होंडा की कारें खरीदने पर ग्राहकों को भारी डिस्काउंट का लाभ मिल सकता है। होंडा अपनी कारों पर शानदार डिस्काउंट दे रही है। इनमें होंडा सिटी, होंडा अमेझ और होंडा इलेवेट शामिल है। होंडा सिटी को खरीदने पर 1.14 लाख रुपये से ज्यादा का फायदा लिया जा सकता है।

इसके झेडएक्स वेरिएंट पर 25 हजार रुपये का कैश डिस्काउंट, अन्य वेरिएंट्स पर 20 हजार रुपये का डिस्काउंट, कॉर्पोरेट डिस्काउंट के तौर पर आठ हजार रुपये, कस्टमर लॉयल्टी बोनस के तौर पर चार हजार रुपये, कार एक्सचेंज बोनस के तौर पर 20 हजार रुपये, झेडएक्स वेरिएंट एक्सचेंज करने पर 25 हजार रुपये, स्पेशल कॉर्पोरेट डिस्काउंट पर 20 हजार रुपये का फायदा मिल रहा है। इस कार के एलीगेंट एडिशन पर स्पेशल एडिशन डिस्काउंट के तौर पर 36500 रुपये का अतिरिक्त ऑफर दिया जा रहा है। इसके ई एचईवी वेरिएंट पर कैश डिस्काउंट के तौर पर 65 हजार रुपये तक की बचत की जा सकती है।

होंडा अमेझ पर मई में अधिकतम 96 हजार रुपये का डिस्काउंट दिया जा रहा है, जिसमें 20 हजार रुपये का कैश डिस्काउंट, ई वेरिएंट पर 10 हजार रुपये का डिस्काउंट, 20 हजार रुपये का स्पेशल कॉर्पोरेट डिस्काउंट, 6 हजार का कॉर्पोरेट डिस्काउंट, कस्टमर लॉयल्टी बोनस पर चार हजार रुपये, कार एक्सचेंज बोनस के तौर पर 10 हजार रुपये, होंडा कार एक्सचेंज करने पर छह हजार रुपये, एलीट एडिशन पर स्पेशल एडिशन बेनिफिट के तौर पर 30 हजार रुपये का लाभी उठाया जा सकता है। होंडा इलेवेट साल 2023 में लॉन्च की गई थी। इस कार को भारतीय लोगों द्वारा खूब पसंद किया गया। मई महीने पर ग्राहक इसे खरीदने पर अधिकतम 55 हजार रुपये का डिस्काउंट ऑफर दिया जा रहा है। रहा है।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं, सोना 71,200 और चांदी 82,950 के पास

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां) ।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। दोनों के वायदा भाव बढ़त के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,200 रुपये के करीब जबकि चांदी के वायदा भाव 82,950 रुपये के करीब रहे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों में कमी आई। इस दौरान मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 15 रुपये की तेजी के साथ 71,163 रुपये के भाव पर खुला। वहीं एक समय यह अनुबंध 26 रुपये की तेजी के साथ ही 71,174 रुपये के भाव पर बना हुआ था। इसके बाद ये 71,189 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,163 रुपये के भाव पर निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव पिछले माह 73,958 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे।

इसके अलावा चांदी के वायदा भाव की आज सपाट शुरूआत हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध 82,878 रुपये पर खुला। एक समय यह अनुबंध 72 रुपये की तेजी के साथ ही 82,950 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय ये 82,989 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 82,870 रुपये के भाव पर निचले स्तर पर पहुंचा। गत माह चांदी का वायदा भाव 86,126 रुपये किलो के उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। कामेक्स पर सोना 2,323 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका गत दिवस बंद भाव 2,324.20 डॉलर था। वहीं इसी प्रकार चांदी के वायदा भाव 27.47 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 27.54 डॉलर था।

विरासत कर की बात करने वाले भारत के मित्र नहीं पित्रोदा-राहुल के बयानों पर अर्थशास्त्री का पलटवार

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां) ।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस में सैम पित्रोदा के उत्तराधिकार कर (इनहेरिटेंस टैक्स) संबंधी टिप्पणी पर अर्थशास्त्री गौतम सेन ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, पहली बात तो यह कि अमेरिका में इनहेरिटेंस टैक्स नहीं लगाया जाता है। उनके पास विरासत कर नहीं है, उसे एस्टेट ड्यूटी और गिफ्ट टैक्स कहा जाता है। अमेरिका में, यह 2022 तक यह मृतकों में से 0.14 प्रतिशत द्वारा इसका भुगतान किया गया। 2.5 मिलियन लोगों में से केवल 0.14 प्रतिशत यानी पूरे अमेरिका में 4000 लोग ही एस्टेट ड्यूटी के अधीन हैं। अधिकांश सम्पदाओं को इससे छूट मिली हुई है, क्योंकि छूट की सीमा बहुत अधिक यानी 13.6 मिलियन डॉलर है। दूसरी ओर अमीरों का पैसा वास्तव ट्रस्टों के पास है। इसलिए, अमेरिका का उदाहरण भारत के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है।

सभी घरों और व्यवसायों का सर्वेक्षण करने का प्रस्ताव कई कारणों से अव्यावहारिक है। भारत में, 2.4 प्रतिशत या उससे थोड़ा कम लोग आयकर का

भुगतान करते हैं। उस समूह में, मुझे लगता है कि उस में से अत्यधिक संपत्ति वाले लोगों की संख्या 12 करोड़ लोगों से अधिक नहीं है। उन्हें विरासत कर के दायरे में लाने के लिए मजबूर करने पर, आपको उनके व्यवसायों को बंद करना होगा। इसका मतलब है कि आने वाले वर्षों में आर्थिक अराजकता फैलेगी। जिसने भी इस विचार के बारे में सोचा था, वह बहुत वास्तविक रूप से नहीं सोच रहा था। अब हमारे पास जो कुछ भी है उसमें पहले की तुलना में एक एक बहुत बड़ा सुधार हुआ है।

हमारे पास एक अविश्वसनीय संयोजन है जो लगभग कभी हासिल नहीं किया गया था। यह निवेश के माध्यम से धन सृजन और पुनर्वितरण के साथ बुनियादी ढांचे का संयोजन है। यहां तक कि अगर कुछ हासिल भी करते हैं तो यह एक बहुत समझदार विचार नहीं होगा। यह आपको अपने बच्चों और पोते-पोतियों से दूर ले जाएगा। ऐसे में जो कोई ऐसा करना चाहता है, वह भारत का मित्र नहीं है। भारत की राजनीतिक और आर्थिक अराजकता तुरंत चीन-पाकिस्तान जैसे देशों को आक्रमण करने के लिए उकसाएगी, क्योंकि वे भारत के साथ हिसाब बराबर करने और भारतीय क्षेत्र को जब्त करने के अवसरों का इंतजार कर रहे हैं। इसलिए जो भी ऐसा करना चाहता है, वह भारत का दोस्त नहीं है। जैसा कि मैंने कहा, केवल लगभग 12 करोड़ लोगों के पास 102 करोड़ से अधिक की संपत्ति है। लेकिन इनमें से लगभग सभी ने अपने व्यवसायों में निवेश किया है। इसलिए, आपको उनकी संपत्ति छीनने के लिए उनके व्यवसायों को समाप्त करना होगा।

ओपन हुए 2 आईपीओ : टीबीओ टेक और आधार हाउसिंग फाइनेंस में 10 मई तक कर सकेंगे निवेश

मुंबई, 08 मई (एजेंसियां) ।

2 इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ टीबीओ टेक लिमिटेड और आधार हाउसिंग फाइनेंस ओपन हो गए हैं। इसमें 10 मई तक निवेश का मौका है।

टीबीओ टेक लिमिटेड

टीबीओ टेक लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 1,550.81 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 400 करोड़ के 4,347,826 फ्रेश शेयर इश्यू करेगी। जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक 1,550.81 करोड़ के 16,856,623 शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे।

रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 8 मई से 10 मई तक बोली लगा सकेंगे। 15 मई को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

मैक्सिमम 208 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक

टीबीओ टेक लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 875-920 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 16 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज

बैंड 920 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,720 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 208 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 191,360 इन्वेस्ट करने होंगे।

ग्रे मार्केट में टीबीओ टेक लिमिटेड का प्रीमियम 56.52 प्रतिशत

आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 56.52 प्रतिशत यानी 520 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 920 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 1440 पर हो सकती है। हालांकि, यह केवल अनुमान होता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से काफी अलग होती है।

आधार हाउसिंग फाइनेंस

आधार हाउसिंग फाइनेंस इस आईपीओ के जरिए 3,000 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 1,000 करोड़ के 31,746,032 फ्रेश शेयर इश्यू करेगी। जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक 2,000 करोड़ के 63,492,063 शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे।

रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 8 मई से 10 मई तक बोली लगा सकेंगे। 15 मई को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

मैक्सिमम 611 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक

आधार हाउसिंग फाइनेंस ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 300-315 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 47 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 315 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,805 इन्वेस्ट करने होंगे।

वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 611 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,465 इन्वेस्ट करने होंगे।

ग्रे मार्केट में आधार हाउसिंग फाइनेंस का प्रीमियम 19.68 प्रतिशत

आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 19.68 प्रतिशत यानी 62 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 315 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 377 पर हो सकती है। हालांकि यह केवल अनुमान होता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से काफी अलग होती है।

कम आय वाले लोगों को हाउसिंग लोन देती है कंपनी

आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 2010 में बनी थी। कंपनी कम आय वाले लोगों को हाउसिंग लोन देती है। कंपनी मुख्य रूप से देश के टियर 4 और टियर 5 शहरों में ग्राहकों को सर्विस देती है।

विश्व कप क्वालिफायर के संभावितों की सूची में फुटबालर झींगन बाहर

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां) । भारतीय सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्वकप 2026 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालिफिकेशन के दूसरे दौर के मुकाबलों के लिए 15 संभावित खिलाड़ियों की दूसरी सूची जारी की जिसमें चोटिल डिफेंडर संदेश झींगन का नाम नहीं है। झींगन को जनवरी में सीरिया के खिलाफ भारत के एशियाई कप ग्रुप मैच के दौरान दाहिने घुटने में चोट लगी थी। पहली सूची में शामिल 26 खिलाड़ी भुवनेश्वर में 10 मई से अभ्यास शुरू करेंगे। दूसरी सूची में शामिल 15 खिलाड़ियों में मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान एसजी के खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने आईएसएल कप फाइनल खेला। वे 15 मई को शिविर से जुड़ेंगे।

कुल 41 खिलाड़ी राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे। भारत का सामना छह जून को कोलकाता में कुवैत से और 11 जून को कतर में मेजबान टीम से होगा।

भारत ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें तीसरे दौर में पहुंचेंगी और एएफसी एशियाई कप का टिकट कटाएंगी।

संभावित खिलाड़ी :

गोलकीपर : पी तेमपा लाचेंपा, विशाल कैथ

रक्षक पंक्ति : आकाश मिश्रा , अनवर अली, मेहताब सिंह, राहुल भेके, शुभाशीष बोस

मध्यपंक्ति : अनिरूद्ध थापा, दीपक टंगड़ी, लालेंगमाविया राल्टे, लालियांजुआला छांगटे, लिस्टन कोलासो, सहल अब्दुल समद ।

अग्रिम पंक्ति : डेविड लालह्लानसंगा, जितिन मदाथिल सुब्रान, लालरिनजुआला, पार्थिब सुंदर गोगोई, रहीम अली, सुनील छेत्री।

न्यूज ब्रीफ

व्हीलचेयर टेनिस चैम्पियनशिप के माध्यम से एथलीटों को सशक्त बनाने के लिए फर्स्ट सर्व और एआईटीए आए साथ

नई दिल्ली। रेयान पुंज द्वारा स्थापित एनजीओ फर्स्ट सर्व ने हाल ही में यहां डीएलटीए स्टेडियम में एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे संस्करण का आयोजन किया, जो भारत में टेनिस के खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम है। रेयान पुंज के नेतृत्व में फर्स्ट सर्व ने दिव्यांग लोगों के लिए खेलों का आयोजन और इसकी बढ़ोतरी के लिए हमेशा आवाज उठाई है। हर बाधाओं को दूर करने और एथलीटों के लिए अवसर पैदा करने का संगठन का मिशन पूरे देश में गूंज रहा है, इसलिए एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप भारतीय टेनिस परिदृश्य में एक प्रमुख आयोजन के रूप में उभर रही है। चैंपियनशिप में 3.5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया, जो पूरे भारत के शीर्ष क्रम के व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ियों को आकर्षित करता है। कार्तिक के और शिल्पा केपी जैसे प्रसिद्ध एथलीटों ने इसमें भाग लिया और राष्ट्रीय गौरव के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप का उद्घाटन राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने किया। दूरदर्शन-डीडी स्पोर्ट्स ने चैंपियनशिप फाइनल का लाइव कवरेज किया, जिसमें देश भर के दर्शकों को कौशल का प्रदर्शन देखने का मौका मिला। इस मौके पर रेयान पुंज ने कहा, मैं खेलों में पहुंच और सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के लिए एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप के साथ सहयोग कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। टेनिस के माध्यम से, हमारा लक्ष्य नई पीढ़ी को प्रेरित करना है जो अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाएंगे। यह पहल सामाजिक प्रभाव और युवा सशक्तिकरण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता जताता है। इस चैम्पियनशिप के माध्यम से एआईटीए व्हीलचेयर टेनिस चैंपियनशिप और फर्स्ट सर्व एनजीओ का लक्ष्य नई पीढ़ी को प्रेरित करना है जो अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाएंगे।

आईपीएल में चार टीमों के बराबर अंकों पर पहुंचने से प्लेऑफ की रेस हुई कठिन

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की राजस्थान रॉयल्स पर जीत के साथ ही चार टीमें के समान अंक हो गये हैं। इसके बाद भी चार टीमों का बाहर होना तय है जबकि शीर्ष दो टीमों का प्लेऑफ में पहुंचना पक्का है। अंक तालिका को देखें तो अब तक एक भी टीम क्वालीफाई नहीं कर पायी है। अभी अंक तालिका में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की टीम 16 अंकों पर कायम है और इतने ही अंक लेकर दूसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है। ऐसे में इन दोनों का प्लेऑफ में पहुंचना तय है। इसके अलावा दो टीमें कौन सी होगी इसको लेकर कुछ भी अभी तय नहीं है। शीर्ष की दो टीम को छोड़ दें तो इसके बाद की चार टीमों के एक समान अंक हैं।

टी20 विश्व कप के लिए पापुआ न्यू गिनी की टीम का ऐलान

पोर्ट मोरेस्बी। असद वाला 1 जून से वेस्टइंडीज और यूएसए में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में पापुआ न्यू गिनी की 15 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। जबकि लेग स्पिनिंग ऑलराउंडर सीजे अमिनी उप-कप्तान होंगे। यह आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में पापुआ न्यू गिनी की दूसरी उपस्थिति होगी। असद वाला 2021 अभियान के 10 खिलाड़ियों में से एक हैं, वहीं 2021 रिजर्व खिलाड़ी जैक गार्डनर को इस बार 15-खिलाड़ियों के समूह में चुना गया है। कप्तान असद वाला ने कहा, टीम के भीतर ऊर्जा भी बहुत अच्छी है! पिछले टी20 विश्व कप में गए कुछ लड़कों के लिए, बहुत सारे प्रशिक्षण के साथ अब यह एक अलग एहसास है क्योंकि पिछली बार कोविड के कारण तैयारी उतनी अधिक नहीं थी। मैं इस आयोजन का इंतजार कर रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि हम अच्छा प्रदर्शन करने जा रहे हैं। पापुआ न्यू गिनी अपने अभियान की शुरुआत 2 जून को मेजबान वेस्टइंडीज के साथ एक कठिन मुकाबले के साथ करेगी, जिसके बाद 5 जून को युगांडा से भिड़ेगी। ग्रुप-स्टेज कार्रवाई को पूरा करने के लिए न्यूजीलैंड से भिड़ने से पहले वे 13 जून को अफगानिस्तान का सामना करेंगे। पापुआ न्यू गिनी टीमः असद वाला (कप्तान), सीजे अमिनी (उप-कप्तान), एली नाओ, चाड सोपर, हिला वेरे, हिरी हिरी, जैक गार्डनर, जॉन कारिको, काबुआ वागी मोरिया, किपलिंग डोरिगा, लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, सेमा कामिया, सेसे बाउ, टोनी उरा ।

ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा के तूफान में उड़ा लखनऊ

सनराइजर्स ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर रचा इतिहास

हैदराबाद, 08 मई (एजेंसियां) । ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की तूफानी बैटिंग से सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने घर में लखनऊ सुपरजाइंट्स को 10 विकेट से हरा दिया। आईपीएल के इस सीजन में सनराइजर्स पहली टीम बनी है जिसने बिना कोई विकेट गंवाए मैच जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। मैच में लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले बैटिंग करते हुए लखनऊ की टीम जैसे-तैसे 165 रन के स्कोर तक पहुंच पाई थी। इसके जवाब में सनराइजर्स ने बिना कोई विकेट गंवाए 9.4 ओवर में मैच को अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही अब सनराइजर्स के 14 अंक हो गए हैं और वह पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स के लिए ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा ने पहले ही ओवर से लखनऊ के गेंदबाजों की खबर लेनी शुरू कर दी। इस दौरान ट्रेविस हेड ने सिर्फ 16 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की। ट्रेविस हेड 30 गेंद में 89 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी इस पारी में उन्होंने 8 छक्के और इतने ही चौके लगाए।

सिर्फ ट्रेविस हेड ही नहीं, अभिषेक शर्मा ने भी अपनी तूफानी बैटिंग से कोहराम मचा दिया। अभिषेक शर्मा 28 गेंद में 75 रनों की धुआंधार पारी खेली। अभिषेक ने इस सीजन का अपना दूसरा अर्धशतक भी पूरा किया। अपनी इस नाबाद पारी में उन्होंने 6 छक्के और 8 चौके लगाए। अभिषेक और ट्रेविस हेड की विस्फोटक बल्लेबाजी से सनराइजर्स की टीम ने पहली बार आईपीएल में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रही।

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में केएल राहुल का टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला उल्टा पड़ गया। लखनऊ की टीम बैटिंग में बुरी तरह से संघर्ष करती हुई दिखी। टीम ने 12वें ओवर तक सिर्फ 64 रन बना पाई थी और सनराइजर्स के गेंदबाजों ने चार विकेट झटक लिए थे।

हालांकि, मध्यक्रम में आयुष बडोनी और निकोलस पूरन ने सधी हुई बल्लेबाजी करते हुए जैसे-तैसे टीम के स्कोर पर 165 रन तक पहुंचाने में सफल रहे। आयुष बडोनी लखनऊ के लिए 30 गेंद में 55 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि पूरन ने 48 रन बनाए थे।

धोनी के निचले क्रम पर उतरने का कारण सामने आया

मुम्बई, 08 मई (एजेंसियां) । आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के बल्लेबाजी के दौरान निचले क्रम पर आने की कई लोगों ने आलोचना की है पर अब उनके ऐसा करने का कारण सामने आया है। धोनी पैर की मांसपेशियों में दर्द से परेशान है और उन्हें दर्द निवारक दवाओं को लेकर उतरना पड़ा रहा है। इसके बाद भी उनके खेलने का कारण ये है कि बैकअप विकेटकीपर डेवोन कॉनवे चोटिल है। कॉनवे के अलावा भी टीम के कई और खिलाड़ी भी चोटिल होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में धोनी के सामने खेलने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। मांसपेशियों में दर्द के कारण उनकी दौड़ने की क्षमता भी कम हुई है। इसी कारण वह निचले क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरे रहे हैं। उनका प्रयास बड़े शॉट लगाना है जिससे कम से कम दौड़ना पड़े। इसी लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में भी नौवें नंबर पर उतरे थे। धोनी की जगह तब मैदान पर शार्दुल ठाकुर मैदान पर उतरे। धोनी के इस फैसले के बाद कई पूर्व क्रिकेटरों ने उनकी आलोचना की थी।

वहीं सीएसके प्रबंधन के अनुसार उन्हें आराम की सलाह दी गयी है पर टीम हित में वह खेल रहे हैं। ऐसे में उनकी आलोचना करने वालों को ये बात समझनी चाहिये। इसी कारण वह बल्लेबाजी के दौरान विकेट के बीच दौड़ने से ज्यादा अपनी पावर हीटिंग स्किल्स को आजमा रहे हैं। चोटिल होने के कारण ही वह अभ्यास सत्र में भी नहीं दौड़ रहे। टीम में उनके रहने से नये कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को भी मार्गदर्शन मिल रहा है। ऐसे में उन्हे जबरदस्ती आराम भी नहीं दिया जा सकता।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पूरब के भारतीय...

सैम पित्रोदा के बयान पर पूरे देश में आक्रोश और आशंका का माहौल बना। लेकिन कांग्रेस ने इसे लेकर अपनी सफाई पेश नहीं की। हां, भारत के लोगों के विदेशियों से मिलने की बात पर कांग्रेस ने फौरन अपना पल्ला झाड़ लिया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पित्रोदा के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य बताया।जयराम रमेश ने कहा, सैम पित्रोदा ने भारत की विविधता को बताने के लिए जिन उपमाओं का इस्तेमाल किया है, वे दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन उपमाओं से पूरी तरह असहमत है और इनसे किनारा करती है।शिवसेना यूबीटी नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने पित्रोदा के बयान पर कहा, मैं उनके बयान से सहमत नहीं हूं, लेकिन क्या वे घोषणापत्र समिति के सदस्य हैं? क्या कांग्रेस के स्टार प्रचारक हैं? क्या वे देश में रहते हैं? वे विदेश में रहते हैं। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके मुद्दे को देश का मुद्दा बनाया जा रहा है। एक तरफ देश के मुद्दे हैं और दूसरी तरफ सैम पित्रोदा ने अमेरिका में क्या कहा। हम इसमें कुछ नहीं कर सकते और न ही ये कोई मुद्दा है और न ही ये देश पित्रोदा के बयान पर प्रतिक्रिया देना चाहता है। डीएमके नेता टीकेएस एलानगोवन ने पित्रोदा के बयान पर कहा कि हम सब साथ है। यहां कई धर्म, संस्कृति, भाषाएं हैं, लेकिन हमने कभी भारत के लोगों में भेद नहीं किया। यह हमारा बयान नहीं है। हम भाषा और संस्कृति की समानता की बात करते हैं और यह मानते हैं कि भारत के हर राज्य में रहने वाले लोग समान हैं। हो सकता है कि वे (पित्रोदा) अपनी बात को सही तरीके से समझा नहीं पाए। आपा नेता संजय सिंह ने कहा कि सैम पित्रोदा के बयान का विपक्षी गठबंधन का कोई नेता समर्थन नहीं करता है।कांग्रेस प्रवक्ता तहसीन पूनावाला ने भी पित्रोदा के बयान पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को यह तय करना पड़ेगा कि क्या सैम पित्रोदा को उनके लिए बोलना चाहिए या नहीं। हर बार वे जब भी बयान देते हैं तो विवाद हो जाता है। अब दक्षिण भारतीयों को अफ्रीकी या पूरब के लोगों को चाइनीज कहने की क्या जरूरत थी? यह नस्लभेदी बयान है। कांग्रेस पार्टी के नेता जो जमीन पर लड़ रहे हैं, उन्हें इससे नुकसान होगा। इससे लोग नाराज होंगे, ऐसे में मीडिया पर गुस्सा निकालने से कोई फायदा नहीं है। पार्टी को उन्हें बयान देने से रोकना चाहिए, खासकर चुनाव के वक्त न बोलें। मुझे लगता है कि कांग्रेस ऐसा कर सकती है।

भारतीयों की...

ऐसे में क्या देश की कमान गलत हाथों में दी जा सकती है? इसलिए देश कह रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम ने कहा, कांग्रेस झूठ की कितनी बड़ी मास्टर है, यह तेलंगाना से बेहतर कौन जानेगा। कांग्रेस ने अपनी सबसे बड़ी नेता के जन्मदिन से पहले किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया था। इन्होंने झूठ बोला या नहीं? अब ये लोग 15 अगस्त तक अपने वादे टाल रहे हैं ताकि लोकसभा का चुनाव खत्म हो जाए फिर वे अपने हाथ ऊपर कर दें। क्या यह आपसे धोखा नहीं है? ये लोग सनातन को गाली देने वाले लोग हैं। पीएम मोदी ने कहा, बीआरएस की सच्चाई भी एससी, एसटी, ओबीसी समाज को धोखा देने की है। बीआरएस ने 2014 में आपसे वादा किया था कि वो सरकार में आई तो दलित मुख्यमंत्री बनाएंगी। बीआरएस ने दलित बंधु योजना के नाम पर भी आपका भरोसा तोड़ा। यही बीआरएस है जिसने तुष्टिकरण की राजनीति को आगे बढ़ाते हुए मुस्लिम आईटी पार्क बनाने की बात कही थी।

काली-गोरी...

भाजपा आंध्र प्रदेश में टीडीपी और जनसेना के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। पार्टी को लोकसभा में छह सीटें और विधानसभा में 10 सीटें मिली हैं। इसमें तीन लोकसभा सीटों पर उसकी दावेदारी मजबूत बताई जा रही है। तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों में भाजपा इस बार अपने लिए ज्यादा संभावनाएं देख रही है। शुरुआती दौर में वह तेलंगाना में आठ से दस लोकसभा सीटों पर अपनी जीत तय मानकर चल रही थी।पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की मजबूत जीत से राज्य के राजनीतिक समीकरणों में बड़ा फेरबदल हुआ है और अब राज्य में भाजपा-कांग्रेस के बीच कांटे की लड़ाई मानी जा रही है। जबकि बीआरएस भी अपनी वापसी के लिए खूब हाथ-पांव मार रही है। मुस्लिम और आदिवासी समुदाय की बहुलता वाली आबादी के बीच मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे उठाने से भाजपा को लाभ मिल सकता है। जबकि आंध्र प्रदेश में ही टीडीपी ने मुसलमानों के लिए चार फीसदी आरक्षण का वादा कर अपने ही गठबंधन के सहयोगी भाजपा के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। एक ही गठबंधन के बीच परस्पर विरोधी मुद्दों पर चुनाव लड़ने से भ्रम पैदा हो सकता है जिसका गठबंधन के दोनों ही दलों को नुकसान हो सकता है। आंध्र प्रदेश भाजपा नेता एसके अहमद ने से कहा कि दक्षिण भारत के लोगों के बीच नस्लीय विवाद कभी नहीं रहा है। लेकिन द्रविड़ियन राजनीति के प्रभाव के कारण दक्षिण भारत के लोगों के बीच हिंदी भाषा और काली रंग के त्वचा पर आम जनता की भावनाएं संवेदनशील हो गई हैं। उन्होंने कहा कि सैम पित्रोदा का बयान दक्षिण भारतीय लोगों को त्वचा के रंग के आधार पर देश के दूसरे लोगों से अलग करके दिखाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत के लोग इसे कतई स्वीकार नहीं करेंगे। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आजादी के काल में ही धर्म के आधार पर देश को बांट दिया। आज जातिगत आधार पर आरक्षण की बात करके राहुल गांधी हिंदू समुदाय को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सैम पित्रोदा ने बयान दिया है, उससे यह साफ हो जाता है कि अब वह लोगों को त्वचा के रंग के आधार पर भी अलग-अलग पहचान देने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह देश की एकता के लिए खतरनाक हो सकता है।

अंबानी-अडाणी से...

जरा ये शहजादे घोषित करें कि इस चुनाव में अंबानी अडाणी से कितना माल उठाया है? काले धन के कितने बोरे भर के रुपए मारे हैं? क्या टेम्पो भर के नोट कांग्रेस के लिए पहुंचे हैं? क्या सौदा हुआ है कि आपने रातों-रात अंबानी अडाणी को गाली देना बंद कर दिया? जरूर दाल में कुछ काला है।मोदी सरकार पर हमला करने के लिए कांग्रेस, प्रधानमंत्री मोदी पर व्यवसायी गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी सहित देश के शीर्ष पांच उद्योगपतियों का पक्ष लेने का आरोप लगाती रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गठबंधन का मजाक उड़ाते हुए कहा, तीसरे चरण के चुनाव के बाद कांग्रेस और इंडी गठबंधन का तीसरा फ्यूज उड़ गया है।प्रधानमंत्री ने कहा, बीआरएस और कांग्रेस ने भ्रष्टाचार पर एक-दूसरे की खुलकर आलोचना की है, लेकिन दोनों दलों के बीच भ्रष्टाचार एक सामान्य कारक है। मोदी ने कटाक्ष किया कि कांग्रेस ने पांच साल तक अडाणी और अंबानीफके नाम का जाप किया और लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद यह बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को देश को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में डबल आर (आरआर) टैक्स को लेकर दिल्ली तक खूब चर्चा हो रही है।

ये राम मंदिर...

यह कह रहे हैं कि मोदी को 400 सीटें दोगे तो आरक्षण चला जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के अंदर कांग्रेस को बहुमत मिला। वहां पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को काटकर मुसलमानों को पांच प्रतिशत आरक्षण दे दिया। पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को काटने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया। गृहमंत्री ने संविधान विरोधी मुस्लिम आरक्षण को समाप्त करने की बात कही।गृहमंत्री ने कहा कि राहुल बाबा कहते हैं एक झटके में गरीबी मिटा देंगे। आपकी दादी ने एक झटके में आपातकाल लगाया। पिताजी ने एक झटके में तीन तलाक ला दिया। आपकी पार्टी ने झटके में पिछड़े वर्ग का आरक्षण छीनने का काम किया। गृहमंत्री ने अपने संबोधन में सीएए का जिक्र कर कांग्रेस पर निशाना साधा। कहा कि राहुल बाबा कहते हैं कि हम सीएए हटा देंगे। अरे राहुल बाबा, आपकी नानी भी ऊपर से आ जाएं तो सीएए नहीं हटेगा। विपक्षी गठबंधन पर कहा कि इनके पास तो प्रधानमंत्री पद का प्रत्याशी ही नहीं है। इनके पास न नेता है, न नियत है और न नीति है। सिर्फ परिवारवाद है।अमित शाह ने कहा, तीसरे चरण का चुनाव हो गया है। मोदी 190 सीटें पार कर गए हैं। चौथे चरण में और मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं। सपा, कांग्रेस और बसपा का सूपड़ा साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। तीन करोड़ गरीब बहनों को लखपति बनाने का चुनाव है। चार लाख गरीबों को घर देना का चुनाव है। लोगों को समृद्धि बनाने का चुनाव है। शाह ने छोटी काशी, संकटा देवी मंदिर, देवकली मंदिर समेत अन्य मंदिरों को नमन किया। उन्होंने दिवंगत भाजपा कार्यकर्ता सर्वेश वर्मा को श्रद्धांजलि दी।

अग्निवीर बनने के ...

उनका कहना था कि रूस अच्छे पैकेज का लालच देकर नेपाली गोरखाओं को अपनी सेना में भर्ती कर रहा है। लेकिन वहां जाने पर उन्हें सीधे मोर्चे पर भेज दिया जाता है और वहां वे यूक्रेनी सेना की गोलियों को शिकार हो रहे हैं। उनका कहना था कि रूस ने उनकी तरफ से लड़ने वाले जवानों को 167,020 रुपए प्रतिमाह सैलरी के साथ-साथ रूस की नागरिकता और तमाम दूसरी सुविधाएं देने का ऐलान किया था। लेकिन अब उनके साथ वादाखिलाफी हो रही है।नेपाली गोरखाओं के परिजनों की मांग थी कि रूसी सेना में काम कर रहे नेपालियों की सुरक्षित वापसी हो, घायलों के लिए मुआवजे और उनका इलाज कराया जाए। यूक्रेनी सेना द्वारा पकड़े गए पांच नेपाली युद्धबंदियों की सुरक्षित वापसी कराई जाए, युद्ध में मारे गए नेपाली गोरखाओं के शवों को वापस मंगाया जाए और रूस सरकार ने जो वादे किए थे, वह उन्हें पूरा करे। जिसके बाद नेपाली प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्री नारायणकाजी श्रेष्ठा ने डिप्लोमेटिक चैनलों के माध्यम से इन चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। हालांकि नेपाल सरकार पहले भी ऐसा ही वादा कर चुकी है। नेपाली अधिकारियों ने माना है कि रूसी सेना में भर्ती नेपाली गोरखाओं के 200 से ज्यादा परिवार उनके संपर्क में हैं और अब तक 19 गोरखा मारे जा चुके हैं, जबकि पांच को बंदी बना लिया गया है।काठमांडू के कोटेश्वर इलाके में स्थित लॉयल गोरखा ट्रेनिंग सेंटर 2016 से नेपाली गोरखाओं को पुलिस और फौज में भर्ती की ट्रेनिंग दे रहा है। हर इस संस्थान से कई बच्चे सलेक्ट भी होते हैं। इस सेंटर के मैनेजर प्रदेश राय भी इस बात से चिंतित हैं कि नेपाल के गोरखा भर्ती के लिए रूस में भाड़े की फौज में क्यों जा रहे हैं। वहां कोई सिक्योरिटी नहीं है। झूटे वादे करके लोगों को बरगलाया जा रहा है। वह कहते हैं कि नेपाली गोरखाओं की तो जबरदस्त पूछ है। सिंगापुर पुलिस, ब्रिटिश आर्मी, दुबई पुलिस, फ्रांस आर्मी, जर्मनी सेना और यहां तक कि ब्रुनेई पुलिस में भी नेपाली गोरखाओं खूब मांग है। वह कहते हैं कि पहले गोरखा केवल भर्ती के लिए भारतीय सेना या ब्रिटिश आर्मी ही जाते थे, लेकिन भारत की अग्निपथ योजना की वजह से उन्हें अन्य रोजगार विकल्पों खोजने के लिए मजबूर होना पड़ा है। भर्ती शर्तों को लेकर नेपाल और भारत के बीच बातचीत में गतिरोध बना हुआ है। जिसके चलते रूसी सेना में भर्ती होना कई निराश गोरखाओं के लिए एक आकर्षक विकल्प के तौर पर सामने आया है।साल 1947 में आजादी के दौरान भारत में 10 गोरखा रेजीमेंट हुआ करती थीं। लेकिन गोरखा सोल्जर पैक्ट 1947 के तहत इनमें से छह भारतीय सेना का हिस्सा बनी रहीं, जबकि बाकी चार रेजिमेंट ब्रिटिश सेना का हिस्सा बन गईं। मौजूदा वक्त में भारतीय सेना में सात गोरखा रेजिमेंट हैं और उनकी 39 बटालियन हैं, जिनमें लगभग 32,000 गोरखा सैनिक हैं। इनमें लगभग 60 फीसदी सैनिक नेपाल से हैं और 40 फीसदी भारत के गोरखाली समुदाय से हैं। वहीं अग्निपथ स्कीम आने के बाद नेपाल और भारत सरकार के बीच मतभेद शुरू हो गए। नेपाल सरकार ने कह दिया कि वह गोरखा रेजीमेंट के लिए अग्निपथ योजना के तहत गोरखाओं को भर्ती के लिए नहीं भेजेगी, क्योंकि यह गोरखा सोल्जर पैक्ट 1947 का उल्लंघन है।

बेवकूफाना...

अगर वो व्यक्ति मर जाता है, तो उसमें से केवल 45 फीसदी सम्पत्ति ही उसके बच्चों को ट्रांसफर होगी। बाकी राज्य के पास चली जाएगी। इस बयान पर भाजपा ने कांग्रेस पार्टी को घेरा था। जब यह मामला तूल पकड़ने लगा तो सैम पित्रोदा ने सफाई दी कि उन्होंने टीवी पर सामान्य बातचीत में उदाहरण के तौर पर अमेरिकी विरासत टैक्स का उल्लेख किया था। मैंने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर लोगों को चर्चा और बहस करनी होगी। इसका कांग्रेस समेत किसी भी पार्टी की नीति से कोई लेना-देना नहीं है।लोकसभा चुनाव में पित्रोदा का बयान आने पर कांग्रेस पार्टी ने अपने राजनेताओं के लिए एक एडवाइजरी जारी की थी। इसमें नेताओं की जुबान पर लगाम कसने के लिए कई बातें कही गई थीं। किस नेता को कब और कौन सा बयान देना है, यह सब एडवाइजरी का हिस्सा था। अगर कोई नेता किसी मुद्दे पर अपनी राय रखना चाहता है तो उसे पहले पार्टी की मीडिया इकाई या किसी दूसरे वरिष्ठ नेता को बताना होगा। पित्रोदा के बयान के सियासी नुकसान को भांपते हुए कांग्रेस पार्टी ने कहा था कि तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के सलाहकार सैम पित्रोदा ने 1984 दंगों पर जो बयान दिया है, वह पार्टी का बयान नहीं है। उनके इस बयान को भुनाने में भाजपा ने कोई कसर नहीं छोड़ी। पीएम नरेंद्र मोदी ने दिल्ली की एक रैली में कहा, कांग्रेस पार्टी आजकल न्याय की बात करने लगी है। इस पार्टी को 1984 के दंगों का हिसाब देना होगा। कांग्रेस पार्टी नेता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने तब कहा था, अगर कोई भी व्यक्ति इस तरह का गलत और किसी समुदाय को दुख पहुंचाने वाला बयान देता है तो उसे पार्टी का बयान नहीं माना जाएगा। कांग्रेस पार्टी, पित्रोदा के बयान से इत्तेफाक नहीं रखती। भविष्य में इस तरह का कोई बयान पार्टी की ओर से न आए, इसके लिए एक एडवाइजरी जारी कर दी गई है।पित्रोदा के विरासत टैक्स वाले बयान पर खुद पीएम ने अपनी रैलियों में कहा, जनता का पैसा, घुसपैठियों को दिया जाएगा। जिनके अधिक बच्चे हैं, उनमें आप लोगों की सम्पत्ति बांटी जाएगी। कांग्रेस नेता, जयराम रमेश ने कहा था, सैम पित्रोदा मेरे सहित दुनिया भर में कई लोगों के गुरु, मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक रहे हैं। उन्होंने भारत के विकास में असंख्य, स्थायी योगदान दिया है। वह इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। सैम पित्रोदा उन मुद्दों पर खुलकर अपनी राय व्यक्त करते हैं, जिनके बारे में वे दृढ़ता से महसूस करते हैं। वे लोकतंत्र में अपने व्यक्तिगत विचारों पर चर्चा करने, व्यक्त करने और बहस करने के लिए स्वतंत्र है। इसका मतलब यह नहीं है कि सैम पित्रोदा के विचार, हमेशा ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थिति को दर्शाते हैं। भाजपा उनके बयान पर कोशिश कर रही है कि उसे सनसनीखेज कैसे बनाया जाए।कांग्रेस पार्टी की राजनीति पर करीब से नजर रखने वाले रशीद किदवई कहते हैं, चुनाव के दौरान इस तरह के बयान, पार्टी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। नेताओं को सोच समझकर बयान देना चाहिए। चुनाव में विरोधी दल, ऐसे बयानों की ताक में रहता है। आजकल मुद्दों की राजनीति करने का दौर नहीं है। सियासत में जो कोई बयान, जिस पार्टी को ठीक लगता है, वह उसे उठा लेता है। ऐसे में नेताओं को कोई बात या विचार रखते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

तीसरे चरण का मतदान

कहीं जाति का जोर तो कहीं सहानुभूति की लहर

लखनऊ, 08 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में कहीं जाति का जोर दिखा, तो कहीं सहानुभूति की लहर। दबदबे वाली सीटों पर भी ध्रुवीकरण हुआ। मतदाताओं ने प्रत्याशियों से ज्यादा राजनीतिक दलों के बड़े चेहरों को तवज्जो देते हुए मतदान किया। संभल में सांसद शफीकुर्रहमान बर्क की मृत्यु के बाद चुनाव में सहानुभूति लहर का असर दिखा और लोगों ने भीषण गर्मी की परवाह किए बिना मतदान किया। वहीं, बरेली में मुकाबला बेहद रोचक होता नजर आया। यहां बसपा प्रत्याशी के मैदान से बाहर होने की वजह से दलित वोट किंगमेकर बन गया। तीसरे चरण में चुनाव बहिष्कार के तमाम मामले सामने आए, तो वहीं दूसरी ओर मैनपुरी में कई जगहों पर झड़प की सूचना मिली है।

संभल में सपा प्रत्याशी जियाउर्रहमान बर्क और भाजपा के उम्मीदवार परमेश्वर लाल सैनी के बीच मुकाबला है। बसपा प्रत्याशी दम नहीं दिखा सके। संभल लोकसभा क्षेत्र की विधानसभा क्षेत्र संभल में सपा प्रत्याशी आगे रहे, तो असमोली विधानसभा क्षेत्र में सपा और भाजपा के बीच कड़ा मुकाबला हुआ है। चंदौसी क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी, सपा से काफी आगे नजर आए। जबकि कुंदरकी और बिलारी में दोनों के बीच टक्कर दिखी।

बरेली सीट पर सपा के प्रवीण सिंह ऐरन और भाजपा के छत्रपाल गंगवार के बीच सीधी टक्कर हुई। बसपा के मैदान में न होने से दलित मतों में बिखराव नजर आया। बरेली सीट पर ध्रुवीकरण की छाया रही। ग्रामीण क्षेत्र मतदान में आगे रहा, जबकि शहरी वोटर सुस्त नजर आए। भीषण गर्मी की वजह से शहरी इलाकों के मतदाता बाहर नहीं निकले। ऐसे में मुस्लिम और दलित मतदाता चुनाव नतीजों पर खासा असर डाल सकते हैं।

आंवला सीट पर भाजपा के धर्मेंद्र कश्यप और सपा के नीरज मौर्य में सीधी लड़ाई दिखी। वहीं, बसपा के आबिद अली अधिकांश जगह मैदान से बाहर नजर आए। इस सीट पर जातीय बिखराव के साथ ही मुस्लिम मतदाता अधिकांश जगह सीधे सपा को वोट करते नजर आए। ये परिणाम को प्रभावित कर सकता है।

बदायूं सीट पर भाजपा के दुर्विजय सिंह और सपा के आदित्य यादव में सीधी टक्कर है। अनुसूचित जाति बहुल बूथों पर बसपा के मुस्लिम खां खूब लड़े। मुस्लिम और दलित वोट बैंक में अगर बड़ा बिखराव नहीं हुआ तो नतीजे चौंकाने वाले हो सकते हैं। हाथरस में प्रत्याशियों से ज्यादा पार्टी नेतृत्व का चेहरा हावी नजर आया। सपा-बसपा के अपरिचित चेहरों के बीच भाजपा प्रत्याशी एवं प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री अनूप वाल्मीकि प्रभावी दिखे। सपा के जसवीर वाल्मीकि और बसपा के हेमबाबू धनगर पार्टी के परंपरागत वोट बैंक तक सीमित नजर आए। कम मतदान प्रतिशत भाजपा के लिए चिंता की बात है।

सबसे चर्चित मैनपुरी सीट पर सपा प्रत्याशी डिंपल यादव और भाजपा प्रत्याशी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के बीच लड़ाई है। बसपा प्रत्याशी शिव प्रसाद यादव ने भी वोट खींचे। जयवीर सिंह के प्रति ठाकुरों के झुकाव से अन्य जातियों में अंदरखाने उन्हें विरोध झेलना पड़ा। शाक्य वोट बैंक भी भाजपा के पाले में जाता नहीं दिखा। शाक्य वोट मिलने से सपा मजबूत स्थिति में आ सकती है।

आगरा में भाजपा प्रत्याशी एसपी सिंह बघेल, सपा गठबंधन के सुरेश चंद्र कर्दम और बसपा प्रत्याशी पूजा अमरोही के बीच त्रिकोणीय मुकाबला दिखा। आगरा उत्तर, दक्षिण, छावनी इलाके में भाजपा प्रत्याशी बढ़त लेते नजर आए। वहीं, एत्मादपुर व जलेसर में तीनों प्रत्याशियों के बीच वोटों का बंटवारा होता दिखा। मुस्लिम मतों का बिखराव इस बार ज्यादा नहीं हो सका। इसका फायदा सपा गठबंधन को मिलता नजर आ रहा है।

फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट पर मुकाबला बड़ा रोचक हो गया है। मतदाताओं की भाजपा प्रत्याशी राजकुमार चाहर से नाराजगी का असर दिखा। बची कसर भाजपा के बागी प्रत्याशी रामेश्वर सिंह ने पूरी कर दी। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर भी मतदान हुआ है। बसपा प्रत्याशी ने भी कई जगह दम दिखाया, मगर वह मुख्य मुकाबला इंडी गठबंधन के रामनाथ सिकरवार और भाजपा प्रत्याशी राजकुमार चाहर के बीच होता नजर आ रहा है।

एटा में लड़ाई कमल और साइकिल में ही दिखाई दी। पांचों विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं का रुझान देखकर यह स्पष्ट है कि बसपा प्रत्याशी मो. इरफान चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में सफल नहीं हो सके। फिरोजाबाद में भाजपा प्रत्याशी ठाकुर विश्वदीप सिंह व सपा प्रत्याशी अक्षय यादव के बीच लड़ाई है। बसपा प्रत्याशी चौधरी बशीर बड़ा उलटफेर करते नहीं दिखे। ठाकुर विश्वदीप सिंह को अपनी बिरादरी के वोट तो मिले, लेकिन लोधी राजपूत समाज ने उनका अंदरखाने विरोध भी किया।

काशी से निकले संदेश से होगा अबकी बार-400 पार

श्रीराम मंदिर व काशी विश्वनाथ धाम निर्माण के बाद पहली बार हो रहा लोकसभा चुनाव

वाराणसी, 08 मई (एजेंसियां)। कभी विकास के गुजरात मॉडल पर सवार नरेंद्र मोदी 2014 में वाराणसी आये तो काशी के विकास मॉडल को पूरे देश में नजीर बना दिया। इसी मॉडल के जरिए 2024 लोकसभा चुनाव में अबकी बार 400 पार का लक्ष्य प्राप्त करेंगे। यह सर्वविदित है कि काशी से निकला संदेश सिर्फ पूर्वांचल तक ही नहीं जाता बल्कि बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश होते हुए समूचे देश तक जाता है। इस बार का लोकसभा चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गया है कि काशी के सांसद नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरूप श्री काशी विश्वनाथ धाम का भव्य निर्माण हुआ और प्रधानमंत्री के रूप में उन्हें 500 वर्ष बाद अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का अवसर मिला। इन दोनों बड़े अवसरों के बाद लोकसभा चुनाव-2024 होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश से निकली आवाज के बलबूते भाजपा नित विकास कार्यों, लाभार्थियों और आस्था के सहारे 400 सीटों की रिकॉर्ड जीत के साथ हैट्रिक बनाने पर लगी है।

नरेंद्र मोदी 2014 में काशी की पिच पर बैटिंग करने आए तो सबसे पहले विकास की बाउंड्री पर नजर टिका दी। 2017 में दूसरे छोर पर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में उन्होंने सबसे कुशल पार्टनर योगी आदित्यनाथ को तैनात किया। फिर दोनों छोर से जबर्दस्त बैटिंग शुरू हुई। एक ने विकास समेत देश की सुरक्षा का कमान संभाला तो दूसरे ने उत्तर प्रदेश में कानून से खेलने वालों के छक्के छुड़ा दिए। धीरे-धीरे विपक्षी कैच आउट होते चले गए, जिससे उनकी टीम के हौसले भी पस्त हो गए। कुछ ही खिलाड़ी मैदान में बचे। नरेंद्र मोदी की 2019 में दूसरी पारी शुरू हुई तो 2022 में उत्तर प्रदेश की जनता ने फिर योगी को सेलेक्ट किया। इसके बाद दोनों धुरंधरों ने फिर बल्लेबाजी की। नरेंद्र मोदी ने 400 पार का मन बनाया तो योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए 80 को आधार बना लिया।

अब नरेंद्र मोदी तीसरी पारी खेलने के लिए तैयार हैं। इसमें सबसे मजबूत खिलाड़ी के रूप में उत्तर प्रदेश के कप्तान योगी आदित्यनाथ उनका बखूबी साथ निभा रहे हैं।

बाहुबली धनंजय की पत्नी का टिकट कटने पर भड़के अखिलेश

लखनऊ, 08 मई (एजेंसियां)। जौनपुर में बसपा के टिकट बदलने के बाद अखिलेश यादव का मायावती के फैसलों पर खुलकर हमला बोलना यूं ही नहीं है। यूपी की करीब 25 सीटों पर बसपा के प्रत्याशियों से सीधे विपक्षी गठबंधन के समीकरण प्रभावित होने का खतरा है।

जौनपुर में बसपा ने पहले पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी को टिकट दिया, लेकिन अचानक उनका टिकट काटकर वहां से अपने मौजूदा सांसद श्याम सिंह यादव को उतार दिया। जाहिर है कि श्रीकला के प्रत्याशी होने से भाजपा को नुकसान होता, क्योंकि क्षत्रिय समाज का वोट बंटने की संभावना थी।

श्याम सिंह यादव सपा के वोट बैंक में सेंध लगाएंगे। मुस्लिमों और यादव मतदाताओं के बीच श्याम सिंह यादव का अपना भी प्रभाव है। इसलिए इस एक सीट के बहाने सोमवार को अखिलेश यादव ने कन्नौज में बसपा पर सीधे हमला बोला। आम तौर पर वे बसपा या मायावती के बारे में सवाल पूछने पर उसे टाल जाते थे, लेकिन कन्नौज में अखिलेश ने कहा कि टिकट में बदलाव से साफ जाहिर है कि बसपा स्पष्ट तौर से भाजपा की मदद कर रही है। उन्होंने बहुजन समाज के लोगों से अपील भी की कि वे बसपा की इस साजिश को समझें। यहां बता दें कि अखिलेश यादव अपनी हर सभा में कह रहे हैं कि भाजपा आई तो बाबा भीम राव आंबेडकर के बनाए संविधान को बदलने का काम करेगी।

बसपा ने सबसे ज्यादा 23 मुस्लिम, तो चार यादव प्रत्याशी उतारे हैं। जौनपुर की तरह ही मैनपुरी में भी बसपा ने गुलशन देव शाक्य का टिकट काटकर शिव प्रसाद यादव को मैदान में उतारा है। मायावती ने कन्नौज में अखि-लेश यादव के सामने इमरान बिन जफर को चुनाव मैदान में उतारा है। सपा यह सीट पिछली बार भाजपा से हार चुकी है। इसी तरह बसपा ने आजमगढ़ में सपा के धर्मेंद्र यादव के सामने मशहूद आलम को टिकट दिया है। सलेमपुर में सपा ने पूर्व सांसद रमाशंकर राजभर पर दांव लगाया, तो बसपा ने भी यहां से भीम राजभर को मैदान में उतार दिया। इसी तरह बलिया में बसपा ने पूर्व सैनिक लल्लन सिंह यादव को उम्मीदवार बनाकर सपा के परंपरागत यादव मतदाताओं को अपने पाले में करने का दांव चला है।

कांग्रेस का घोषणा पत्र मुस्लिम लीग के नए वर्जन जैसा : सीएम योगी

एससी, एसटी, ओबीसी और भारत के सनातन आस्था के प्रति अन्याय है कांग्रेस का घोषणा पत्र

गोरखपुर, 08 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस द्वारा अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र कहा जाना अपने आप में हास्यास्पद है। वास्तव में यह अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जातियों के प्रति, भारत की सनातन आस्था के प्रति अन्याय पत्र है। कांग्रेस का घोषणा पत्र मुस्लिम लीग के नए वर्जन के जैसा है। देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल का घोषणा पत्र मुस्लिम लीग का प्रतिनिधित्व करता हो, इससे ज्यादा शर्मनाक दूसरा कुछ और नहीं हो सकता।

बुधवार को अकबरपुर, फर्रुखाबाद और शाहजहांपुर लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए निकलने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी द्वारा भाजपा पर नफरत की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाए जाने के सवाल पर सीएम योगी ने तल्ख अंदाज में कहा कि सफेद झूठ बोलने के बजाय कम से कम सोनिया गांधी को तो सच बोलने की आदत डालनी चाहिए। चुनाव के दौरान अब वे लोग देश की जनता की आंखों में धूल झोंककर सत्ता नहीं हथिया पाएंगे क्योंकि मोदी जी के नेतृत्व में पूरा देश एकजुट होकर एक भारत-श्रेष्ठ भारत के दर्शन के रहा है।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी जी की तरफ से भाजपा पर लगाया गया झूठा आरोप उल्टा चोर कोतवाल को डांटे को चरितार्थ करने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह हर व्यक्ति जानता है बांटों और राज करो की नीति कांग्रेस को विरासत में प्राप्त हुई है। अंग्रेजों की कुटिल चाल को 1947 में कांग्रेस ने सफल होने दिया और देश का बंटवारा किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद राजनीतिक स्वार्थ के कारण जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर देश के अंदर वर्ग संघर्ष को कांग्रेस ने बढ़ावा दिया।

आतंकवाद, नक्सलवाद और अलगाववाद, यह सब कांग्रेस की ही देन है। सीएम ने सवालिया अंदाज में कहा कि यूपीए चेयरपर्सन के रूप में सोनिया गांधी जी ने 2004 से लेकर 2014 के बीच में क्या किया, यह कौन नहीं जानता। उस समय क्या यह सच नहीं कि ओबीसी के आरक्षण पर सेंधमारी लगाने के लिए जस्टिस रंगनाथ मिश्रा की कमेटी इन्होंने गठित की थी। और कमेटी ने संस्तुति की थी कि ओबीसी के आरक्षण में से 6 प्रतिशत आरक्षण मुसलमानों को दे दिया जाए। भाजपा और एनडीए ने उसे समय विरोध किया था और कांग्रेस के मंसूबे पूरे नहीं हो पाए। यही नहीं, एससी-एसटी के अधिकारों पर भी कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने घुसपैठ करने का प्रयास किया था। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में मुसलमानों की कुछ जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने का प्रयास भी कांग्रेस सरकार के समय में हुआ था। पर, एनडीए और बीजेपी के विरोध से कांग्रेस के मंसूबे पूरे नहीं हो पाए।

सीएम योगी ने कहा कश्मीर में धारा 370 कांग्रेस ने लगाई थी। ओबीसी के आरक्षण में से कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में सेंध लगाने का कार्य कांग्रेस ने किया, यह ओबीसी के अधिकारों का पूरी तरह हनन है।

देश को जाति, भाषा, क्षेत्र के आधार पर बांटने की कुचेष्टा कांग्रेस ने की थी। अपने घोषणा पत्र में कांग्रेस ने जिस प्रकार की बातों का उल्लेख किया है, यह भारत की सनातन आस्था पर प्रहार तो है ही, समाज में वर्ग संघर्ष की स्थिति को पैदा करने वाला है। कांग्रेस की मंशा भारत की जनता कभी पूरा नहीं होने देगी क्योंकि विभाजनकारी राजनीति किसी के हित में नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर प्रहार जारी रखते हुए कहा कि आज कांग्रेस का घोषणा पत्र ही विभाजनकारी है। यह भारत को वर्ग संघर्ष की ओर ले जाने वाला है। अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के अधिकारों में सेंध लगाने वाला है। पर कांग्रेस के इन मंसूबों को देश की जनता पूरा नहीं होने देगी।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए पूरा देश मोदी जी के नेतृत्व में कार्य करने के लिए आज एकजुट दिखाई दे रहा है। विकसित भारत के लिए पूरे देश की जनता मोदी जी के नेतृत्व में संकल्पित होकर भाजपा और एनडीए को अपना समर्थन दे रही है। इन स्थितियों में अब कांग्रेस की दाल नहीं गलने वाली है।

अकबरपुर, फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर और ददरौल में योगी की सभा

सैफई परिवार अपनी तीनों सीटें हार रहा : योगी

रामद्रोहियों का पतन शाश्वत सत्य है

कानपुर, एटा, शाहजहांपुर, 08 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को चुनावी रण में फिर गरजे। उन्होंने अकबरपुर लोकसभा सीट से देवेंद्र सिंह भोले, फर्रुखाबाद से मुकेश राजपूत और शाहजहांपुर से अरुण सागर को फिर जिताने की अपील की। वहीं शाहजहांपुर की ददरौल विधानसभा में उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी अरविंद सिंह को जिताने का संकल्प दिलाया। एक तरफ जनसभाओं में उमड़ी भीड़ के प्रति सीएम ने आभार जताया तो सपा-कांग्रेस पर खूब बिफरे। उन्होंने जनता से कहा कि यह चुनाव रामभक्त और रामद्रोहियों के बीच है। जो रामभक्त हैं, वही राष्ट्रभक्त भी हैं। इन चुनाव में रामद्रोहियों को नकार दीजिए। सपा पर बरसते हुए सीएम योगी ने कहा कि 7 मई को हुए चुनाव में सैफई परिवार तीन सीटों पर हारेगा। 13 को कन्नौज और 25 को आजमगढ़ का नंबर भी आने वाला है।

पहली जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अकबरपुर का नाम ही ऐसा है कि बार बार बोलने में संकोच लगता है। ये सब बदल जाएगा। यह सनातन सत्य है कि रामद्रोहियों का हमेशा पतन हुआ है। 2024 का लोकसभा चुनाव इस शाश्वत सत्य की पुष्टि करने वाला है। रामद्रोही हमें जाति, क्षेत्र के नामपर लड़ाने का काम कर रहे हैं। आतंकियों का महिमामंडन और माफिया को गले का हार बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा विभाजन की राजनीति करने वाली रही है। इन्होंने देश का विभाजन किया। देश के अलग अलग भागों में आतंकवाद और अलगाववाद को पनपाने का काम किया। सीएम ने कहा कि सरकार सर्वे करा रही है कि इस क्षेत्र में गन्ने की गुंजाइश होगी तो यहां शुगर और इथनॉल कॉम्पलेक्स का विकास किया जाएगा। सपा सरकार में यहां तमंचे बनते थे, कानपुर डिफेंस कॉरीडोर में देश के लिए तोपें बनेंगी। यहां की तोप जब सीमा पर गरजेगी तो कानपुर और यूपी का नाम सबके जेहन में छा जाएगा। जब दुश्मन देश की सेना धराशाई होंगी तो उसके साथ कानपुर डिफेंस कॉरीडोर का नाम सबसे ऊपर उभर के आएगा। आज यहां बन रहा गोला बारूद पूरी दुनिया को जा रहा है।

सीएम ने एटा में फर्रुखाबाद लोकसभा सीट के प्रचार के दौरान कहा कि प्रो. रामगोपाल यादव को राम मंदिर कैसे अच्छा लगेगा। यह लोग आतंकियों को जेल से छुड़ाते हैं। 2004से 2007 के मध्य सपा सरकार के समय आतंकियों ने अयोध्या में राम जन्मभूमि, काशी में संकट मोचन मंदिर, लखनऊ, अयोध्या व वाराणसी की कचहरी और रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हमला किया था। 2012 में जब सपा सरकार आई तो तत्कालीन सीएम ने सबसे पहले आतंकवादियों के मुकदमों को वापस लेने का आदेश दिया था। उन्हें नौजवानों, बेटियों, व्यापारियों की नहीं, बल्कि आतंकवादियों की चिंता थी। सीएम ने कहा कि भारत में राम और राम मंदिर का विरोध करने वालों को वोट देने का पाप लगेगा। इन्हें वोट देने वाला इस लोक को भी खराब कर रहा है और परलोक भी खराब कर लेगा। सीएम ने कहा कि रामद्रोहियों के लिए हमने बुलडोजर का आविष्कार किया है।

आपदा प्रबंधन में मजबूत वर्कफोर्स तैयार करेगा उत्तर प्रदेश

लखनऊ, 08 मई (एजेंसियां)। प्रदेश में आपदा प्रबंधन के डाटा एनालिसिस को लेकर एक मजबूत वर्कफोर्स तैयार करने के लिए लखनऊ स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) में राहत आयुक्त कार्यालय के सहयोग से एमएससी इन डाटा साइंस विद स्पेशलाइजेशन इन क्लाइमेट डाटा एनालिटिक्स कोर्स की शुरुआत की गई है। मंगलवार को मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने इसका शुभारंभ किया। यह कोर्स ट्रिपल आईटी द्वारा संचालित किया जाएगा, जिसमें छात्रों को डाटा एनालिसिस के लिए डाटा राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा कैंपस में निर्मित कराए गए क्लाइमेट रेजिलिएंट ऑब्जर्वेटरी (सीआरओ) द्वारा प्रदान किया जाएगा। मालूम हो कि इस ऑब्जर्वेटरी के माध्यम से प्रदेश में क्लाइमेट से संबंधित जो भिन्न-भिन्न प्रकार के डाटा प्राप्त किए जा रहे हैं, उनकी एनालिसिस तथा उसके आधार पर पूर्वानुमानित प्रतिक्रिया आपदा प्रबंधन के लिए राज्य सरकार को मदद प्रदान करेगी।

ट्रिपल आईटी लखनऊ के प्रोफेसर दीपक कुमार ने बताया कि देश और दुनिया में बहुत कम लोग हैं जो क्लाइमेट डेटा को स्पेशिफिकली एनालिसिस करते हैं। इस कोर्स में छात्रों को सिखाया जाएगा कि क्लाइमेट डाटा पर कैसे काम करें और कैसे एआई और मशीन लर्निंग की मदद से प्रेडिक्शन करके लोगों को जागरूक करें। यह अपने तरीके का पहला कोर्स है, जिसमें छात्र रियल टाइम डाटा पर काम करेंगे। इसमें सीआरओ हमारे लिए मददगार होगा। वो हमें प्रदेश भर के क्लाइमेट से संबंधित डाटा को प्रदान करेगा, जिस पर छात्र काम करेंगे। साथ ही राहत आयुक्त कार्यालय छात्रों की स्कॉलरशिप और विभिन्न एजेंसियों को इंटर्नशिप में भी मदद करेगा। उन्होंने बताया कि डाटा मिलने के बाद इसको एनालिसिस करने के लिए हमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग लगानी पड़ेगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 09 मई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

झूठे वादे करने में माहिर हैं रेवंत, कांग्रेस कभी गरीबों का भला नहीं कर सकती : ईटेला

भारत राष्ट्र समिति को वोट डालना अपना वोट व्यर्थ करना है

भाजपा ही एससी-एसटी उपवर्गीय आरक्षण लागू कर सकती है : मंदा कृष्णा मडिगा

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मल्काजगिरि संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ईटेला राजेंद्र ने बुधवार अपने चुनाव प्रचार को धार देते हुए सुबह से देर शाम तक लोकसभा के विभिन्न क्षेत्रों का ताबतोड़ दौरा किया। भाजपा प्रत्याशी ने मेडचल, उप्पल, मल्काजगिरि मलकाजगिरी, एलबीनगर क्षेत्रों में बहुत ही जोशोखरोश के साथ चुनाव प्रचार किया। इस दौरान तुमकुन्टा में एक फंक्शन हॉल में ईटेला राजेंद्र ने एमआरपीएस प्रमुख मंदा कृष्णा मडिगा के सहयोग से एमआरप-ीएस समुदाय के लोगों की बैठक में भी शामिल हुए। बैठक में बोलते हुए एमआरपीएस प्रमुख मंदा कृष्णा मडिगा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही केवल एकमात्र ऐसी पार्टी है जो एमआरपीएस की भलाई के लिए एसटी उपवर्गीय आरक्षण लागू कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और और बीआरएस में इतना बूता नहीं है कि एसटी उपवर्गीय आरक्षण लागू कर सके। उन्होंने समुदाय के लोगों से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा और मल्काजगिरि संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी ईटेला राजेंद्र को भारी बहुमत से विजयी बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर बोलते हुए मल्काजगिरि से भाजपा प्रत्याशी ईटेला राजेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एससी-एसटी और ओबीसी को आरक्षण दिलाने में अहम् भूमिका निभाई है। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि कांग्रेस तो ओबीसी आरक्षण काटकर उसे मुस्लिमों में बांटने का कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से पीएम मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का आह्वान करते हुए आगामी 13 मई को कमल के फूल निशान पर अपनी मुहर लगाने की अपील की।

भाजपा प्रत्याशी ईटेला राजेंद्र ने बुधवार सुबह कोकूर गांव से अपने चुनाव प्रचार अभियान का श्रीगणेश किया। उन्होंने पोचारम विलेज में सद्भावना कॉलोनी में बैठक कर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनी और चुनाव के बाद उन्हें पूरा करने का आश्वासन दिया। बाद में उन्होंने अन्नोजिगुड़ा में विकलांगों की से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने विधानसभा चुनाव के दौरान विकलांगों को 6 हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन देने का वादा किया था जो अभी तक पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने झूठ बोलने में महारत हासिल कर राखी है। चुनाव प्रचार के दौरान ईटेला राजेंद्र ने एलबी नगर में एनजीओस कॉलोनी में कापू समुदाय की बैठक में भाग लिया। इसके बाद उन्होंने नेरडमेट क्रॉस रोड में महाभूति फंकशन हॉल में तमिल सम्मलेन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि इतने काम समय में बहुत ही अधिक लोगो का समर्थन मुझे मिला है। मैं बहुत ही किस्मत वाला हूं। उन्होंने कहा कि सभी जतियों और सभी धर्मो के लोगों ने तीसरी बार मोदी को पीएम बनाए का निर्णय लिया है। सभी लोग फिर एक बार मोदी सरकार ही चाह रहे हैं।

ईटेला राजेंद्र ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति को वोट देना अपने मताधिकार को बर्बाद करना है।

भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि अगर आप मुझे जिताते हैं तो मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र की सभी समस्याओं का समाधान करूंगा। ईटेला राजेंद्र ने कहा कि रेवंत रेड्डी सुबह से लेकर सोने तक और खाने से लेकर उठते-बैठते हर समय झूठ बोलते हैं। ईटेला राजेंद्र ने कहा कि अगर रेवंत रेड्डी में नैतिकता होती तो वह लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार के लिए आने से पहले विधानसभा चुनाव में जनता से किए गए अपने सभी वादों को पूरा करते। भाजपा प्रत्याशी ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी को अब खुद याद नहीं होगा कि उन्होंने विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से क्या वाडे किए थे और क्या गारंटियां दी थीं। ईटेला ने कहा कि गारंटी सिर्फ विधानसभा चुनाव जीतने के लिए दी गईं थी। अब वह फिर लोगों से झूठा वादा कर रहे हैं पर जनता कांग्रेस की वादा खिलाफी को अच्छी तरह से पहचान गई है। उन्होंने कहा कि मैंने जनप्रतिनिधि रहते हुए विकलांग, महिलाओं, आशा वर्कर, आरटीसी वर्कर्स, ग्राम पंचायत वर्कर्स से मुलाकात कर मैंने उनकी समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार ने 2 लाख 23 हजार आवास गरीबों के लिए केसीआर सरकार के दौरान मंजूर किए थे पर केसीआर ने उन आवासों को नहीं बनवाया। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार सभी गरीबों को मकान भाजपा देगी। ईटेला ने कहा कि रेवंत रेड्डी राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की बात कर रहे हैं जबकि वह अपने ही वादों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं।

ईटेला राजेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने रोड शो में मल्काजगिरि के लोगों का प्यार देखते हुए मुझसे कहा की मलकाजगिरी के लोगों की समस्या का समाधान मैं करूंगा आप बस उनकी समस्याएं बताएं। ईटेला राजेंद्र ने जनता को आश्वासन दिया कि रेवंत द्वारा दी गई सभी गारंटियों को मैं केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार से पूरा कराऊंगा। उन्होंने कहा कि बीते दस वर्षो से देश में शांति रही। पाकिस्तान में की गई सर्जिकल स्ट्राइक को देखते हुए पूरी दुनिया ने पीएम मोदी का लोहा माना। आज कोई भी देश भारत को आंख दिखाने की हिम्मत नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने महिलाओं के 12 करोड़ शौचालय बनवाए। विपक्षी पार्टियां महिलाओं से कहा रही हैं कि वे मोदी को वोट न दें और महिलाएं विपक्षी पार्टियों से सवाल कर रही हैं कि हम मोदी को वोट क्यों न दें। महिलाओं ने भी मोदी को जिताने का मन बना लिया है। ईटेला राजेंद्र ने कहा कि मोदी सरकार ने 2 हजार करोड़ की लागत से सिकंदराबाद, नामपल्ली काचीगुडा रेलवे स्टेशनों का विकास किया। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि उस समय मुझे बहुत दुःख हुआ जब मैं छात्रावासों का निरीक्षण करने गया तो देखा कि छात्रों को जो चावल खाने को दिया जा रहा है वह बहुत ही घटिया किस्म का है। वह मैं ही था जिसने छात्रावासों में बेहतर चावल उपलब्ध करवाया था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए कोरोना के दौरान मैंने देखा कि कोई भी कोरोना मरीजों तक महीन जा रहा है वह मैं ही था जो कोरोना मरीजों से मिला और उनकी जितनी मदद हो सकती थी मैंने की। प्रचार के दौरान गौशालाओं में जाकर भाजपा प्रत्याशी ने गायों को फल खिलाये और उनकी सेवा कर गौमाताओं का आशीर्वाद लिया। अपने चुनाव प्रचार के ईटेला राजेंद्र बाचुपल्ली में मंगलवार को हुई भारी बारिश में एक निर्माणाधीन ईमारत की दीवार ढ़हने से मरे लोगों के परिजनों से भी मिले और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और कहा कि मृतकों के शवों को उनके गाँवों तक पहुंचने की व्यवस्था सीएम रेवंत रेड्डी को करनी चाहिए यही मानवता कहती है। क्योंकि इस हादसे में जो लोग मरे हैं वह दूसरे राज्यों के रहने वाले हैं और उनके परिजनों की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं हैं वे अपने खर्चे से उनके शव अपने गांवों तक ले जा सकें। इसके साथ ही उन्होंने रेवंत सरकार से मांग की कि जो बिल्डिंग बन रही है उसकी परमिशन है या बिना परमिशन बन रही इसकी भी जांच की जाए। चुनाव प्रचार के दौरान ईटेला राजेंद्र ने कहा कि उन्होंने विधायक एवं मंत्री रहने के दौरान 78 समुदायों को कम्युनिटी (आत्म गौरव) बिल्डिंग की मंजूरी दी है। जो हैदराबाद के आलिशान और बेहद कीमती कीमती भूमि प्रदान की।

अग्रवाल समाज का समर कैंप आयोजित

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा एवं कोत्तापेट शाखा के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दिनांक ज़रूरतमंद बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन किया। शाखा स्थलों से करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित डेजाइर सोसाइटी के प्रांगण में किए गए इस कार्यक्रम में 150 से भी अधिक बच्चों एवं उनके माता-पिता एवं परिजनों ने भाग लिया। सभी में उत्साह के साथ सभी प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर भाग लिया, जिससे वहाँ पर मनोरंजन का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम के दौरान आयु के हिसाब से विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं की गई और पुरस्कार दिए गए। सभी को पानी की बोतल, फ्रूटी, बिस्कुट, हल्दीराम सामग्री दिए गए और भगवद्गीता पुस्तकें वितरित की गई। अवसर पर सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा की अध्यक्षा नीती अग्रवाल, मानद-मंत्री रानी मित्तल, सह-मंत्री मीना अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य शीतल रूंगटा, सलाहकार निर्मला अग्रवाल एवं संतोष अग्रवाल के साथ सुरभी, लक्ष्मी, स्नेहलता, रितु, मीना केडिया, निर्मला संघी, श्वेता अग्रवाल उपस्थित थीं। कोत्तापेट शाखा की ओर से अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, मानद-मंत्री सीए, राजगोपाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य दीपक बंसल उपस्थित थे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भेंट करते हुए अग्रमंच के संपादक डॉक्टर दिलीप पसारी, अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, अग्रवाल समाज कोत्तापेट शाखा के अध्यक्ष महेन्द्र कुमार अग्रवाल।

श्री आईजी गौशाला में सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर श्री आईजी गौशाला में अमावस्या कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी एवं राजस्थान के सरकार के मंत्री राजेन्द्र गहलोत, पूर्व विपक्ष नेता राजेन्द्र राठौड़, राजस्थान सरकार उद्योग एवं वाणिज्य खेल कृष्ण कुमार बिश्नोई, देवनारायण बोर्ड के मंत्री ओमप्रकाश भडाणा, पूर्व सभापति नगर परिषद पाली, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सीकर मनोज सिंघानिया और तेलंगाना प्रदेश के भारतीय जनता पार्टी मल्काजगीरी के लोकसभा प्रत्याशी ईटला राजेन्द्र के प्रचार-प्रसार करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर श्री आईजी गौशाला के अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुकमाराम सानपरा, कालुराम काग, ढगलाराम सेपटा, नारायण लाल परिहार, अर्जुनलाल बर्फा, मोतीलाल काग, भगाराम मुलेवा, भंवरलाल मुलेवा, गोपाराम मुलेवा, बाबूलाल मुलेवा,तुलसाराम सिन्दड़ा, नारायणलाल आगलेचा, नेमिचन्द्र काग, मांगीलाल परिहार, जिड़िमिटला बडेर अध्यक्ष मांगीलाल काग, बालाजी नगर बडेर अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हिरालाल, कुमावत समाज प्रांतीय अध्यक्ष सोनाराम कुमावत, समस्त कार्यकारिणी एवं गौभक्त, राजस्थानी प्रवासी बन्धु और मंच संचालक सचिव हुक्माराम सानपुरा, उपाध्यक्ष कालुराम काग द्वारा किया गया और अध्यक्ष मंगलाराम पंवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

केबीआर पार्क में इच्छा पूर्ति गणेश की पूजा आयोजित

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंजारा हिल्स स्थित केबीआर पार्क के इच्छा पूर्ति गणेश भगवान की पूजा हर बुधवार को की जाती है। उसके अनुसार इस बुधवार को भी पूजा अर्चना की गई। उसके पश्चात् आरती एवं प्रसाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्क में सवेरे आने वाले प्रायः सभी लोग गणेश जी की पूजा, आरती में सम्मिलित होते हैं तथा अंत में सभी में प्रसाद बाँटा जाता है। यह पूजा की सेवा पिछले कई वर्षों से की जाती है। आज की सेवा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, विट्ठल दास अग्रवाल, चन्द्र कांत अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, प्रमोद सरायवाला, विजय कुमार एडवोकेट, राम गोयल, पीसी जैन, सुरेंद्र मोहन, सुधाकर पम्पति, रामराजू, डॉक्टर राधेकृष्ण, गोपाल अग्रवाल, आरती, संध्या अग्रवाल, पूजाआदि उपस्थित थे।

फेक वीडियो बनाकर नए हथकण्डे अपना रही है तेलंगाना कांग्रेस सरकार : भजनलाल

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा है कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार जनता को गुमराह करने के लिए फेक वीडियो बनवा रही है और मर्यादा को ताक में रखकर चुनाव के समय नए-नए हथकण्डे अपनाये जा रहे हैं लेकिन जनता सच जानती है। श्री शर्मा बुधवार को हैदराबाद के चेवेल्ला लोकसभा क्षेत्र से प्रवासी राजस्थानियों के साथ चाय पर चर्चा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में जनता कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार से त्रस्त है। त्रस्त जनता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को प्रचण्ड बहुमत देने का मन बना चुकी है तथा लोकसभा चुनावों में यहां भाजपा भारी मतों से विजयी होगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश को भ्रष्टाचार, आतंकवादी घटनाएं, तुष्टिकरण की राजनीति और घोटालों का आए दिन सामना करना पड़ता था लेकिन नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में परिस्थितियां बदलीं तथा देश विकास के पथ पर अग्रसर होता चला गया।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने घर-घर शौचालय, किसान सम्मान निधि, हर घर नल से जल, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों से सहित सभी वर्गों को राहत पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से देश के पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा था कि संसाधनों का सबसे अधिक प्रयोग मुस्लिम वर्ग के कल्याण के लिए किया जाए जबकि श्री मोदी इस तरह की तुष्टिकरण की राजनीति नहीं करते हैं। वह दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आगे ले जाते हुए सबके लिए समान रुप से काम करते हुए दुनिया में देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आजादी के बाद से ही केवल एक ही परिवार को आगे बढ़ाया है। वे लोग बाबा साहब की बात करते हैं लेकिन कांग्रेस ने हमेशा उनको जलील किया तथा कभी कांग्रेस पार्टी से टिकट भी नहीं दिया। रियासतों को एकीकरण करने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल को भी कांग्रेस भूल गई। कांग्रेस को राष्ट्र की चिंता ना होकर केवल एक ही परिवार की चिंता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी घोषणा पत्र में केवल घोषणा ही करती है तथा किसी भी वादे को पूरा नहीं करती है जबकि मोदीजी ने संकल्प पत्र में किए गए अपने प्रत्येक वादे को समयबद्ध पूरा किया है।

श्री शर्मा ने कहा कि श्री मोदी ने सदैव ही देश की सांस्कृतिक पहचान को विश्व में आगे बढ़ाया है। उन्होंने सोमनाथ, महाकाल, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर तथा यमुनोत्री, गंगोत्री, बद्रीनाथ व केदारनाथ सहित देश के सभी बड़े सांस्कृतिक एवं धार्मिक केन्द्रों को संवारने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदीजी ने 500 वर्षों से टेंट में रह रहे रामलला की 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य प्राण-प्रतिष्ठा कर करोड़ों भारतीयों के सपनों को साकार किया है। अयोध्या आज दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक एवं धार्मिक केन्द्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी किसी भी जगह जाएं परोपकार की भावना उनमें सदैव निहित रहती है। राजस्थान की मिट्टी तथा संस्कारों से प्रवासी राजस्थानियों को यह सीख मिली है। उन्होंने आह्वान किया कि 2024 का यह चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण है तथा प्रवासी राजस्थानी अपने कर्तव्य का ध्यान रखते हुए अपनी वोट की ताकत को पहचाने और लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी को भारी मतों से विजयी बनाएं।

गौलीगुड़ा चमन दरगाह के समीप नरेश अग्रवाल एवं नकुल अग्रवाल ने राहगीरों को ठंडी छाछ वितरित की।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागांव वालों द्वारा पितृ अमावस्या के दिन गोल्डन टेम्पल, बंजारा हिल्स में क़रीब 400 स्थानीय निवासियों में अन्नदान वितरित किया गया। जिसमे चावल, सांभर, सब्ज़ी, लड्डू , छाँच परोसा गया। अवसर पर परिवार के सदस्यों में मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, कपिल अग्रवाल आदि ने सेवा प्रदान की।

अग्रवाल समाज शिवरमपल्ली शाखा द्वारा अमावस्या के उपलक्ष में अन्न प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन आरामगढ़ स्थित हनुमान मंदिर के पास किया गया। अवसर पर शाखा के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनिल बंसल, उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, मानद मंत्री ललित अग्रवाल, सह मंत्री सुशील अग्रवाल एवं केंद्रीय समिति सदस्य राजेश जलीय, केंद्रीय समिति के पूर्व कोषाध्यक्ष राकेश जालान, पंकज गुप्ता, तरुण अग्रवाल, अनिल गोयल, नवरतन जैन, आकाश गुप्ता, मोहित अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, विजय अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, सुमित मोदी एवं शाखा के सामान्य सदस्य उपस्थित थे।

कर्नाटक में मुस्लिम को अविमुक्तेश्वर मंदिर समिति में शामिल करने पर राजनीतिक माहौल गरमाया

बेंगलुरु, 08 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक की सिद्दारमैया सरकार के होसकोटे में अविमुक्तेश्वर ब्रह्मोत्सव समिति में एक मुस्लिम व्यक्ति को शामिल करने के फैसले पर बुधवार को राज्यभर में राजनीतिक बहस शुरू हो गयी। विधायक शरथ बचेगौड़ा ने अविमुक्तेश्वर मंदिर में विकास और आयोजनों की निगरानी के लिए एक समिति के गठन के प्रस्ताव दिया था। इस समिति में 12 सदस्यों को नियुक्त किया गया, जिनमें एक मुस्लिम नवाज भी शामिल है।इस फैसले का राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इकाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से विरोध जताया है।

उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य गैर-हिंदुओं को नियुक्त करके मंदिरों और उनकी संपत्तियों पर नियंत्रण स्थापित करना है।

भाजपा ने चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि यह फैसला हिंदू हितों को कमजोर करने के व्यापक एजेंडे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उन्हें डर है, कर्नाटक के एक मंदिर समिति में जब दूसरे धर्म के व्यक्ति को जगह मिल सकती है तो भविष्य में देशभर के सभी मंदिरों में भी यह चलन शुरू हो सकता है।

बारिश के दौरान दीवार गिरने से चार साल के बच्चे समेत सात की मौत

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में भारी बारिश कहर बनकर टूटी है। बारिश के चलते मंगलवार देर शाम यहां एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट की दीवार गिर गई।

इसके मलबे में दबकर सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक चार साल का बच्चा भी शामिल है। बच्चुपल्ली इलाके की पुलिस के मुताबिक, मृतक प्रवासी मजदूर थे, जो कि ओड़िशा और छत्तीसगढ़ से काम के लिए आए थे। राहत-बचाव कर्मियों ने बुधवार सुबह मलबे से उनके शव निकाल लिए। गौरतलब है कि हैदराबाद में लगातार तेज बारिश से जनजवीन अस्त-व्यस्त हुआ है। कई इलाकों में जलभराव की वजह से शहर को ट्रैफिक जाम की समस्या से भी जूझना पड़ा है।

ग्रेटर हैदराबाद महानगरपालिका के अधिकारियों ने बताया कि जलभराव वाले इलाकों में आपदा राहत बल भेजा गया है, जो कि पानी को निकालने और गिरे पेड़ों को हटाने का काम कर हैं।

शहर के पार्क मॉर्निंग वॉक एवं व्यायाम के लिए उपयुक्त : मुख्याधिकारी

किनवट, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर पालिका के मुख्याधिकारी मुगाजी काकडे ने कहा की आज इंसान कुछ न कुछ कारणों के चलते तनाव से गुजर रहा है ऐसे मे उन्हे मन की शांति के लिए नप की साईनगर, सुभाष नगर स्थित उद्यान उपयुक्त होगा। वहां जाकर सुबह मॉर्निंग वॉक और व्यायाम करने से नागरिकों भी लाभ होता है और उन्हें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। किनवट नगरपरिषद ने माझी वसुंधरा व स्वच्छता सर्वेक्षण अंतर्गत आज बरसात के पहले श्रमदान व स्वच्छता अभियान के तहत साईनगर स्थित वसंतराव नाईक बाल उद्यान मे कचरा व अस्वच्छता को लेकर साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर मुख्याधिकारी मुगाजी काकडे मार्गदर्शन कर रहे थे। उन्होंने साईनगर, सुभाष नगर उद्यान पर विशेष लक्ष्य देकर समस्या हल कर कहा कि वे नागरिकों को अच्छी सुविधा देने का प्रयास करेंगे। शहर विकास के लिए सभी ने नप टैक्स भर कर अपना सहयोग दें। इस अवसर पर एड. सुनील येरेकार, अजय कदम, संजय धोबे, माहेर अस्पताल के डॉ राठोड और उनकी टीम, नप के इजि अशोक भालेराव, कार्यालय अधीक्षक अर्चना भिसे, इजि अभिजित मिरकले, राहुल सातुरवार, स्टालिन आडे, किरण कलगोटवार, अब्दुल अल्ताफ, तौफिकखान, फारुख सतार,सटवाजी डोकले, परमेश्वर काचवाडे राजु पिल्लेवार, स जामिर, शेख रियाज, लक्ष्मण कोल्हे, निखिल वाघाडे, शंकर शिवन्ना,विजय वाघमारे, व्यंकटेश मुकनपेलीवार,साहील काशेटवार,दता कोल्हे, रजनीकांत राईचवार, किरण दुधीवार समेत नप कर्मचारी, साफसफाई कर्मियों आदि ने सफाई अभियान में शामिल हुए।

राजस्थान के श्री डूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र बीजेपी के विधायक ताराचंद शाश्वत का सम्मान करते हुए जेठमल सोनी, महावीर सोनी, मुकेश कुमार सोनी, सुरेंद्र सोनी, संतोष सोनी, बजरंग सोनी, मानक सोनी।

अनिता नामेवार बीआरएस छोड़ कांग्रेस में शामिल

मदनूर, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में बीआरएस की हार होने के बाद भारत राष्ट्र समिति के एमपीटीसी मंडल विकास अध्यक्ष के साथ बुधवार को जेडपीटीसी नामेवाद अनिता ने स्थानीय जुक्कल विधायक लक्ष्मीकांत राव के समक्ष कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए।

तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति की सरकार की हार होने के बाद भारत राष्ट्र समिति के कार्यकर्ता व नेता लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अपनी वफादारी बदलने लगे हैं।

भाजपा को हराना चाहिए और संविधान बचाना चाहिए : गेडम टिकानंद

आसिफाबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। डीवाईएफआई के जिला अध्यक्ष गेडम टीकानंद ने कहा कि भाजपा को हराना चाहिए जिसने धोखा दिया कि वह प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरियां देगी। आसिफाबाद जिले में डीवाईएफआई के मुख्य कार्यकर्ताओं की एक बैठक हुई।

पकौड़ी बेचना भी युवाओं का अपमान है उन्होंने कहा कि मोदी राज में भारत में बेरोजगारी बढ़ी है। बैठक में निखिल तिरूपति एवं अन्य ने भाग लिया।

यादगिरिगुट्टा मंडल महबूब पटेगांव स्थित हजरत सैयद अकरमुल्ला पेशखादरी उरप उजाले शाह कादरी दरगाह उत्सवम में अलेरू विधायक बिड़ला इलैया ने भाग लिया। इस अवसर पर दरगाह में विशेष प्रार्थना की गई और चादर और गंधम पेश कर तेलंगाना के लोगों की खुशहाली की कामना की गई। इस कार्यक्रम में मंडल के नेता, कार्यकर्ता, मुस्लिम भाई और अन्य लोग शामिल हुए।

भंडारा चौक रिकाबगंज में राहगीरों को बढ़ती गर्मी से बचने के लिए अमावस्या के अवसर पर राम रस सेवा (छांछ सेवा) का आयोजन कुंभ मेला अग्रवाल बंधु अशोक फाउंडेशन द्वारा अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर लोगों में राम रस सेवा करते हुए राजकमल पवन भट्टड बालाजी एवं अन्य।

जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में अमावस्या पर गोसेवा करते गोशाला के प्रभु दत्त महाराज, हरिकिशन मायच्छ, महावीर प्रसाद कड़ेल, पंकज वर्मा, महेश जावड़ा, शरद वर्मा, सत्यनारायण मोसून, बी. रविन्द्र गुप्ता, प्रहलाद नारनोली, प्रबीन सोनी, सतीश सोनी, हंसराज बेवाल, मनोज सुंडलिया, दिनेश वर्मा, एवं अन्य।

एचडी रेवन्ना 14 मई तक न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बेंगलुरु, 08 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में जनता दल (सेक्युलर) जद-एस नेता और विधायक एचडी रेवन्ना को अश्लील वीडियो कांड से जुड़े अपहरण के एक मामले में 14 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने रेवन्ना को बेंगलुरु के केआर नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक कथित अपहरण मामले के सिलसिले में गत चार मई को गिरफ्तार किया था।

रेवन्ना और उनके बेटे प्रज्वल रेवन्ना के घर में कार्यरत एक महिला की शिकायत के बाद, कर्नाटक सरकार की ओर से गठित एसआईटी यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी के आरोपों की गहन जांच कर रही है। प्रज्वल हसन लोकसभा क्षेत्र से मौजूदा सांसद है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार हैं। यहां मतदान गत 26 अप्रैल को संपन्न हुआ। हो-लेनरसीपुरा का प्रतिनिधित्व करने वाले जद-एस विधायक रेवन्ना और उनके सहयोगी पर फिरौती के लिए अपहरण, नुकसान पहुंचाने के इरादे से अपहरण के तहत आरोप शामिल हैं। केआर नगर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में रेवन्ना को मुख्य आरोपी और एक अन्य व्यक्ति बबन्ना को द्वितीय आरोपी के रूप में पहचाना गया।

CHANGE OF NAME & DOB

I, RUKHMANI Spouse of service No 14684221H, Hav Virendra Kumar, R/o. Quarter No-372/6, Kowkoor, Family Quarter , 4TB, 1 EME Centre, Secunderabad, Telangana have changed my name from **RUKHMANI** to **RUKAMANI DEVI** and date of birth from **01/01/1987** to **01/01/1984** vide affidavit dt 8-5-2024 before C Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

देहदान से भी अधिक पुण्यकर्म हैं मतदान

- 1946 के जनमत संग्रह में वोट नहीं डालने वाले लोगों ने क्या पाप किया, उसे आज तक पीढ़ियां भुगत रही हैं।
- 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट नहीं डालने वाले लोगों का पाप, पीढ़ियां कितने दर्दनाक तरीके से भुगतेंगी इसकी कल्पना करें।
- तब कट्टर कत्लेआम और धर्मांध बलात्कार की परिणति में पाकिस्तान बना।
- अब क्या बनेगा??? * हम चेतते क्यों नहीं??? * हम वोट क्यों नहीं देते???
- पीढ़ियां पुरखों से ये सवाल पूछती रहेंगी और कोसती रहेंगी।
- भविष्य के इन सवालों से बचें, आलस छोड़ें, वोट डालने निकलें...

जय हिंद

Somani

SOMANI ISPAT

Distributor of SAIL TMT / HR Sheets & Plates & Structural Steel for Telangana, Andhra Pradesh & Parts of Odisha

PRODUCTS

Long Products

- M.S Angles
- M.S Channels
- M.S Beams
- Narrow Parallel Flange Beams (NPB)
- Universal Columns
- TMT Bars / Rebbar
- M.S Pipes
- Rails & Crane Rails
- M.S Rounds & Squares

Flat Products

- M.S. Sheets / Plates
- Chequered Plates
- Sailma / High Tensile
- Boiler Quality Plates
- Sail Hard Plates
- M.S Flats

GET IN TOUCH

Hyderabad
11-6-27/1 2 & 3, Balanagar,
Opposite IDPL Factory,
Hyderabad - 500 037. (T.S.)
Tel. +91-40-23771877
Cell : +91 99080 99081
contact@somanisteel.com

Vizag
Plot No - 28, D Block Extn.
Behind SAIL Stock Yard, Autonagar,
Vishakapatnam - 530 012. (A.P.)
Tel. +91-891-2754044 / 45
Cell : +91 90003 04044
vizag@somanisteel.com

www.somanisteel.com

सेल SAIL
स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED
There's a little bit of SAIL in everybody's life

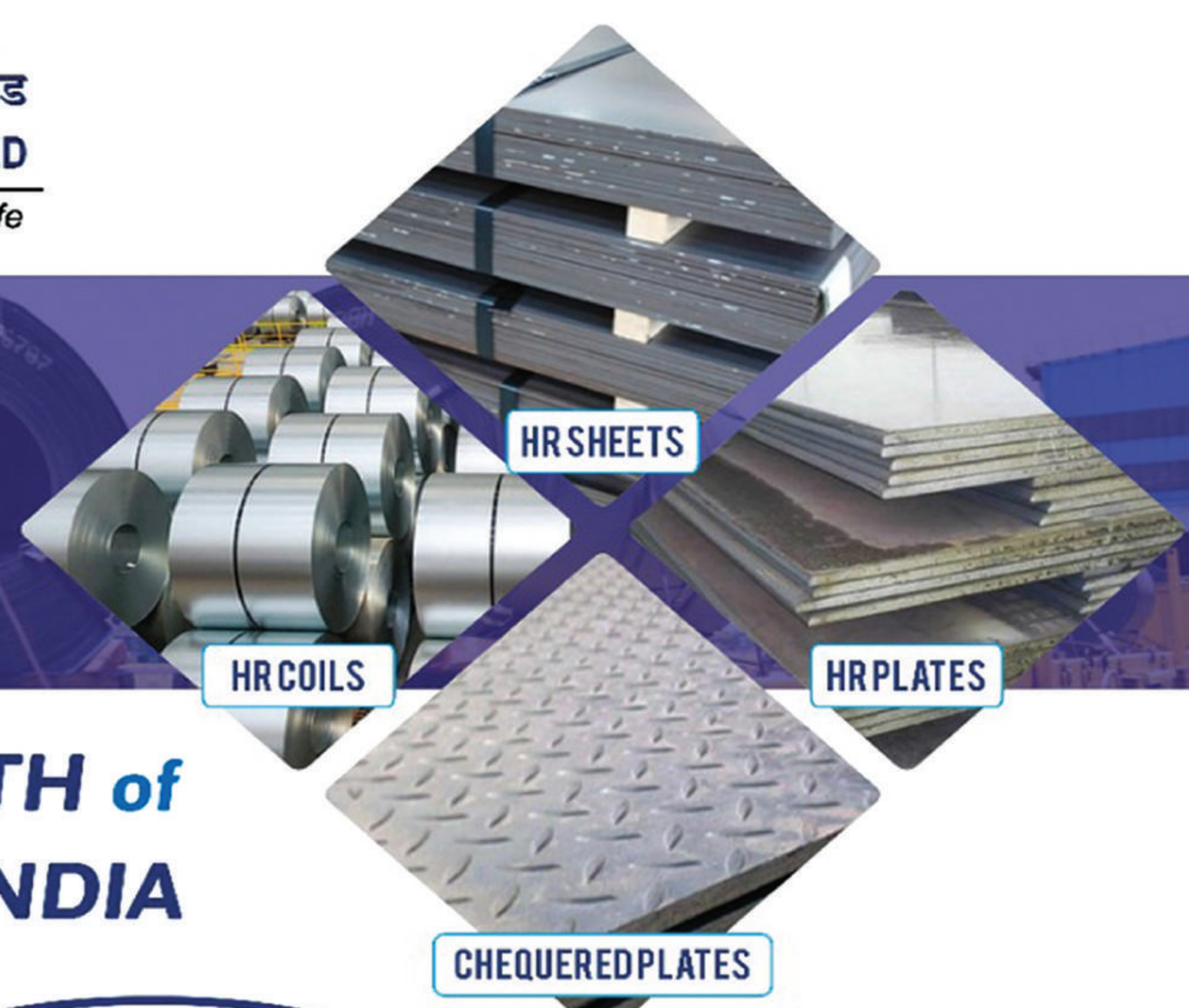

Enhancing the STRENGTH of Emerging INDIA

Somani

SOMANI ISPAT PRIVATE LIMITED

Hyderabad | + 91 9908099081, 9652590129 | contact@somanisteel.com
Visakhapatnam | + 91 9000304044, 9000304077 | vizag@somanisteel.com

शहर की हलचल

गुरुवार, 09 मई, 2024
हैदराबाद

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें

पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के परिजनों ने की पीएम मोदी से मुलाकात

राव को भारत रत्न देने के लिए प्रधानमंत्री का जताया आभार

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। चुनाव प्रचार के सिलसिले से मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैदराबाद पहुंचे। इस दौरान देश के पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के परिजनों ने पीएम मोदी से मुलाकात की। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री को भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया।

पूर्व पीएम राव के परिजनों के साथ हैदराबाद के राजभवन में पीएम मोदी की हुई मुलाकात करीब आधे घंटे तक चली। बैठक में नरसिम्हा राव के बेटे पीवी प्रभाकर राव, बेटी और बीआरएस एमएलसी वाणी देवी, नरसिम्हा राव के दामाद केआर नंदन, एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी, और पूर्व पीएम के पोते एनवी सुभाष भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक के बाद खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैठक के बारे में बताते हुए सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा की। इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि हैदराबाद पहुंचने पर हमारे पूर्व प्रधान मंत्री पीवी नरसिम्हा राव गारू के परिवार के साथ एक उत्कृष्ट बैठक हुई। पीएम मोदी ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा कि पूर्व पीएम के परिजनों ने मुलाकात के दौरान नरसिम्हा राव को भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए सरकार को धन्यवाद दिया।प्रधानमंत्री ने बैठक को लेकर कहा कि हमारी बातचीत व्यापक थी और हमने कई विषयों पर बात की। परिवार के सदस्यों ने हाल के वर्षों में भारत की प्रगति पर खुशी व्यक्त की। हमने भारतीय संस्कृति और परंपराओं की समृद्धि के बारे में भी बात की। इस दौरान पूर्व पीएम के पोते एनवी सुभाष ने कहा कि देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए वह सरकार को धन्यवाद देते हैं। सुभाष ने इस दौरान कहा कि यह हम सभी के लिए बहुत अच्छा एहसास था क्योंकि हमें लगा कि हम अपने परिवार के सदस्य के साथ बातचीत कर रहे हैं।

गौरतलब है कि नरसिम्हा राव लगातार आठ बार चुनाव जीते और कांग्रेस पार्टी में 50 साल से ज्यादा समय गुजारने के बाद भारत के प्रधानमंत्री बने। राव को भारत की राजनीति का चाणक्य कहा जाता है। वे भारत में आर्थिक उदारीकरण के जनक माने जाते हैं। वो आठ बच्चों के पिता थे, 10 भाषाओं में बात कर सकते थे और अनुवाद के भी उस्ताद थे। नरसिम्हा राव 20 जून, 1991 से 16 मई, 1996 तक देश के प्रधानमंत्री रहे।

युवा नेता कैरानकोंडा विनोद कुमार कांग्रेस पार्टी में हुए शामिल

विधायक बिड़ला इलैया ने कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर किया स्वागत

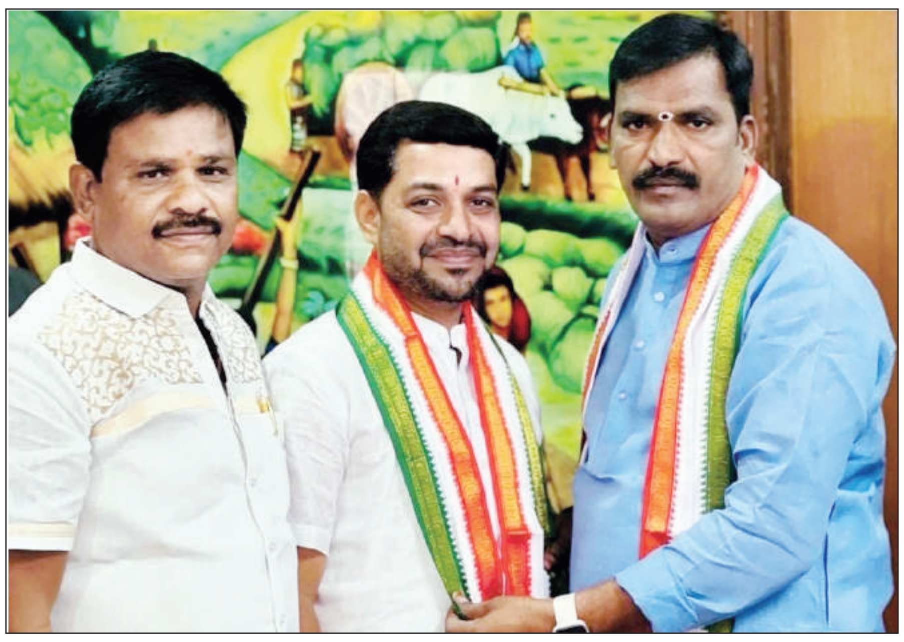

यादगिरिगुट्टा, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। युवा नेता और प्रख्यात शिक्षाविद् कैरानकोंडा विनोद कुमार बुधवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। वह अलेरू विधायक बिड़ला इलैया की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए और बिड़ला इलैया ने उन्हें पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

इस अवसर पर बिरला इलैया ने कहा कि युवा नेता, एमपीटीसी के पूर्व प्रख्यात शिक्षाविद् कैरानकोंडा विनोद कुमार एक वरिष्ठ नेता हैं और उनके पार्टी में शामिल होने से क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी बड़े पैमाने पर मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों की जीत के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए विनोद कुमार को बधाई देते हैं। इस मौके पर पूर्व एमपीटीसी विनोद कुमार ने कहा कि वह कांग्रेस सरकार की विकास और कल्याणकारी योजनाओं से आकर्षित होकर कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कारण ही सभी को न्याय मिलेगा और कांग्रेस ही एक ऐसी पार्टी है जो गरीबों और कमजोर वर्गों के साथ हर तरह से न्याय करेगी।

इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए कैरम कोंडा विनोद कुमार का स्थानीय कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने स्वागत किया और माला पहनाकर व शॉल देकर सम्मानित किया।

शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक दलों का सहयोग जरूरी : कलेक्टर

आसिफाबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों से 13 मई को लोकसभा चुनाव के तहत 001-सिरपुर एवं 005-आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र में होने वाले मतदान प्रक्रिया में सहयोग करने को कहा है। 001-आदिलाबाद (एसटी) संसदीय क्षेत्र के कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा जिला केंद्र स्थित एकीकृत समाहरणालय भवन परिसर स्थित समाहरणालय सभाकक्ष में आसिफाबाद राजस्व मंडल पदाधिकारी लोकेश्वर राव सहित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चुनाव प्रबंधन एवं मतदान प्रक्रिया पर समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी ने कहा कि आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिले के सिरपुर एवं आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले चुनाव को संपन्न कराने में राजनीतिक दलों एवं उम्मीदवारों को सहयोग करना चाहिए, ताकि शांतिपूर्ण तरीके से मतदान कराया जा सके।

उन्होंने कहा कि मतदान के दिन पूर्ण मतदान हो सके, इसके लिए जन जागरूकता कार्यक्रम चलाये जायेंगे। इसी क्रम में 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग और दिव्यांग जो मतदान केंद्र पर नहीं आ सकते, उन्हें घर पर ही मतदान का मौका दिया गया है। 157 लोगों ने इसके लिए आ-वेदन किया और 151 लोगों ने होम वोटिंग के जरिए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केन्द्रों पर विद्युतीकरण, पंखा, पेयजल, मूत्रालय, रैम्प के साथ-साथ ओआरएस पैकेट उपलब्ध कराये जायेंगे। जिले में 4 लाख 56 हजार 300 मतदाताओं का बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा 24 हजार 356 लोगों को मतदाता पर्चियां सौंपी जा चुकी हैं।

बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा 1 हजार 339 मतदाता पहचान पत्र वितरित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। प्रतीक लोडिंग इकाइयों को भंडारण कक्षों में सुरक्षित कर दिया गया है और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग की कमीशनिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। 2 निर्वाचन क्षेत्रों में मशीनों का काम पूरा हो चुका है। निर्वाचन क्षेत्रों के अनुसार महिलाओं के लिए 5, दिव्यांगों के लिए 1, युवाओं के लिए 1 मॉडल मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। छाया मतदान केंद्रों के बाहर सीसी कैमरे लगाने के उपाय किए जा रहे हैं और मतदान प्रतिशत बताने के लिए वायरलेस सेट का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में शांतिपूर्ण चुनाव के लिए राजनीतिक दलों को सहयोग करना चाहिए। इस कार्यक्रम में चुनाव नायब तहसीलदार जितेंद्र, चुनाव विभाग के अधिकारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व अन्य लोग शामिल हुए।

पीएम मोदी ने श्री राज राजेश्वर स्वामी मंदिर में नवाया शीश, की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 08 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में चुनाव प्रचार के लिए आए पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को करीमनगर में श्री राज राजेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अपना चुनावी अभियान शुरू करने से पहले इस प्रतिष्ठित मंदिर में आशीर्वाद मांगा। मंदिर में दर्शन के बाद मोदी ने सुबह 10 बजे करीमनगर में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने दोपहर में एक और सार्वजनिक बैठक आयोजित करने के लिए वारंगल की यात्रा की। प्रधानमंत्री का लक्ष्य इन रैलियों के माध्यम से मतदाताओं से जुड़ना और अपनी पार्टी के लिए समर्थन जुटाना है।श्री राज राजेश्वर स्वामी मंदिर का बहुत अधिक धार्मिक महत्व है। करीमनगर जिले के वेमुलावाड़ा गांव में स्थित यह नीला लोहिता शिव लिंगम के रूप में भगवान शिव को समर्पित है।

भक्तों का मानना है कि दक्षिण काशी या दक्षिणी बनारस के नाम से मशहूर इस प्राचीन मंदिर में प्रार्थना करने के बाद उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मंदिर परिसर में दो वैष्णव मंदिर भी हैं - श्री अनंत पद्मनाभ स्वामी मंदिर और श्री सीताराम चंद्र स्वामी मंदिर। इस प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र में दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने से दो दक्षिणी राज्यों में मोदी ने पार्टी का उच्च-स्तरीय प्रचार अभियान की शुरुआत की।

मंदिर में एक कोड (बैल) है, जहां श्रद्धालु परिक्रमा करते हैं। इसे भगवान शिव का वाहन (नंदी) माना जाता है। मंदिर के अंदर एक विशाल शिव लिंगम है, जिसकी पूजा-अर्चना पीएम मोदी ने भी की। मंदिर परिसर के भीतर उपालय के नाम से जाने जाने वाले कई मंदिर कई देवताओं को समर्पित हैं। इनमें अनंत पद्मनाभ स्वामी, राम-सीता और लक्ष्मण, आंजनेय स्वामी की मूर्तियां हैं। इनमें से हर देवता का मंदिर के भीतर एक अलग मंदिर है। तीर्थयात्रियों को दर्शन से पहले धर्मगुंडम नाम के कुंड में स्नान करना होता है। माना जाता है कि इस कुंड के पवित्र पानी में नहाने से सारे पाप कट जाते हैं और सेहत भी दुरुस्त हो जाती है, क्योंकि इसके पानी में औषधीय गुण पाया जाता है। हर साल महाशिवरात्रि के समय श्रद्धालु शिव की पूजा करने के लिए वेमुलावाड़ा जाते हैं। इस मंदिर में भक्तों द्वारा कोडेमोक्कु नामक प्रसाद भी चढ़ाया जाता है।इस मंदिर क्षेत्र को दक्षिण की काशी भी कहा जाता है। इसे हरिहर क्षेत्र भी कहते हैं, क्योंकि यहां वैष्णव धर्म को मानने वाले लोगों के लिए परिसर में ही भगवान विष्णु के दो मंदिर हैं। अनंत पदमनाभ स्वामी मंदिर और सीताराम चंद्रस्वामी मंदिर। अनंत पदमनाभ स्वामी मंदिर को पूरे इलाके का पालक भी कहा जाता है।

पीएम मोदी इस बार का लोकसभा चुनाव भी बनारस से ही लड़ रहे हैं।

राज राजेश्वर मंदिर की एक और बड़ी खासियत यह है कि यहां मंदिर परिसर में ही एक दरगाह है और यहां के हिंदू-मुसलमान सहिष्णुता के साथ अपने-अपने धर्म के अनुसार पूजा-अर्चना करते हैं। कहा जाता है कि एक बार भगवान सूर्य काफी बीमार हो गए थे। उन्होंने इसी मंदिर में पूजा की, तब उनकी सेहत सुधर गई थी। तभी से इस क्षेत्र को भास्कर क्षेत्रम भी कहा जाता है। पीएम मोदी के दक्षिण मिशन के लिए यह मंदिर खास माना जाता है। कहा जा रहा है कि भाजपा को भले ही केरल और तमिलनाडु में बेहद मामूली कामयाबी मिले, मगर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भाजपा को ठीकठाक सीटें मिल सकती हैं। मोदी ने इसीलिए इस मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ यहां की चुनावी रैलियों की शुरुआत की है, जो वहां के मतदाताओं के लिए एक संदेश है।

उठावना

श्री रामनिवासजी अट्टल
(सुपुत्र : स्व. श्री मुरलीधरजी अट्टल)
स्वर्गवास : मंगलवार, दि. 7-5-2024

उठावना आज गुरुवार, दि. 9-5-2024 को मध्याह्न 1 से 1-30 बजे तक जैन भवन रामकोट, हैदराबाद पर होगा।

शोकाकुल : लक्ष्मीनिवास (अनुज) विष्णुनिवास, हरिनिवास, गोविन्दनिवास, प्रेमनिवास, सुनिलनिवास (पुत्र) लखन, अभिषेक, हेमन्त, आशीष, तुषार (पौत्र) आरव, कियांश (पड़पौत्र) एवं अट्टल परिवार।

रामनिवास हरिनिवास अट्टल
4-5-145, हश्मतगंज, सुलतान बाजार, हैदराबाद
फोन : 9391004960, 9848288867, 9848288755

बैठक : आज मध्याह्न 2 से 3 बजे तक जैन भवन में एवं दि. 10 से 12 मई मध्याह्न 3 से 5 बजे निवास स्थान

ससुराल पक्ष: रामकिशन बृजगोपाल बाहेती परिवार की बैठक आज गुरुवार दि. 9-5-24 मध्याह्न 2 से 3 बजे तक जैन भवन, रामकोट पर रखी गयी है

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.